स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

कानपुर, मंगलवार
14 जुलाई, 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष अमावस्या
सं. 2083 वि.
वर्ष 37, अंक - 322 पृष्ठ 12
संस्करण : महानगर
मूल्य : 3 रुपये

स्वतंत्र भारत

epaper : epaper.swatantrabharat.net

कोहली रोहित वनडे टीम का अभिन्न हिस्सा : गिल

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित, आज से वाहन भर सकेंगे फर्राटा

अब 45 मिनट में लखनऊ से कानपुर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन

- रक्षामंत्री, केन्द्रीय सड़क मंत्री मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन
- 2018 में बनी योजना, 1648 दिनों की मेहनत के बाद सपना साकार

गडकरी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश के सड़क नेटवर्क के विस्तार को लेकर कई बड़ी घोषणाएं कीं। सोमवार को लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवें का रक्षामंत्री,केन्द्रीय सड़क मंत्री,मुख्यमंत्री ने उद्घाटन किया। गडकरी ने कहा, प्रदेश के लिए 50 से 60 हजार करोड़ रुपये की नई सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जबकि अगले दो वर्षों में उत्तर प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये के सड़क विकास कार्य किए जाएंगे। अमेरिका इसलिए अमीर है, क्योंकि वहां की सड़कें अच्छी हैं। योगीजी के साथ जब पहली बार यहां आया था, तब बहुत घोषणाएं की थीं। एक मंत्री ने पूछा था कि आपने इतना बोला है, वह पूरा होगा या नहीं। मैंने डंके की चोट पर कहा था कि जो कहूंगा, वह करके दिखाऊंगा। मैंने राजनीति के 45 साल के करियर में कभी झूठा आश्वासन नहीं दिया। हमें खुशी है कि यूपी देश का दिल है। यूपी प्रगतिशील होगा तो देश की भी तरक्की होगी।

उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से विकसित हो रहे आधुनिक बुनियादी ढांचे की दिशा में 13 जुलाई सोमवार को एक और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। प्रदेश की राजधानी लखनऊ और औद्योगिक नगरी कानपुर को जोड़ने वाला 63 किलोमीटर लंबा लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे (नेशनल एक्सप्रेसवे-6) उद्घाटन के बाद जनता को

एलिवेटेड रोड पर सहमति

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में बढ़ते ट्रैफिक का मुद्दा उठाते हुए एयरपोर्ट से शहीद पथ होते हुए आउटर रिंग रोड तक करीब 23 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड की मांग की। उन्होंने कहा कि इस एलिवेटेड कॉरिडोर पर मेट्रो चलाने की भी व्यवस्था होनी चाहिए।इस पर नितिन गडकरी ने मौके पर ही सहमति जताते हुए डीपीआर तैयार करने और इसी वर्ष दिसंबर से पहले भूमिपूजन कराने का भरोसा दिया। आपने बहुत कुछ दिया, आज भी मांगूंगा तो आप मना नहीं करेंगे। लखनऊ में ट्रैफिक की बड़ी समस्या है। लखनऊ एयरपोर्ट से शहीद पथ से होते हुए आउटर रिंग रोड पर करीब 23 किमी के एलिविटेड रोड के लिए स्वीकृति दें। नितिन गडकरी ने क्षण भर के लिए भी देर नहीं की, उन्होंने कह दिया मंजूर। एलिविटेड रोड के ऊपर एक मेट्रो भी चलनी चाहिए। इसकी भी उन्होंने स्वीकृति उन्होंने दे दी है। लखनऊ से सीतापुर के लिए सिक्सलेन मार्ग और किसान पथ पर सर्विस रोड भी बनाई जाएगी।

चढ़ावा चोरी : सुप्रीम कोर्ट ने मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस

- केंद्र व यूपी सरकार तथा ट्रस्ट को जारी किया नोटिस
- जांच की स्टेटस रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश

जारी किया है। इनके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के राम मंदिर का प्रबंधन करने वाले श्रीराम जन्मभमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को भी नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी से मामले की जांच से जुड़ी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। इस मामले पर

अब अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने याचिकाओं पर सुनवाई की। केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पीठ के समक्ष पेश हुए। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राम मंदिर ट्रस्ट को नोटिस टालने की अपील की, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड को भी संरक्षित करने की जरूरत थी। साथ ही याचिकाकर्ताओं ने मांग की कि उन्हें भी जांच की स्टेटस रिपोर्ट मुहैया कराई जाए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की इस मांग को खारिज कर दिया और कहा कि हम इस बारे में बाद में देखेंगे क्योंकि अभी जांच जारी है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने रिट याचिका दायर की है। इनके अलावा अजय कुमार राय और अन्य की ओर से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और अन्य के खिलाफ दायर एक क्रिमिनल रिट याचिका और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की एक अलग याचिका शामिल है। इससे पहले, जब जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और शील नागू की पीठ के सामने गोस्वामी की याचिका का जिक्र किया गया था, तो सुप्रीम कोर्ट ने उस पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार कर दिया था। याचिकाकर्ता ने मामले को तुरंत लिस्ट करने पर जोर दिया था और कहा था कि लगाए गए आरोप बहुत गंभीर हैं। मामले की तात्कालिकता पर सवाल उठाते हुए न्यायमूर्ति सुंदरेश की अध्यक्षता वाली पीठ ने निर्देश दिया था कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद शीर्ष अदालत के फिर से खुलने पर इस मामले को सूचीबद्ध किया जाए।

गोवध प्रतिबंध के फैसले पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने आज मद्रास हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें तमिलनाडु में कहीं भी बकरीद या किसी अन्य दिन गाय या बछड़े के वध पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया था। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर स्पेशल लीव पिटिशन (एसएलपी) पर नोटिस जारी करते हुए यह अंतरिम आदेश पारित किया। राज्य सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें पूरे राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था। बेंच ने कहा कि हाई कोर्ट के आदेश का अंतिम पैराग्राफ, जिसमें राज्यभर में प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया था, प्रथम दृष्टया सुधार की मांग करता है। राज्य सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने पक्ष रखा।

यूपी में 181 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने सोमवार को बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत 181 पीसीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। महज 12 घंटे के भीतर राज्य में कुल 363 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। शासन के आदेश के तहत कई तहसीलों के एसडीएम बदले गए हैं, जबकि कुछ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी तबादला सूची में बड़ी संख्या में एसडीएम को एक जिले से दूसरे जिले में भेजा गया है,

- 12 घंटे में 363 अफसर इधर से उधर
- कई जिलों के एसडीएम बदले

जबकि कई अधिकारियों को विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों और अन्य संस्थानों से हटाकर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादलों के तहत अयोध्या के एसडीएम राम प्रसाद त्रिपाठी को मथुरा भेजा गया है, जबकि मिर्जापुर के एसडीएम संजीव कुमार यादव को अयोध्या की जिम्मेदारी दी गई है। बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण में विशेष कार्याधिकारी लालकृष्ण को अयोध्या का एसडीएम बनाया गया है। कुशीनगर के एसडीएम विनोद कुमार गुप्ता का भी तबादला अयोध्या किया गया है। बाराबंकी, सीतापुर, गोरखपुर, वाराणसी, लखनऊ, हरदोई, बुलंदशहर और अन्य जिलों में भी कई अधिकारियों की नई तैनाती की गई है।

'अपराधियों के लिए यूपी में कोई जगह नहीं'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास

- जनता दर्शन में बोले सीएम योगी

पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए आम लोगों की शिकायतें सुनीं। कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों पर कड़ा रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों को धमकाने, जमीनों पर अवैध कब्जा करने और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही उन्होंने अपराध और अवैध कब्जे से जुड़े मामलों की जांच में तेजी लाते हुए पीड़ितों को समयबद्ध (समय सीमा के भीतर) न्याय दिलाने के निर्देश दिए।

जनता दर्शन के दौरान अवैध कब्जे और धोखाधड़ी से संबंधित कई गंभीर शिकायतें मुख्यमंत्री के सामने आईं। इस दौरान गाजियाबाद, मेरठ और नोएडा से आए कुछ पीड़ितों ने एक बिल्डर पर बेहद गंभीर आरोप लगाया। पीड़ितों का कहना था कि उक्त बिल्डर ने एक ही फ्लैट को कई अलग-अलग लोगों को बेच दिया और उसकी रजिस्ट्री भी करा दी। मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पर विस्तृत जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो टूक कहा कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित बिल्डर के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाए और हर हाल में पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डंपर में घुसी, पांच मरे

बालोतरा। बालोतरा में भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर घायल हैं। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आगे चल रहे डंपर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गाड़ी के अंदर घायल तड़प रहे थे। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलों को निकाला। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को राजकीय नाहटा अस्पताल, बालोतरा पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। 5 गंभीर घायलों को जोधपुर रेफर कर दिया।

महंगाई दर लगातार छठवें महीने बढ़ी

नई दिल्ली। देश में खुदरा महंगाई की रफ्तार फिर बढ़ गई है। जून में ये बढ़कर 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो मई में 3.93 प्रतिशत पर थी।

- जून में 4.38 प्रतिशत पर पहुंची
- खाने-पीने की चीजें महंगी हुईं

6 महीनों में यह पहली बार है जब खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के लक्ष्य 4 प्रतिशत के पार निकली है। 2026 की शुरुआत में महंगाई दर काफी कम थी। जनवरी में यह 2.74 प्रतिशत के स्तर पर थी, जो जून तक बढ़ते हुए 4.38 प्रतिशत पर पहुंच गई है। पिछले महीने यानी अप्रैल के मुकाबले मई में खुदरा महंगाई में 0.45 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। खाद्य मुद्रा स्फीति मई में बढ़कर 5.32 प्रतिशत पर पहुंच गई। मई में यह आंकड़ा 4.38 प्रतिशत था। महंगाई का बढ़ना-घटना प्रोडक्ट की डिमांड-सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। इससे चीजों की डिमांड बढ़ेगी और सप्लाई नहीं होने पर इनकी कीमत बढ़ेगी।

'सब्जियों की तरह टीटीई बेचते हैं ट्रेन की बर्थ'

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा कि कुछ ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर (टीटीई) ट्रेनों में खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचते हैं। कोर्ट ने देश के सभी रेलवे जोन के जनरल मैनेजरों को निर्देश दिया कि ऐसे दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

- यात्री की मौत पर कलकत्ता हाईकोर्ट सख्त
- रेलवे को दिया कार्रवाई का आदेश

अदालत ने यह टिप्पणी एक ऐसे मामले की सुनवाई के दौरान की, जिसमें नशीला पदार्थ देकर लूट का शिकार बने एक यात्री की मौत हो गई थी। दरअसल, फरवरी 2009 में न्यू जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रहे दो यात्रियों ने बिना रिजर्वेशन टिकट के साथ तीस्ता तोरसा एक्सप्रेस में सफर शुरू किया था। दोनों ने एक टीटीई को पैसे देकर खाली बर्थ हासिल की। बाद में दो अपराधियों ने उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर उनके कीमती सामान लूट लिए। उनमें से एक यात्री पहले से ही कई बीमारियों से पीड़ित था। नशीले पदार्थ के असर से उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरा यात्री बच गया था। जस्टिस राजशेखर मंथा और जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की डिविजन बेंच ने कहा कि यह अदालत अपने इस फैसले की प्रति ईस्टर्न रेलवे और देश के सभी रेलवे जोन के जनरल मैनेजरों को भेजने के लिए बाध्य है, ताकि उन टीटीई के खिलाफ अधिकतम सजा सुनिश्चित की जा सके, जो ट्रेनों में खाली बर्थ को बाजार में सब्जियों की तरह बेचते हैं।

दिल्ली हिंसा : ताहिर हुसैन दोषी करार

आईबी अफसर अंकित शर्मा हत्याकांड में बड़ा फैसला

नई दिल्ली। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने वर्ष 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के दौरान इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी अंकित शर्मा की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में सोमवार को फैसला सुनाया है। अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को हत्या और आपराधिक साजिश रचने का दोषी करार दिया है। कड़कड़डूमा कोर्ट के एडिशनल सेशंस जज प्रवीण कुमार ने इस हाई-प्रोफाइल मामले पर फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया। इस पूरे मामले में ताहिर हुसैन समेत कुल 11 आरोपी शामिल हैं, जिनके खिलाफ कोर्ट ने मार्च 2023 में हत्या, दंगा भड़काने और धार्मिक विद्वेष फैलाने जैसी संगीन धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के सांप्रदायिक दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा लापता हो गए थे। इसके अगले दिन उनका शव चांद बाग पुलिया के पास एक नाले से बरामद हुआ था, जिस पर चोटों के गहरे निशान थे।

बैंकॉक के पब में भीषण आग, 27 लोगों की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार तड़के एक पब में भीषण आग लगने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई।

- कई गंभीर रूप से घायल

दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने की सूचना देर रात को मिली। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में उत्तरी बैंकॉक स्थित पब के मुख्य द्वार से ऊंची लपटें उठती दिखाई दे रही हैं। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीरकुल ने घटनास्थल पर पत्रकारों से कहा कि हादसे में 27 लोगों की मौत हुई है और कई घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

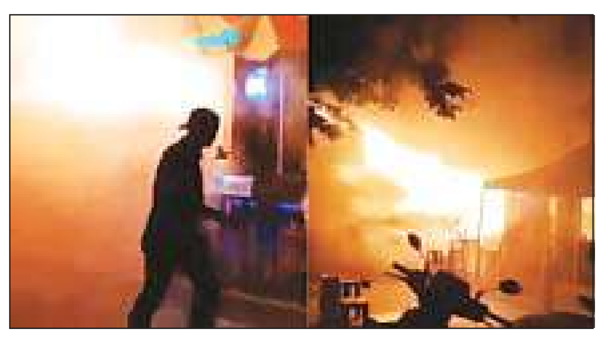

आग पर काबू पाने में दमकलकर्मियों को लगभग 30 मिनट लगे। हादसे के बाद की तस्वीरों में पब के अंदर जली हुई मेज-कुर्सियां और बुरी तरह क्षतिग्रस्त ढांचा दिखाई दे रहा है। थाईलैंड में इस तरह की त्रासदियां पहले भी हो चुकी हैं। वर्ष 2022 में देश के पूर्वी हिस्से के एक म्यूजिक पब में लगी आग में 14 लोगों की मौत हुई थी। इससे पहले 1 जनवरी 2009 को बैंकॉक के सैंटिका नाइटक्लब में नववर्ष समारोह के दौरान आग लगने से 66 लोगों की जान गई थी और 200 से अधिक लोग घायल हुए थे। उस हादसे का कारण कथित तौर पर इनडोर आतिशबाजी थी।

राजस्थान हाई कोर्ट को फिर उड़ाने की धमकी

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को सोमवार सुबह एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिलने से प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया। हाईकोर्ट प्रशासन को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें कोर्ट परिसर को निशाना बनाने की बात कही गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस, सुरक्षा एजेंसियां, डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) मौके पर पहुंच गया और पूरे परिसर को सुरक्षा घेरे में ले लिया। धमकी मिलने के बाद हाईकोर्ट परिसर में करीब डेढ़ घंटे तक सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान कोर्ट भवन, पार्किंग क्षेत्र, प्रवेश द्वार, गलियारे और अन्य संवेदनशील स्थानों की बारीकी से जांच की गई।

खान सर को मिली जमानत

पटना। बिहार के चर्चित शिक्षक फैजल खान और रौशन आनंद विवाद में बड़ा अपडेट आया है। फायरिंग मामले में फैजल खान की अग्रिम जमानत पर सोमवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें फैजल खान को अदालत से बड़ी राहत मिली है। उनके अधिवक्ता अरविंद कुमार ने बताया कि कोर्ट ने खान सर की अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली है। साथ ही इस मामले में खान सर के तीन अन्य सहयोगियों को भी अग्रिम जमानत मिल गई है। वहीं, जेल में बंद दो बॉडीगार्ड को भी अदालत ने जमानत दे दी है। उन्होंने बताया कि मामले की सुनवाई आगे भी नियमानुसार जारी रहेगी। फिलहाल अदालत के आदेश के बाद सभी पक्ष आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी करेंगे।

अरुणाचल में भूस्खलन से सात की मौत

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कई ज़िलों में नई बाढ़ और बारिश की वजह से हुए भूस्खलन से भारी तबाही हुई। इससे सड़कें, पुल, स्कूल और दूसरे सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुँचा और कई इलाकों का संपर्क टूट गया। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र के अनुसार, लगातार बारिश के कारण कुरुंग कुमे ज़िले में अचानक बाढ़ आ गई और पाक्के केसांग, पश्चिम कामेंग और पापुम पारे ज़िलों में भूस्खलन हुआ। इस बाढ़ और बारिश से मरने वालों की संख्या सात बनी हुई है और राज्य के सभी 26 ज़िलों में 97,000 से ज़्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। सबसे ज़्यादा असर कुरुंग कुमे ज़िले में देखा गया, जहाँ कुमे नदी के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण सोमवार सुबह पारसी-पारलो सर्कल और दामिन सब-डिविजन में अचानक बाढ़ आ गई।

रिपोर्ट — यह उपलब्धि भविष्य की प्रजनन चिकित्सा के लिए अहम आधार तैयार करती है

अब मानव स्टेम सेल से बनेंगे शुक्राणु, बांझपन से निजात

वॉशिंगटन। प्रयोगशाला में कृत्रिम तरीके से मानव शुक्राणु तैयार करने की दिशा में वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। शोधकर्ताओं ने मानव स्टेम सेल से ऐसी

- प्रजनन विज्ञान को मिली नई दिशा

अपरिपक्व शुक्राणु कोशिकाएं विकसित की हैं, जो आगे चलकर परिपक्व शुक्राणु बनने की क्षमता रखती हैं। यह उपलब्धि पुरुष बांझपन के कारणों को समझने और भविष्य की प्रजनन चिकित्सा के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार करती है। नेचर की रिपोर्ट के अनुसार यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया का यह शोध वैज्ञानिक पत्रिका सेल स्टेम सेल में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने पहली बार मानव स्टेम सेल से विकसित शुरुआती शुक्राणु कोशिकाओं को जीवित चूहे के शरीर में विशेष रूप से तैयार किए गए वातावरण में विकसित किया। वैज्ञानिकों का उद्देश्य फिलहाल प्रयोगशाला में परिपक्व शुक्राणु बनाना नहीं, बल्कि मानव शुक्राणु बनने की शुरुआती जैविक प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझना है। इस शोध में वैज्ञानिकों ने पहले मानव कोशिकाओं को पुनः प्रोग्राम कर उन्हें प्रेरित बहु-क्षमता स्टेम सेल में बदला।

पुरुष बांझपन के रहस्यों को समझने में मदद

इस तकनीक का सबसे बड़ा लाभ फिलहाल पुरुष बांझपन पर शोध में होगा। वर्तमान में पुरुष बांझपन के लगभग 40त्न मामलों में वास्तविक कारण का पता नहीं चल पाता। यदि वैज्ञानिक शुरुआती शुक्राणु विकास की प्रक्रिया को विस्तार से समझ पाए, तो कई आनुवंशिक और जैविक कारणों की पहचान संभव हो सकेगी। इससे भविष्य में नई उपचार पद्धतियों और दवाओं के विकास का रास्ता भी खुल सकता है। हालांकि, शोधकर्ताओं का कहना है कि अगले चरण में यह साबित करना होगा कि प्रयोगशाला में तैयार हुई स्पर्मेटोगोनिया कोशिकाएं वास्तव में कार्यक्षम हैं या नहीं।

शरीर की किसी भी कोशिका में बदल सकती हैं कोशिकाएं

ये ऐसी कोशिकाएं होती हैं जो शरीर की लगभग किसी भी प्रकार की कोशिका में बदल सकती हैं। इसके बाद इन्हें विशेष जैविक संकेतों की मदद से उन प्रारंभिक जनन कोशिकाओं में परिवर्तित किया गया। इसके बाद इन कोशिकाओं को विकसित हो रहे चूहे के वृषण (टेस्टिस)की सहायक कोशिकाओं के साथ मिलाया गया। इस मिश्रण को चूहे की किडनी पर बनाई गई एक छोटी जैविक थैली में प्रत्यारोपित किया गया, जहां कोशिकाओं को बढ़ने और विकसित होने के लिए अनुकूल वातावरण मिला।

चूहे की जैविक थैली में बनीं वृषण जैसी नलिकानुमा संरचनाएं

चूहे की जैविक थैली में कोशिकाएं स्वयं व्यवस्थित होकर वृषण जैसी नलिकानुमा संरचनाएं बनाने लगीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्रत्यारोपण के लगभग छह महीने बाद मानव कोशिकाएं विकसित होकर स्पर्मेटोगोनिया नामक अवस्था तक पहुंच गईं। यही वे शुरुआती कोशिकाएं होती हैं जिनसे आगे चलकर परिपक्व शुक्राणु बनते हैं। इन कोशिकाओं में सक्रिय जीन सामान्य मानव स्पर्मेटोगोनिया से काफी हद तक मेल खाते पाए गए।

चढ़ावा कम देख भड़के दुल्हन के परिजन लौटा दी बैरंग बारात सामान

खूब हुई पंचायत लेकिन नहीं बनी बात किसी मान मनौव्वल का नहीं हुआ असर दुल्हे को अकेले जाना पड़ा वापस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो माती कानपुर देहात। डेरापुर थाना क्षेत्र के खिरवा गांव के मजरा मोहर सिंह का पुरवा में चढ़ावे के सामान को लेकर हुए विवाद में बारात बैरंग लौट गई। घंटों चली पंचायत के बाद भी विवाद नहीं सुलझा अंततः बारात बिना दुल्हन के ही लौट गई। डेरापुर थाना क्षेत्र के बीसलपुर गांव निवासी अवधेश सिंह के पुत्र कुबेरान सिंह की बारात शनिवार को खिरवा गांव आई थी। वधू के भाई को 7 जुलाई को गोली लगने की घटना के चलते जयमाला का कार्यक्रम पहले ही निरस्त कर दिया गया था। इसके बावजूद वर पक्ष ने विवाह की अन्य रस्में निभाने पर सहमति जताई और रात में टीका सहित सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। रविवार सुबह विवाह की मुख्य रस्मों के दौरान चढ़ावे का सामान सामने रखा गया। आरोप है कि सामान को लेकर वधू पक्ष ने असंतोष जताया और इसी बात पर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और वधू पक्ष ने आगे की वैवाहिक रस्में कराने से इनकार कर दिया। रविवार सुबह से दोपहर करीब तीन बजे तक दोनों पक्षों के रिश्तेदारों ग्रामीणों और गणमान्य लोगों ने समझौते का प्रयास किया। वर पक्ष विवाह संपन्न कराने के लिए लगातार प्रयास करता रहा लेकिन सहमति नहीं बन सकी। आखिरकार बारात को बिना विवाह संपन्न हुए बैरंग लौटना पड़ा। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह ने बताया कि मामले में अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।।।

समितियों में मौजूद है खाद लेकिन लापरवाही के चलते नहीं हो पा रहा है वितरण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो माती कानपुर देहात। सन्दलपुर स्थित साधन सहकारी समिति में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होने के बावजूद प्रशासनिक शिथिलता और तकनीकी खामियों के चलते इसका वितरण पूरी तरह से ठप पड़ा हुआ है। खाद गोदाम में मौजूद होने के बाद भी किसानों को नहीं मिल पा रही है। जिससे किसान के लगभग 3000 से अधिक किसान बेहद परेशान हैं। किसानों को यूरिया की बेहद जरूरत है लेकिन वे खाद के लिए भटक रहे है।?इसकी वजह प्रशासनिक फेरबदल और तकनीकी प्रक्रियाओं में देरी को बताया जा रहा है। संदलपुर स्थिति सहकारी समिति में पहले राघवेन्द्र प्रताप सिंह सचिव के पद पर कार्यरत थे। जिनका तीन माह पूर्व यहाँ से स्थानांतरण हो गया था। उनके जाने के बाद नए सचिव के रूप में विजय सिंह राजपूत को नियुक्त किया गया। जिन्होंने करीब तीन महीने पहले ही यहाँ आकर अपना कार्यभार संभाल लिया था। नियमों के मुताबिक सरकारी समितियों में खाद का वितरण केवल पॉस मशीन के माध्यम से ही किया जा सकता है। नए सचिव विजय सिंह राजपूत के आए तीन महीने बीत चुके हैं। लेकिन विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के कारण अब तक पॉस मशीन में नए सचिव के नाम का हस्तांतरण और आईडी एक्टिवेशन की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। इस तकनीकी प्रक्रिया के अटके होने के कारण मशीन पूरी तरह निष्क्रिय है और वितरण कार्य ठप पड़ा हुआ है।?किसानों ने बताया कि वे हर दिन काम छोड़कर समिति के चक्कर काट रहे हैं लेकिन उन्हें हर बार तकनीकी खराबी का बहाना बनाकर लौटा दिया जाता है। किसानों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों से गुहार लगाई है कि इस तकनीकी समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए ताकि खाद का वितरण जल्द से जल्द शुरू हो सके। इस बाबत एडीसीओ फूलचंद ने बताया पोस मशीन की प्रक्रिया चल रही है वहीं समिति में खाद उपलब्ध है पूर्व सचिव से भी बात की गई है शीघ्र ही किसानों को खाद उपलब्ध कराने के लिए बराबर प्रयास किया जा रहा है।

वित्तीय अनुशासन हीनता लापरवाही और आदेशों की अवहेलना पर बीएसए का तगड़ा एक्शन

जारी हुए बजट की पत्रावलियां ना जमा करने के साथ कारण बताओ नोटिस का जवाब ना मिलने से खफा बीएसए आशीष पाण्डेय ने जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के वेतन पर लगाई रोक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। शासकीय और विभागीय निर्देशों की उपेक्षा पर बेसिक शिक्षा विभाग के ब्लाक स्तरीय कुछ अफसरों पर कार्रवाई की तैयारी सामने आई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पांडेय ने वित्तीय अनुशासनहीनता लापरवाही और आदेशों की अवहेलना करने के आरोप में जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों का जुलाई का वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। सरकारी धन के खर्च का हिसाब ना देना और कारण बताओ नोटिस को नजर अंदाज करना अधिकारियों को भारी पड़ गया। वित्तीय वर्ष 2025.26 के तहत समग्र शिक्षा और बेसिक शिक्षा के विभिन्न मदों जैसे खेलकूद बालचरध्स्काउटिंग और अन्य योजनाओं के लिए बजट जारी हुआ था। अधिकारियों ने इस बजट के वास्तविक खर्च का उपभोग प्रमाण पत्र और मूल दस्तावेज विभाग को नहीं सौंपे। बीएसए कार्यालय द्वारा इससे पहले 12 जून 2026 को पत्र और 1 जुलाई 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। खंड शिक्षा अधिकारियों ने ना तो कोई जवाब दिया और ना ही दस्तावेज जमा किए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस लापरवाही को अत्यंत खेदजनक और राजकीय कर्मचारी आचरण नियमावली के पूरी तरह विपरीत माना। बीएसए ने साफ कर दिया है कि जब तक सभी मांगी गई सूचनाएं और दस्तावेज कार्यालय में भौतिक रूप से जमा नहीं हो जाते तब तक वेतन जारी नहीं होगा। आदेश में सख्त लहजे में कहा गया है कि जिस दिन वांछित अभिलेख कार्यालय को प्राप्त होंगे उसी दिन वेतन बहाली पर विचार किया जाएगा।

समर्थ इंडिया द्वारा एक पेड़ मां के नाम बृहद वृक्षारोपण

कुरारा,हमीरपुर 13 जुलाई समर्थ इंडिया द्वारा एक पेड़ मां के नाम बृहद वृक्षारोपण महायज्ञ के तहत क्षेत्र के पारा, कुतुबपुर, परसी डेरा, खरौंज जल्ला में किसानो के खेत की मेड पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर लोगो को वृक्षारोपण के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को पेड़ लगाकर उन्हें संरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पारा गांव के सचिव ओमप्रकाश ने पेड़ो के महत्व के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर समर्थ के निधि, रौली, अंजली, शांती, शारदा, बुशरा आदि ने वृक्षारोपण में सहयोग किया। इसी तरह क्षेत्र के देवीगंज गांव में ग्राम प्रधान रामायण प्रसाद व सचिव बृजेश शुक्ला ने गांव में वृक्षारोपण कर पेड़ लगाए जाने की शुरुवात की। रु७९13, 18रू35, ऐपीमाीउतरू कुरारा,हमीरपुर 13 जुलाई विकास खंड क्षेत्र के डामर गांव में एक सप्ताह से नमामि गंगे योजना की सप्लाई का पानी गांव के ऊंचाई वाले लोगो को नहीं मिल पा रहा है। गर्मी के चलते ग्रामीण पेयजल के लिए परेशान हो रहे है। क्षेत्र के डामर गांव में नमामि गंगे परियोजना की टंकी व नलकूप स्थित है इससे गांव के लोगों को पानी की सप्लाई होती है। नलकूप से टंकी में पानी भरकर सप्लाई होने पर ऊंचाई वाले स्थानों पर भी पानी पहुंच जाता था लेकिन एक सप्ताह से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार, गणेश, सज्जन द्विवेदी, हरिशरण, प्रकाश चंद्र, पुत्तन यादव आदि ग्रामीणों ने बताया कि टंकी में पानी भरकर रोकने वाला वाल खराब हो जाने से टंकी में पानी नहीं रुक पा रहा है। जिससे नलकूप से ही सप्लाई होने से पानी का प्रेशर नहीं बन पा रहा है। जिससे गांव के ऊंचाई वाले स्थानों में पानी की सप्लाई बाधित चल रही है। गर्मी में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। बीच गांव से यह लोग पानी के लिए दूर तक जाते है। इस के चलते पानी का संकट गहराता जा रहा है। लोग पानी के लिए परेशान है। ग्रामीणों ने पानी की सप्लाई की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

कुरारा,हमीरपुर। समर्थ इंडिया द्वारा एक पेड़ मां के नाम बृहद वृक्षारोपण महायज्ञ के तहत क्षेत्र के पारा, कुतुबपुर, परसी डेरा, खरौंज जल्ला में किसानो के खेत की मेड पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर लोगो को वृक्षारोपण के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया। ग्रामीणों को पेड़ लगाकर उन्हें संरक्षित रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। पारा गांव के सचिव ओमप्रकाश ने पेड़ो के महत्व के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर समर्थ के निधि, रौली, अंजली, शांती, शारदा, बुशरा आदि ने वृक्षारोपण में सहयोग किया। इसी तरह क्षेत्र के देवीगंज गांव में ग्राम प्रधान रामायण प्रसाद व सचिव बृजेश शुक्ला ने गांव में वृक्षारोपण कर पेड़ लगाए जाने की शुरुवात की।

प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने वृक्ष लगाकर लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश शासन एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय अकबरपुर में वृहद वृक्षारोपण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अतुल शर्मा द्वारा पौधारोपण कर किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में छायादार फलदार एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उपयोगी विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। महाविद्यालय के प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान पौधों के संरक्षण नियमित सिंचाई तथा उनकी देखभाल का दायित्व भी निर्धारित किया गया।

प्राचार्य डॉ. अतुल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण हेतु प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनका संरक्षण करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को वृक्षों के वैज्ञानिक सामाजिक एवं आर्थिक महत्व से अवगत कराया तथा उन्हें अपने घर गाँव एवं आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण के लिए प्रेरित किया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता प्रदर्शित करते हुए पौधों की नियमित सिंचाई सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत लगाए गए प्रत्येक पौधे की देखभाल हेतु उत्तरदायित्व निर्धारित किया गया ताकि लगाए गए पौधे विकसित होकर भविष्य में महाविद्यालय परिसर को अधिक हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बना सकें। सभी प्रतिभागियों ने यह भी संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे तथा उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकों में डॉ मीनू राजवंशी डॉ निधि धवन डॉ गौरव मिश्रा सह जनपद नोडल अधिकारी डॉ पवन कुमार शर्मा डॉ अनु जाजू कार्यालय प्रभारी आरूषि शर्मा एवं हरिशंकर शर्मा और अरविन्द इत्यादि ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। छात्र छात्राओं में आकाश गौरवी अंकित सुमित आस्था हिमांशु इत्यादि छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। समस्त प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण हरित भारत के निर्माण तथा सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। यह अभियान विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना जागृत करने तथा प्रकृति के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में अत्यंत सफल एवं प्रेरक सिद्ध हुआ।

नाफरमानी की सजा या कुछ और घ् मंगलपुर एसओ लाइन हाजिर

घटनाओं में घटनास्थल पहुंचने की बजाय थाने में बैठकर करवाते थे जांच इस बात की होती रही चर्चा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। मंगलपुर थाना प्रभारी महेश दुबे को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने यह कार्रवाई की। उन्हें करीब पांच महीने पहले मंगलपुर थाने का प्रभारी बनाया गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना क्षेत्र में कानून.व्यवस्था को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। अपराध नियंत्रण में अपेक्षित परिणाम ना मिलने और कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवालों के कारण यह कदम उठाया गया है। बताया जा रहा है कि कई घटनाओं के बाद भी थाना प्रभारी मौके पर पहुंचने के बजाय थाने में बैठकर ही जांच कराने की शैली अपनाते थे। इससे स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों में नाराजगी बढ़ रही थी।

हाल ही में हिसावा गांव का एक परिवार उत्पीड़न और सुरक्षा की चिंता के चलते गांव छोड़कर पलायन कर गया था। आरोप है कि इस गंभीर घटना के बावजूद थाना प्रभारी स्वयं मौके पर नहीं पहुंचे जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठे। इसके अतिरिक्त मंगलपुर थाना क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण न होने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही थीं। इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक ने यह निर्णय लिया। हालांकि पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने इसे रूटीन प्रशासनिक प्रक्रिया बताया है। लेकिन पुलिस महकमे में इस कार्रवाई को कानून.व्यवस्था और कार्यप्रणाली से जोड़कर देखा जा रहा है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हलचल तेज है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि मंगलपुर थाने की कमान किस अधिकारी को सौंपी जाती है।

जिले मे किसान दिवस का 15 को होगा आयोजन नवीन तकनीकों की दी जाएगी जानकारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। उप कृषि निदेशक हरि शंकर भार्गव ने जानकारी दी कि प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में कृषि क्षेत्र में किसानों को आधुनिक तकनीकों सरकारी योजनाओं एवं उन्नत खेती के प्रति जागरूक करने तथा किसानों की समस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से 15 जुलाई बुधवार को विकास भवन माती में दोपहर 12 बजे से किसान दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों से बड़ी संख्या में किसान भाग लेंगे। कृषि विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञ किसानों को खेती किसानी से जुड़ी नवीन जानकारियां प्रदान करेंगे। किसान दिवस के दौरान कृषि वैज्ञानिक उद्यान विभाग पशुपालन विभाग मत्स्य विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी किसानों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देंगे। साथ ही उन्नत बीज जैविक खेती प्राकृतिक खेती फसल संरक्षण जल संरक्षण एवं कृषि यंत्रीकरण के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को भी गंभीरता से सुना जाएगा। किसान सीधे अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाकर आधुनिक कृषि उपकरणों एवं नई तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान दिवस का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने खेती की लागत कम करने तथा आधुनिक तकनीकों को गांव गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक किसानों से कार्यक्रम में भाग लेकर इसका लाभ उठाने की अपील की है। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे आयोजन किसानों को नई जानकारी उपलब्ध कराने के साथ साथ उनकी समस्याओं के समाधान का भी प्रभावी माध्यम बनते हैं। किसान दिवस के आयोजन को लेकर कृषि विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। किसानों में भी कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। उन्हें उम्मीद है कि किसान दिवस के माध्यम से खेती को लाभकारी बनाने और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

मोबाइल हैक कर ग्राम प्रधान का खाते से उड़ाए पैसे पुलिस ने कराए वापस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। शिवली कोतवाली के क्षेत्र के ग्राम पंचायत मवैया के ग्राम प्रधान का मोबाइल हेग कर साइबर ठगो ने 363351 रुपए की ठगी कर ली।प्रधान की शिकायत पर एक्टिव शिवली पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने कार्यवाही कर 98308 रुपए वापस करा दिए। शिवली कोतवाल ने ग्राम प्रधान को पैसे वापसी का प्रमाण पत्र दिया। तो ग्राम प्रधान ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। शिवली कोतवाली क्षेत्र के मवैया गांव के प्रधान सतीश चन्द्र पुत्र मुंशीलाल ने शिवली कोतवाली की साइबर हेल्प डेस्क टीम को 23 जनवरी को शिकायती पत्र देकर बताया था कि साइबर ठगो ने उसका फोन हैक कर उसकी सिम पोर्ट कराकर उसके खाते से कुल 363351 रूपये की साइबर ठगी दिनांक 17 जनवरी 2026 से 22 जनवरी 2026 के मध्य कर ली गई है। इससे उसका काफी नुकसान हुआ है। शिकायत मिलने के बाद शिवली कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह समेत उप निरीक्षक सोमवीर सिंह कंप्यूटर ऑपरेटर अतुल कुमार एवं आरक्षी प्रीति सोनकर ने तत्काल प्रयास शुरू किए।लेकिन उसके पूर्व साइबर ठगो ने काफी रुपए खाते से निकाल लिए थे। लेकिन शिकायत मिलने के बाद तत्काल शिवली पुलिस ने एक्शन लिया और खाते की फ्रीज़ करा दिया । इसके बाद आवश्यक कार्रवाई कर शेष रकम 98308 रुपए ग्राम प्रधान के खाते में वापस करा दिया। सोमवार को ग्राम प्रधान को पैसा वापसी का कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने प्रमाण पत्र दिया।

जिसे पाकर ग्राम प्रधान का चेहरा खिल उठा। वही ग्राम प्रधान ने पुलिस की कार्यशैली की प्रशंसा कर आभार व्यक्त किया।

रवि की जिंदगी में सरकार की जन हितैषी योजना ने ला दी बहार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को नई पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री की प्रेरणा से संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वहीं जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में जनपद में इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से योजनाओं का लाभ मिल रहा है। इसी का जीवंत उदाहरण हैं ग्राम बादशाहपुर नौहुआ नौगांव निवासी रवि कुमार जिन्होंने पीएमएफएमई योजना के माध्यम से अपने पारंपरिक डेयरी व्यवसाय को आधुनिक उद्योग का स्वरूप दिया है। रवि कुमार लगभग 18 वर्षों से दूध एवं दुग्ध उत्पाद निर्माण के कार्य से जुड़े हैं। वर्ष 2007 में उन्होंने अपने बड़े भाई के साथ व्यवसाय की शुरुआत की तथा वर्ष 2016 से स्वयं का उद्यम संचालित करने लगे। सीमित संसाधनों के साथ साधारण भट्टी और कढ़ाई पर खोया तैयार कर कानपुर की हटिया मंडी में बेचने से शुरू हुआ यह सफर आज आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तक पहुंच चुका है। रवि कुमार का जीवन संघर्षों से भरा रहा। उनके पिता ने होमगार्ड की नौकरी कर परिवार का पालन पोषण किया। माता एवं एक भाई के असमय निधन के कारण उन्हें हाईस्कूल तक की शिक्षा के बाद परिवार की जिम्मेदारियां संभालनी पड़ीं और आजीविका के लिए दूध व्यवसाय से जुड़ना पड़ा। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप तथा जिलाधिकारी के निर्देशन में संचालित पीएमएफएमई योजना के अंतर्गत रवि कुमार को ओंकार नाथ सहकारी बैंक से 15 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस सहायता से उन्होंने राजस्थान से आधुनिक बॉयलर एवं स्टीम जैकेट युक्त कढ़ाई मंगवाकर अपने प्रतिष्ठान में स्थापित की जिससे उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आज उनकी इकाई में प्रतिदिन लगभग चार कुंतल दूध का प्रसंस्करण कर एक कुंतल खोया तैयार किया जाता है जिसकी आपूर्ति कानपुर की हटिया मंडी सहित आसपास के बाजारों में की जाती है। त्योहारों के समय उत्पादन बढ़ाकर लगभग 150 किलोग्राम प्रतिदिन तक कर दिया जाता है। नई तकनीक अपनाने से उत्पादन लागत में भी कमी आई है। पहले प्रति कुंतल दूध पर लगभग 100 किलोग्राम लकड़ी की आवश्यकता होती थी जो अब घटकर 50 किलोग्राम रह गई है। वहीं पहले जहां तीन श्रमिकों की आवश्यकता होती थी अब एक सहायक के सहयोग से ही कार्य सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। रवि कुमार अपने गांव के किसानों से ही दूध का संकलन करते हैं जिससे गुणवत्ता बनी रहती है और स्थानीय किसानों को भी नियमित बाजार उपलब्ध होता है। गुणवत्तापूर्ण उत्पाद एवं ईमानदार व्यावसायिक व्यवहार के कारण बाजार में उनकी अलग पहचान बनी है। उन्होंने बताया कि पीएमएफएमई योजना की ऑनलाइन प्रक्रिया में जिला रिसोर्स पर्सन ने मात्र दो कार्य दिवस में सभी औपचारिकताएं पूरी कराने में सहयोग किया। वहीं जिला उद्यान अधिकारी के मार्गदर्शन में आवेदन से लेकर ऋण स्वीकृति तक पूरी प्रक्रिया सरल एवं सुगम रही। बैंक द्वारा मशीन निर्माता फर्म के खाते में सीधे भुगतान किए जाने से आधुनिक मशीनों की स्थापना समय पर हो सकी। रवि कुमार का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनकल्याणकारी नीतियों तथा जनपद में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण उन्हें अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का अवसर मिला है। वे भविष्य में अपने परिवार रिश्तेदारों तथा अन्य युवाओं को भी सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित करेंगे। रवि कुमार की सफलता इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व और जिलाधिकारी के प्रभावी मार्गदर्शन में संचालित योजनाएं ग्रामीण उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाते हुए स्थानीय रोजगार आधुनिक तकनीक और आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार तैयार कर रही हैं।

बसपा के हुए गुड्डन गड़बड़ाने लग गए विधानसभा क्षेत्र के चुनावी समीकरण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो
माती कानपुर देहात। रविवार को अकबरपुर शहर के सिंह लॉन में बहुजन समाज पार्टी की बैठक हुई। इसमें 29 जुलाई को होने वाले विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा हुई। बताया गया कि इसी कार्यकर्ता सम्मेलन में अकबरपुर के पूर्व चेयरमैन और भाजपा नेता जितेंद्र सिंह गुड्डन बसपा में शामिल होने की घोषणा करेंगे। गुड्डन सिंह के बसपा में शामिल होने की जानकारी के बाद अकबरपुर.रनियां विधान सभा सीट के मौजूदा समीकरण गड़बड़ाते नजर आ रहे। बसपा से क्षत्रिय उम्मीदवार उतरने के बाद बाकी दलों से क्षत्रियों की दावेदारी का रास्ता बंद हो जाएगा। सिंह लॉन में हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए कानपुर मंडल के मुख्य इंचार्ज जीतेन्द्र संखवार ने विधानसभा अकबरपुर रनिया के सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी। 29 जुलाई 2026 को कस्बा अकबरपुर स्थित सिंह लॉन में आयोजित होने वाले विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी से भारी संख्या में लोगों को पहुंचने की अपील की। उन्होंने अपने संबोधन में भाजपा सपा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में चल रही भाजपा सरकार में महंगाई बेरोजगारी अन्याय अत्याचार बड़े पैमाने पर बड़ा है आज युवा नौकरी मांगता है तो योगी सरकार युवाओं को गुमराह कर रही है साथ ही समाजवादी पार्टी के फर्जी चलाए जा रहे पीडीए से सभी को सावधान रहना जब जब बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनी है तब सर्वसमाज का सम्मान बढ़ा है युवाओं को नौकरी बड़े पैमाने पर मिली हैं बसपा सरकार में कोई भी दंगा फसाद नहीं हुआ है आज भाजपा हिन्दू मुस्लिम कराकर समाज को बांटने का काम कर रही है। आज सर्वसमाज के लोग बहुत तेजी से बसपा से जुड़ रहा है पूरे प्रदेश में बीएसपी की लहर चल पड़ी है ऐसी दमनकारी भाजपा सरकार को विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेंकना है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं संग 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाकर परम आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी को उत्तर प्रदेश का पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया। तैयारी बैठक की अध्यक्षता नगर पंचायत अकबरपुर चेयरमैन प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह गुड्डन ने की। उन्होंने आगामी 29 जुलाई 2026 को होने वाले विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में भारी से भारी संख्या में लोगों से पहुंचने का निवेदन किया। अजय कुमार गोयल फौजी जवाहर संखवार शमशाद खान एडवोकेट रामदुलारे कमलरामबाबू गौतम आदि रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत रसूलाबाद पुलिस ने किया वृक्षारोपण

- **सीओ आलोक कुमार ने कहा वृक्ष ही जीवन है तो वहीं कोतवाल एसएन सिंह ने कहा पर्यावरण बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है**
- **थाना परिसर चौकियों और स्कूलों में लगाए गए पौधे**

रसूलाबाद कानपुर देहात। शासन के निर्देश पर चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत रविवार को थाना रसूलाबाद परिसर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया।कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों कर्मियों और स्कूलों में स्कूली बच्चों और शिक्षकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसएन सिंह ने मय समस्त थाना स्टाफ के साथ वृक्ष लगाए। इसी क्रम में क्षेत्र की सभी चौकियों तिस्ती बिरहुन असालतगंज कहिजरी और नारखास के चौकी प्रभारियों ने भी अपनी.अपनी चौकी परिसर में पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं प्राथमिक विद्यालय बिलहा में शिक्षकों और बच्चों ने मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान शिक्षक नागेन्द्र कुमार राज कुमार कुशवाहा स्वर्णा गुप्ता सृष्टि कमल विवेक कुमार शीला देवी सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे मौजूद रहे। बच्चों ने परिसर में नीम पीपल बरगद और फलदार पौधे लगाए । पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक कुमार ने कहाकि पुलिस केवल कानून.व्यवस्था ही नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी भागीदारी निभा रही है। वृक्ष ही जीवन हैं। थाना चौकियों और स्कूलों में लगाए गए ये पौधे आने वाले समय में छाया और ऑक्सीजन देंगे। हमारा प्रयास है कि हर पुलिसकर्मी कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल भी करे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसएन सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण को हम अभियान के रूप में ले रहे हैं। थाना परिसर के साथ साथ क्षेत्र की सभी चौकियों में पौधे लगाए गए हैं। हम जनता से भी अपील करते हैं कि वे अपने घर खेत और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। पर्यावरण बचाना आज समय की सबसे बड़ी जरूरत है। पुलिस का कहना है कि लगाए गए सभी पौधों की नियमित देखभाल भी की जाएगी।

रूमा हाइवे पर भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत, 9 घायल

- खड़े ट्रक के पीछे घुसी तेज रफ्तार स्कार्पियो
- गैस कटर से काटकर घायलों को निकाला गया बाहर
- कार में बिहार व झारखण्ड के लोग थे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। सोमवार सुबह रूमा स्थित हाइवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। सर्विस लेन में खड़े ट्रक में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो के परखच्चे उड़ गए और लोग अंदर फंस गए। यह देख मौके पर चीख पुकार मच गई। मौके पर पहुंची महाराजपुर पुलिस सभी कांशीराम अस्पताल ले गई। जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया है। वहीं 9 की हालत गंभीर देखते हुए हैलट के लिए रेफर कर दिया गया। स्कॉर्पियो में सवार लोग हरियाणा के सिरसा से बिहार के गया जा रहे थे।

झारखंड के थाना चतरा बड़े बीघा के रहने वाले वकील यादव अपने परिवार के साथ हरियाणा से घर लौट रहे थे। उनके साथ उनकी पत्नी कविता कुमारी, बेटी अनीशा कुमारी, रिया भी थे। जबकि दूसरा परिवार बिहार के गया के धमना के खपिया गांव के नरेश मंडल भी अपने परिवार के साथ कार में सवार थे। उनके साथ पत्नी सावित्री देवी, बेटी स्नेहा, बेटी नेहा, बेटा दिलकुश कुमार थे। दोनों परिवार ने मिलकर खिड़िया और झारखंड जाने के लिए गाड़ी बुक की थी। हरियाणा के सिरसा के डिंग बड्डी के रहने वाले चालक बाप-बेटे बजरंग और हिमांशु रविवार रात 9 बजे कार लेकर लेकर निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रूमा फ्लाईओवर से थोड़ी दूर पर एक ट्रक खड़ा था। सोमवार सुबह करीब 6 बजे तेज रफ्तार स्कार्पियो ट्रक के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। इलाकाई लोगों की सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस ने राहगीरों की मदद से गैस कटर से गाड़ी काटी और घायलों को बाहर निकाला। आनन-फानन में एम्बुलेंस के माध्यम से कांशीराम अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों से कार चालक बजरंग व नरेश मांझी के बेटे दिलकुश कुमार व बेटी नेहा को मृत्यू घोषित कर दिया। वहीं हालत गंभीर देखते हुए 9 लोगों को हैलट के लिए रेफर कर दिया। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने करीब 13 किलोमीटर दूर तिवारीपुर ओवरब्रिज के पास उसे दबोच लिया। ट्रक चालक का नाम आदर्श सिंह है। वह मिर्जापुर का रहने वाला है। उसने बताया कि वह कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर सर्विस लेन पर ट्रक खड़ा करके सो रहा था। तभी पीछे से स्कॉर्पियो घुस गई। हादसे के बाद वह डर गया और मौके से भाग निकला।

हादसे में ये लोग हुए घायल

नरेश मांझी, सावित्री देवी, स्नेहा कुमार, वकील यादव, रिया, अनीशा कुमारी, कविता कुमारी, हिमांशु व केसर भारती घायल हो गए। घायलों का हैलट अस्पताल में इलाज चल रहा है।

नरेश की बेटी स्नेहा बोली, भईया और दीदी को बुला दो...

महाराजपुर में हुए सड़क हादसे में मजदूर नरेश मंडल का पूरा परिवार तबाह हो गया। हादसे में उनके बेटे 11 साल के बेटे दिलकुश व 15 साल की बेटी नेहा ने दम तोड़ दिया। वहीं नरेश पत्नी सावित्री देवी के साथ जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं। दोनों को गंभीर हालत में हैलट के आईसीयू वार्ड में भर्ती किया गया है। हादसे में नरेश की सात साल की बेटी स्नेहा के सिर में भी चोट लगी है। सोमवार तड़के तीनों को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब 12 बजे स्नेहा को होश आया, हैलट के रेड जोन में भर्ती स्नेहा की आंखे होश में आने के बाद थोड़ी देर तक बिस्तर पर लेटे परिजनों को तलाश करती रहीं, जब कोई नहीं दिखा तो हिम्मत जुटा कर बेड में बैठ गई। जिस पर उसने अपने आंखों के सामने कांस्टेबल लक्ष्मी को पाया। कांस्टेबल लक्ष्मी तुरंत स्नेहा के पास पहुंची और लेटने को कहने लगी, जिस पर उसने अपनी मां सावित्री और पिता नरेश के बारे में पूछा तो महिला कांस्टेबल के पास कोई जवाब न था। उन्होंने उसे सिरहाने पर रखे फल और बिस्कुट खाने को दिया, जिस पर उसने इंकार कर दिया। स्नेहा बोली कि मम्मी के पास जाना है, लक्ष्मी ने उसे फुसलाते हुए कहा कि अभी थोड़ी देर में मम्मी आ रही हैं। जिस पर उसने पूछा कि भईया दिलकुश व दीदी नेहा को बुला दो... जिस पर वह साथ ही पुलिसकर्मियों को ओर देखते हुए बोलीं कि उनका इलाज चल रहा है।

धमाके बाद आखों के सामने छा गया अंधेरा

गया निवासी केसर भारती के दायां पैर फैक्चर हुआ, सिर में चोटे आई हैं। हैलट अस्पताल में होश आने के बाद उन्होंने बताया कि वह हरियाणा सिरसा में मजदूरी करते हैं, वह रविवार को घर जाने के लिए निकले थे। स्कार्पियों में वह पिछली सीट में बैठे हुए थे। गाड़ी ड्राइवर बजरंग चला रहा था, उस समय गाड़ी 120 की स्पीड में होगी। सुबह 6 बजे वह जग गए थे। एक बार गाड़ी तेज स्पीड में लहरायी, तो अधिकांश लोगों की नींद खुल गई। कुछ ही पलों बाद एक जोरदार धमाका हुआ और आंखों के सामने अंधेरा छा गया। इसके बाद होश आया तो वह अस्पताल में मिले।

सीएम योगी ने व्यक्त की शोक संवेदना

महाराजपुर हादसे का सीएम योगी ने संज्ञान लिया। सीएम योगी ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना की। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। मृतकों के परिजनों से संवाद कर हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।

डीएम ने घायलों का जाना हाल

हादसे में 9 लोग घायल हैं। सभी का ईलाज अस्पताल में चल रहा है। जिसमे दो लोगों की हालत गंभीर है, जिन्हे आईसीयू में भर्ती किया गया है। हादसे के बाद जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह व डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता हैलट अस्पताल पहुंचे और सभी घायलों का हाल चाल लिया। जिलाधिकारी ने हैलट प्राचार्य डॉ संजय काला को निर्देश दिए कि घायलों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

बीपीआरडी व बैक पेपर को लेकर विधि छात्रों का हंगामा

- सीएसजेएमयू परिसर में पुलिस ने रोका, परीक्षा नियंत्रक को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय से संबद्ध ला डिग्री कालेज में एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रत्येक सेमेस्टर बैक पेपर परीक्षा कराने और चतुर्थ सेमेस्टर के परिणाम में प्रदर्शित बीपीआरडी संबंधी समस्या के विरोध में सोमवार को विधि छात्र मोर्चा ने विश्वविद्यालय परिसर में हंगामा किया। इस दौरान पुलिस ने विधि छात्रों को रोक दिया, बातचीत के बाद छात्रों ने ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने विश्वविद्यालय की मौजूदा अल्टरनेट चांस व्यवस्था खत्म कर प्रत्येक सेमेस्टर परीक्षा के साथ बैक पेपर परीक्षा आयोजित करने की मांग की। उनका कहना था कि इससे छात्रों का एक साल बर्बाद होने से बचेगा और वे समय पर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकेंगे। मोर्चा संचालक एवं छात्र नेता अनुज त्रिपाठी ने कहा कि संबद्ध महाविद्यालयों और विभिन्न जिलों से आए छात्र अपनी समस्याएं लेकर विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या संबद्ध कॉलेजों के छात्रों को विश्वविद्यालय के अधिकारियों से मिलने का अधिकार नहीं है। परीक्षा नियंत्रक डॉ राकेश कुमार मुख्य द्वार पर पहुंचे और छात्रों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने बीपीआरडी से जुड़े मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए परिणाम अपडेट कराने का आश्वासन दिया। विधि छात्र मोर्चा ने कहा कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो छात्रों के हित में आंदोलन तेज किया जाएगा। इस दौरान विनय यादव, शिव श्याम पाल, सुमित सोनी, आनंद बाजपेयी, अमरजीत सिंह, सचिन गुप्ता, सोनल वर्मा, प्रीति सिंह समेत विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र मौजूद रहे।

पनकी धाम रेलवे स्टेशन बना धार्मिक आस्था के संगम का प्रतीक

- अमृत भारत योजना के तहत 25 करोड़ की लागत से हुआ पुनर्विकास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। पनकी धाम रेलवे स्टेशन अब धार्मिक आस्था के संगम का नया प्रतीक बन चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत लगभग 25 करोड़ की लागत से इसका व्यापक पुनर्विकास किया गया है, जिससे यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक और सुगम यात्रा अनुभव मिल रहा है। पनकी धाम रेलवे स्टेशन का निर्माण कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर बढ़ते यात्री दबाव को कम करने तथा शहर के पश्चिमी एवं उपनगरीय क्षेत्रों को बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। समय के साथ कानपुर के औद्योगिक विस्तार, नई आवासीय बस्तियों के विकास तथा प्रसिद्ध पंचमुखी श्री हनुमान मंदिर पनकी धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या ने इस स्टेशन को शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में शामिल कर दिया। यहां द्रिमजिला आधुनिक स्टेशन भवन, विशाल प्रतीक्षालय, एक्जीक्यूटिव लाउंज, रिटायरिंग रूम, आधुनिक टिकटिंग क्षेत्र, विस्तारित एवं नए प्लेटफॉर्म, शेल्टर, आधुनिक शौचालय, बेहतर पेयजल व्यवस्था तथा उन्नत यात्री सूचना प्रणाली विकसित की गई है। स्टेशन पर स्पष्ट साइनेज, डिजिटल सूचना डिस्प्ले और बेहतर प्रकाश व्यवस्था यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाते हैं। यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज तथा 6 मीटर चौड़ा अतिरिक्त फुट ओवर ब्रिज बनाया गया है, जिसमें रैंप और लिफ्ट जैसी दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इस स्टेशन की सबसे बड़ी विशेषता इसका धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप है। स्टेशन की वास्तुकला में पनकी धाम की आध्यात्मिक पहचान को प्रमुखता दी गई है। भवन के रंग, डिजाइन और कलात्मक तत्व स्थानीय संस्कृति तथा भगवान हनुमान की भक्ति परंपरा को दर्शाते हैं, जिससे यहां पहुंचने वाला प्रत्येक यात्री कानपुर की सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कर सके। उत्तर प्रदेश में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे 156 रेलवे स्टेशनों में पनकी धाम रेलवे स्टेशन भी शामिल है। इसका पुनर्विकास भारतीय रेल की उस सोच को साकार करता है, जिसमें स्टेशन केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि शहर की पहचानए सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास का प्रतीक बनते हैं।

कबाड़ के गोदाम में लगी भीषण आग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। जूही थाना क्षेत्र स्थित राखी मंडी में सोमवार को सुबह एक कबाड़ के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गोदाम के आस-पास के कई ट्टर से बनी झोपड़ी जलकर खाक हो गई। आग की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। किदवई नगर और बाबूपुरवा फायर स्टेशन की गाड़ियां मौके पहुंची जिसमें 20 से अधिक फायरकर्मियों ने आग बुझाई। फायरब्रिगेड अधिकारियों के अनुसार समय रहते आग पर नियंत्रण पा लेने से आसपास के गोदामों तक आग फैलने से रोक लिया गया। कबाड़ गोदाम में रखे प्लास्टिक पालीथीन जलने से नुकसान हुआ है। हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस व फायर विभाग जांच में जुटी है।

खंडे डंपर में टकराई डीसीएम, चालक की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। यशोदा नगर हाईवे पर रविवार देर रात सड़क किनारे खड़े डंपर में तेज रफ्तार डीसीएम पीछे से जा घुसी। हादसे में डीसीएम चालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भिंड के चौम्हो गांव निवासी करन बहादुर पेशे से डीसीएम चालक थे। परिवार में पत्नी प्रीति, तीन बेटे और एक बेटी हैं। भाई राधाचरण ने बताया कि रविवार को वह लखनऊ से माल उतारकर ग्वालियर जा रहे थे। देर रात वह यशोदा नगर हाईवे के पास पहुंचे ही थे। तभी उनका डीसीएम खड़े डंपर से जा टकराया। हादसे की सूचना मिलते ही नौबस्ता थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल चालक को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि डीसीएम पीछे से हाईवे किनारे खड़े डंपर से जा घुसा थी। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

शराब लाने से मना करने पर युवक को पीट-पीटकर किया मरणासन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। नौबस्ता में शराब लाने से मना करने पर गुस्साए दबंगों ने एक सोलर पैनल कर्मी को घर से घसीटकर फावड़े के बेंट से पीट-पीटकर कर लहूलुहान कर दिया। यह देख लोगों को एकत्र होता देख मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। आवास विकास निवासी नितिन कटियार सोलर पैनल लगाने का काम करता है। नितिन ने बताया कि मोहल्ले के कुछ दबंग पिछले एक साल से उससे जबरन शराब और सिगरेट मंगवाते हैं। विरोध करने पर उसके साथ अब तक पांच बार मारपीट की जा चुकी है। आरोप है कि उसने कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। नितिन ने बताया कि रविवार रात जब वह मोहल्ले में खड़ा था, तो आरोपियों ने उससे सिगरेट लाने को कहा। मना करने पर उन्होंने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए नितिन पास के एक घर में घुस गया, लेकिन हमलावर वहां भी पहुंच गए। आरोप है कि दबंग उसे घर से घसीटते हुए सड़क पर ले आए और फावड़े के बेंट से ताबड़तोड़ वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिससे उसके शरीर और सिर में गंभीर चोटें आई। हमले के बाद आरोपी उसे मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल नितिन को इलाज के लिए कांशीराम अस्पताल भेजा। नौबस्ता थाना प्रभारी वीर बहादुर ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद साक्ष्यों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

रिटायर्ड बैंक अधिकारी के घर करीब दो घंटे तक चोर ने मचाया था तांडव

- नौकरानी समेत कई लोगों से की पूछताछ, पांच सौ सीसी कैमरे खंगाले
- अफसरों का दावा, खुलासे के करीब पहुंची पुलिस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। पनकी में रिटायर्ड बैंक अधिकारी के घर हुई 60 लाख की चोरी के खुलासे के लिए पांच टीम गठित की गई है। पुलिस अब तक 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों खंगाल चुकी हैं। इसके साथ ही नौकरानी समेत कई लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। अफसरों का दावा है कि पुलिस खुलासे के करीब पहुंच चुकी है। जल्द शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पनकी सी-ब्लॉक निवासी संतोष कुमार शर्मा भारतीय स्टेट बैंक से शाखा प्रबंधक पद से सेवानिवृत्त हैं। वह 17 जून को पत्नी सुमन के साथ बेटे अरुण की ससुराल में आयोजित विवाह समारोह में शामिल होने मुंबई गए थे। उनका बड़ा बेटा अरुण दुबई में एक कंपनी में कंट्री हेड है, जबकि छोटा बेटा पीयूष अमेरिका में साइबर क्षेत्र में कार्यरत है। परिवार के घर से बाहर होने का फायदा उठाकर शनिवार देर रात एक शातिर चोर दीवार फांदकर घर में घुस गया। रविवार सुबह नौकरानी सीमा सफाई करने पहुंची तो मुख्य दरवाजा खोलते ही कमरे का टूटा ताला और कुंडी देखकर हैरान रह गई। अंदर अलमारियों के लॉकर टूटे पड़े थे और सामान बिखरा हुआ था। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिवार मुंबई से कानपुर पहुंचा और शाम करीब 6 बजे पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि आरोपी घर में लगा डीवीआर भी अपने साथ ले गया, ताकि उसकी पहचान न हो सके। हालांकि मकान के ऊपरी हिस्से में लगे इंटरनेट आधारित सीसीटीवी कैमरों की क्लाउड रिकॉर्डिंग में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई। फुटेज में आरोपी रात करीब 2.30 बजे घर में घुसता और सुबह करीब 4.45 बजे चोरी का सामान लेकर निकलता दिखाई दे रहा है। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली है। फुटेज के आधार पर आरोपी के आने-जाने के पूरे रूट को जोड़ने की कोशिश की जा रही है। जांच के दौरान नौकरानी समेत कई संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की गई है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि चोरी के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें लगातार काम कर रही हैं। अब तक 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा चुकी है। पुलिस को कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और टीम आरोपी के बेहद करीब पहुंच चुकी है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।

लापरवाही बरतने पर मुख्य सफाई निरीक्षक को मुख्यालय से किया गया सम्बद्ध

- अवर अभियन्ता एवं कार्यदायी संस्था को जारी हुआ कारण बताओ नोटिस
- सीएम ग्रिड सड़क का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

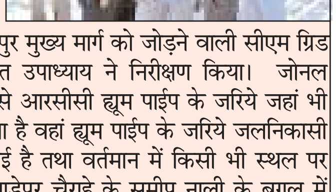

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। वर्रा बाईपास से हमीरपुर मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सीएम ग्रिड सड़क का नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने निरीक्षण किया। जोनल अभियन्ता ने बताया कि स्थल से आरसीसी ह्यूम पाईप के जरिये जहां भी नाला निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हुआ है वहां ह्यूम पाईप के जरिये जलनिकासी की टेम्परेरी व्यवस्था करा दी गई है तथा वर्तमान में किसी भी स्थल पर जलभराव नहीं है। स्थल पर खाड़ेपुर चैराहे के समीप नाली के बगल में मिट्टी, सिल्ट व गंदगी मिली, जिसे नगर आयुक्त ने तत्काल हटाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने पर अवर अभियन्ता हरिओम एवं सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को कारण बताओ नोटिस निर्गत किया जाये। उक्त मार्ग पर जल निगम द्वारा सीवर लाईन तथा वाटर लाईन डाले जाने का कार्य किया जा रहा है, जिसमें हाउस कनेक्शन न होने के कारण फुटपाथ का कार्य वर्तमान में कराया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। जिस पर नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि जल निगम से सम्पर्क कर सभी हाउस कनेक्शन को समयबद्ध तरीके से यथाशीघ्र कराया जाए तथा हाउस कनेक्शन एवं फुटपाथ के कार्य हेतु बार चार्ट बना कर के अवगत करायें। वहीं खाड़ेपुर क्षेत्र में सफाई की व्यवस्था अत्यन्त खराब पायी गयी। सड़क के किनारे कई स्थानों पर गन्दगी व कूड़े के ढेर मिले। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ पर विगत कई दिनों से सफाई नही हुयी है। जिस पर नगर आयुक्त ने मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक मुकेश शर्मा एवं सफाई नायक रंजीत को तत्काल प्रभाव से मुख्यालय स्थित स्वास्थ्य विभाग से सम्बद्ध किया गया। इसके साथ ही जोनल स्वच्छता अधिकारी को चेतावनी दी कि अभियान चलाकर वार्ड-21 की सफाई करायी जाये तथा भविष्य में पुनरावृत्ति न हो, इस हेतु सतर्क दृष्टि रखी जाये।

आईआईटी का दीक्षांत समारोह 15 को, 3104 छात्रों को दी जाएगी उपाधियां

- सागर केवी को मिलेगा प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। आईआईटी कानपुर का 59वां दीक्षांत समारोह 15 जुलाई को आयोजित होगा। समारोह में विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के 3104 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र के अध्यक्ष एवं अंतरिक्ष विभाग भारत सरकार के प्रमुख डॉ पवन गोयनका शामिल होंगे। इस साल 448 रिसर्चर पीएचडी की डिग्री प्राप्त करेंगे, जो कि आईआईटी कानपुर के रिकार्ड में इस बार का सर्वाधिक है। यह जानकारी सोमवार दोपहर दो बजे हुई प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान आईआईटी निदेशक प्रो मणींद्र अग्रवाल ने दी।

प्रो मणींद्र अग्रवाल ने बताया कि दीक्षांत में प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल सागर केवी को मिलेगा। इसके अलावा डायरेक्टर गोल्ड मेडल आदित्य वी व रित्विक शंकर को दिया गया। दीक्षांत समारोह में यूजी के 1247, पीजी के 1325 और आउटरीच के 532 छात्र-छात्राओं को उपाधि दी जाएगी। प्रो अग्रवाल ने बताया कि समारोह दो सत्रों में आयोजित किया जाएगा। पहले सत्र में मुख्य सभागार में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पदक एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जबकि दूसरे सत्र में विभिन्न विभागों के लेक्चर हॉल में विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी, ताकि सभी स्नातक इस महत्वपूर्ण अवसर में सहभागी बन सकें। प्रो अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष 390 शोधार्थियों को पीएचडी, 53 को एमडी-पीएचडी, चार को एमएस पीएचडी और एक को एमडिजाइन पीएचडी की डिग्री मिलेगी। इनके अलावा 502 विद्यार्थियों को एमटेक, 852 को बीटेक, 212 को बीएस, 186 को एमएससी, 59 को एमबीए, 36 को एमडिजाइन, 66 को एमएस, 40 को पीजीपीईएक्स-वीएलएसआई, 35 को डबल मेजर, 107 को डुअल डिग्री और 492 विद्यार्थियों को ई-मास्टर्स कार्यक्रम की उपाधियां प्रदान की जाएंगी। समारोह में आईआईटी कानपुर की पारंपरिक ड्रेस व्यवस्था भी लागू रहेगी। पुरुष छात्र क्रीम रंग का कुर्ता और सफेद पायजामा, जबकि छात्राएं क्रीम रंग का कुर्ता-सफेद चूड़ीदार/लेगिंग्स अथवा क्रीम रंग की साड़ी के साथ औपचारिक जूते या सैंडल पहनेंगी।

पुलिसकर्मियों पर मारपीट व सीसीटीवी कैमरा तोड़ने का आरोप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो

कानपुर। कल्याणपुर में एक युवक ने पुलिसकर्मियों पर घर में घुसकर मारपीट करने तथा सीसीटीवी कैमरे तोड़ने का आरोप लगाया है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पनकी रोड स्थित सीएनजी चौराहे के पास रहने वाले रिंकू सिंह का आरोप है कि उन्होंने अपने घर के पास बन रहे एक चौराहे का नाम तिरंगा चौराहा रख दिया था। इसे लेकर क्षेत्र के कुछ लोगों ने विरोध किया और पुलिस से शिकायत की। आरोप है कि शनिवार रात पनकी रोड चौकी इंचार्ज विपिन मोरल और दरोगा वरुण उनके घर पहुंचे। इस दौरान चौकी इंचार्ज ने उनके साथ मारपीट की, जबकि दरोगा ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। घटना का रविवार देर रात करीब दो बजे वीडियो वायरल होने लगा। वहीं पुलिस का कहना है कि मामला चौराहे के नाम को लेकर विवाद और शांति व्यवस्था से जुड़ा है। जिसको लेकर क्षेत्र के कुछ लोगों का आपसी विवाद चल रहा है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि रिंकू सिंह पर चौराहे का नाम बदलकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बनाने का आरोप है। स्थानीय पार्षद समेत कई लोगों ने इसकी शिकायत की थी, जिसके आधार पर पुलिस ने रिंकू का शांति भंग में चालान किया था। डीसीपी ने कहा कि युवक द्वारा लगाए गए मारपीट और सीसीटीवी तोड़ने के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। यदि जांच में पुलिसकर्मियों की भूमिका दोषी पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं वायरल वीडियो के आधार पर भी पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

खबर एक नजर

प्रकृति के सौंदर्य को निखारने का संकल्प

चौबेपुर स्वतंत्र भारत ब्यूरो एक पेड़ मां के नाम संकल्प के तहत सोमवार को वी वीआई पी स्कूल शिवशक्ति नगर चौबेपुर में वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अनेकों वृक्ष जैसे आम तुलसी पीपल बरगद आदि का रोपण किया गया इन वृक्षों के माध्यम से प्रकृति को निखारने और शुद्ध जलवायु को बढ़ावा देने का मार्ग प्रशस्त होगा इस अवसर पर चेयरमैन डॉ पुरुषोत्तम बाजपेयी प्रिंसिपल अंकित बाजपेयी वाइस प्रिंसिपल कैफ़ी काजमी डायरेक्टर अनुराग दुबे डिप्टी डायरेक्टर बीना दुबे संदीप त्रिपाठी पेरेंट्स सुमित श्रवण विनय अमन गौतम गोरेलाल आदि उपस्थित रहे।

सेल्समैन की आंख में मिर्च झोंका तमंचे के बट से किया हमला

स्वतंत्र भारत ब्युरो चौबेपुर थाना क्षेत्र में रविवार देर शाम घर लौट रहे एक युवक पर लाल रंग पल्सर बाइक सवार शातिरों ने बीच सड़क जानलेवा हमला कर दिया। आरोप है कि बदमाशों ने पहले युवक के आंख में लाल पाउडर झोंका फिर तमंचा दिखाकर गाड़ी रोकने का प्रयास किया और विरोध करने पर तमंचे की बट से उसके सिर पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपी खुलेआम गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित ने चौबेपुर थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।बिठूर थाना क्षेत्र के एसबीआई कॉलोनी निवासी विवेक कुमार ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह चौबेपुर में बंदी माता रोड पर स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर सेल्समैन का काम करता है। रविवार 12 जुलाई को ड्यूटी समाप्त कर वह अपने घर लौट रहा था। तभी नोन नदी पुल के पास पीछे से आई एक लाल रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो युवकों ने तमंचा दिखाकर उसे रोकने की कोशिश की। पीड़ित के अनुसार गाड़ी न रोकने पर आरोपियों ने उसकी आंख में लाल पाउडर झोंका जिससे संतुलन बिगड़ गया और वह रूक गए फिर दोनों युवकों ने तमंचे की बट से सिर पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। इसी दौरान मौके पर पुलिस की गतिविधि देखकर हमलावर गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल युवक ने चौबेपुर पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अज्ञात चोरों ने सूने घर को बनाया निशाना कुंडी काट लाखों की चोरी

साढ़ क्षेत्र के उमरा रसूलपुर गांव का मामला पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो भीतरगांव कानपुर। बीती रात साढ़ थाना क्षेत्र के उमरा रसूलपुर गांव में एक सूने घर को निशाना बना अज्ञात चोरों ने लाखों का माल पार कर दिया सोमवार दोपहर जानकारी मिलने पर चचेरे भाई ने पुलिस सहित गृहस्वामी को मामले की जानकारी दी पुलिस सीसी कैमरे खंगालने के साथ चोरी का खुलासा करने में जुट गई। जानकारी के अनुसार उमरा रसूलपुर निवासी अरविंद सिंह चौहान परिवार सहित उन्नाव में रहते है और लखनऊ सचिवालय में नौकरी करते है घर पर ताला लगा रहता है देखरेख हेतु चचेरे भाई के पास घर की चाभी रहती है सोमवार दोपहर बाद चचेरे भाई अजय सिंह ने देखा की मुख्य दरवाजे की कुंडी कटी हुई है और दरवाजा खुला है अंदर जाकर देखा तो अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए कमरे सहित अलमारी का ताला टूटा पड़ा था तथा सब सामान अस्त व्यस्त पड़ा था चचेरे भाई अजय ने गृहस्वामी अरविंद को सूचना देने के साथ साढ़ पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंचे साढ़ थाना प्रभारी ने गहन जांच पड़ताल करते हुए गांव में लगे सीसी टीवी फुटेज भी खंगाले गए बताया जाता है कि एक चार पहिया गाड़ी रात करीब दो बजे के आस पास गली में प्रवेश करती दिखाई दी है फिलहाल साढ़ पुलिस मामले की जांच में लगी है साढ़ प्रभारी निरीक्षक कृष्ण कुमार मिश्रा ने बताया कि जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

विधायक ने सड़कों का किया शिलान्यास

स्वतंत्र भारत ब्यूरो बिल्हौर बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने विकास खंड बिल्हौर अंतर्गत ग्राम पंचायत खजुरी में त्वरित आर्थिक योजना के अंतर्गत लखनऊ इटावा डामर रोड से पूर्व एमएलसी स्वर्गीय अशोक कटियार जी के आवास तक 31 लाख 73 हजार रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 750 मीटर इंटरलॉकिंग मार्ग का विधिवत शिलान्यास किया। तत्पश्चात विधायक ने बिल्हौर विकास खंड के ही ग्राम पंचायत साम्भी के मजरा टिकरिया से रतिराम पुरवा तक 350 मीटर इंटर लॉकिंग सड़क का विधिवत शिलान्यास किया। यह दोनों बहुप्रतीक्षित निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश सरकार की त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025.26 में स्वीकृत हुए है। इन मार्गों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी तथा ग्रामीण विकास को नई गति प्राप्त होगी। इस मौके पर विधायक राहुल बच्चा ने बताया कि विधानसभा बिल्हौर के प्रत्येक गांव तक विकास की किरण पहुंचाना ही हमारा संकल्प है। माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बल पर क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। बिल्हौर विधानसभा की जनसेवा ही हमारा धर्म है और विकास ही हमारी प्राथमिकता है।

बी एड में लहराया छात्राओं का परचम

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) घाटमपुर।सांखाहारी के श्री शक्ति डिग्री कॉलेज में संचालित बीण्एडण्में चौथे और अंतिम सेमेस्टर में बीण्एडण् फाइनल ईयर की छात्रा शताक्षी त्रिवेदी 92ण्66 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज में पहले स्थान पर रही। दूसरे स्थान पर उमंग और तीसरे स्थान पर पूर्णिमा देवी रही। इसी प्रकार बीण्एडण् प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में आशी त्रिपाठी ने 93ण्77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर बीण्एडण् प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम रही द्वितीय स्थान पर वेद प्रकाश और तृतीय स्थान पर निधि रही छात्र.छात्राओं ने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित पढ़ाई के कारण उन्होंने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए।

बाईकों की आमने सामने भिड़ंत से एक की मौत, तीन घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो घाटमपुर। थाना क्षेत्र के ईटर्रा गांव के पास एक ईंट भट्टे के सामने बाईकों की हुई भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। वहीं साथ जा रहे तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। वहीं एक अन्य हुए ट्रक हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए।ईटर्रा गांव के रहने वाले दीप नारायण 28 पुत्र राजेन्द्र प्रसाद व दिलीप 35 पुत्र किशोर के साथ घाटमपुर आ रहे थे। जैसे कि ईंट भट्टे के पास पहुंचे ही थे कि तभी देवरा से आ रहे सतीश 35 पुत्र गोपाल व विपिन पाल 45 पुत्र राम विलास की बाइक से आमने सामने भिड़ंत हो गई। हादसा देख मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों को इलाज केलिए सीएचसी भेजने के साथ पुलिस को खबर दी। दीप नारायण की मौत होने के साथ सतीशएविपिन व दिलीप की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें सीएचसी से हेलट अस्पताल रेफर किया गया।वहीं चौराहे पर ट्रक की टक्कर से जनपद कानपुर देहात के मंगल पुर निवासी रामू 60 घायल हो गए। जिन्हें इलाज केलिए सीएचसी ले जाया गया।

टीचर्स सेल्फ केयर जिला टीम ने दिवंगत शिक्षक के परिजनों से की मुलाकात

50 लाख रुपये की सहायता का आश्वासन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो)
कानपुर । टीचर्स सेल्फ केयर टीम कानपुर नगर की जिला टीम ने रविवार को बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदानित विद्यालय में कार्यरत दिवंगत शिक्षक स्वण् शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी के पैतृक गाँव शुक्लनपुर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने सहायता प्रक्रिया के लिए आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए तथा शोकाकुल परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। टीम ने स्वण् त्रिपाठी की माता श्रीमती विश्रामा देवी एवं उनके भाई राघवेंद्र कुमार त्रिपाठी से भेंट कर उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान टीएससीटी के प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद आर्य एवं प्रदेश महामंत्री सुधेश पाण्डेय ने भी फोन पर परिजनों से वार्ता कर दुख की इस घड़ी में संगठन की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि स्वण् शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी शंकरानंद विद्यालय ;जूनियर हाईस्कूलद्धए फुफवारए सरसौलए कानपुर नगर में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उनका 23 फरवरी 2025 को हृदयाघात से निधन हो गया था। वे टीएससीटी के वैधानिक सदस्य थे। संगठन की प्रक्रिया के अनुसार स्थलीय निरीक्षण पूर्ण होने के बाद उनकी माता को लगभग 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी तथा भविष्य में भी परिवार को हरसंभव सहयोग दिया जाएगा। स्थलीय निरीक्षण में जितेंद्र यादव ;मंडल संयोजक कानपुर मंडलद्ध सुनील कुमार वर्मा ;जिला संयोजक कानपुर नगरद्ध आलोक कटियार ;जिला सहसंयोजकद्ध विशाल वर्मा ;ब्लॉक संयोजक बिधनूद्ध जैब्ज् के सक्रिय सदस्य सुरेंद्र कुमार उत्तम रवीन्द्र सिंह ;शिक्षक शंकरानंद विद्यालय फुफवार सरसौलद्ध तथा नवीन शंकर त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे। टीएससीटी पदाधिकारियों ने बताया कि कानपुर नगर जनपद में बेसिक शिक्षा विभाग के अनुदानित विद्यालय के किसी शिक्षक के परिवार को संगठन द्वारा प्रदान किया जाने वाला यह पहला आर्थिक सहयोग होगा जो संगठन की सामाजिक प्रतिबद्धता और पारस्परिक सहयोग की भावना का महत्वपूर्ण उदाहरण है।

एसडीएम ने पतारा में लगाई चौपाल, सुनी समस्याएं

एक का मौके पर हुआ निस्तारण समस्या निस्तारण में रोड़ा बने पिता व पुत्र को किया गया पुलिस के हवाले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो घाटमपुर। प्रशासन आपके द्वार के तहत एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने सोमवार को ग्राम सचिवालय पतारा में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनने के साथ निस्तारण किया। अवैध कब्जे व अतिक्रमण की आई 14 शिकायतों में एसडीएम ने एक का मौक़ा पर निस्तारण कराकर बाकी 13 अवैध कब्जा व अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए।एसडीएम ने सोमवार को पतारा पंचायत भवन में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की शिकायतें सुनने की खबर फैलते ही लोग व महिलाएं काम काज छोड़कर चौपाल में अपनी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। चौपाल में पहुंचे मस्जिद के पीछे ग्राम समाज की जमीन पर दो पक्षों में चल रहे जल निकासी के विवाद का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचे। तभी दोनों पक्ष आपस में विवाद करने लगे एसडीएम ने उसे डांट फटकार लगाते हुए पिता मुश्ताक व उसके पुत्र नसीम अहमद निवासी पतारा को पुलिस को सुपुर्द कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।वहीं कस्बे के तिलसड़ा रोड स्थित तालाब की पुराई कर अवैध कब्जे वालों व उनसे तालाब की जमीन खरीदने वाले लोगों को तालाब में किसी तरह का निर्माण न करने की चेतावनी दी।साथही लेखपाल व राजस्व निरीक्षक को किसी तालाब व खलिहान में कब्जा न हो इसकी नियमित निगरानी कर रिपोर्ट करने की हिदायत दी। इस दौरान तहसीलदार अंकिता पाठक भी मौजूद रहीं।

पॉवर प्लांट में नौकरी ज्वाइन करने आए युवक की संदिग्ध मौत

पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम केलिए भेजा उसे उल्टियां होने से जहरीला पदार्थ खाने की बात का भी अंदाजा लगाया जा रहा है।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो घाटमपुर। सजेती थाना क्षेत्र के नेयवली पॉवर प्लांट में नौकरी लगने पर तीन दिन पहले ज्वाइन करने आए युवक की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक वह पॉवर प्लांट के जिस कमरे में ठहरा थाए वहीं उसका शव पड़ा मिला। माना जा रहा था कि उसे उल्टियां होने से जहरीला पदार्थ खाया गया है। पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।थाना प्रभारी अनुज भारती ने बताया कि बिहार के भोजपुर जिले के सहार थाना क्षेत्र एकवारी निवासी धनंजय कुमार 41 पॉवर प्लांट में नौकरी लगने पर ज्वाइन करने तीन दिन पहले आया था। जो टाउनशिप में बने क्वार्टर में ठहरा था। सोमवार को क्वार्टर में उसका शव पड़ा मिला। मरने से पहले उसे उल्टियां भी हुई थीं। बताया कि फोरेंसिक टीम के साथ जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट व परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी।

आपूर्ति कार्यालय में ताला लटकने से भटक रहे लोग

सोमवार को भी लोगों को लौटना पड़ा मायूस, दूर दराज से आए लोगों ने जताई नाराजगी

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो)घाटमपुर। तहसील के मुख्य गेट के बगल में स्थित आपूर्ति कार्यालय में पिछले कई दिनों से ताला लटक रहा है। सोमवार को भी लोग कार्यालय खुलने की उम्मीद में पहुंचे। फिर भी पूरे दिन कार्यालय बंद होने से राशन कार्ड से संबंधित शिकायत लेकर लोगों को ताला देख मायूस लौटना पड़ा। कई दिनों से वापस लौट रहे लोगों ने सारे मामले की शिकायत एसडीएम अबिचल प्रताप सिंह से की। शिकायतें मिलने पर एसडीएम ने जांच की बात कही है।
कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला लगा होने के कारण राशन कार्ड में नाम जोड़नेए संशोधन कराने तथा अन्य जरूरी कार्यों के लिए पहुंचने वाले लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ रहा है। लगातार कई दिनों से कार्यालय बंद रहने से क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। कस्बे के कुष्मांडा नगर वार्ड के सभासद सत्यम सिंह चौहान ने बताया कि वह लगातार तीन दिनों से किसी आवश्यक कार्य के चलते चक्कर लगा रहे हैंए लेकिन हर बार कार्यालय पर ताला लगा मिलता है। उन्होंने कहा कि कार्यालय बंद होने से आम जनता को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और लोगों का समय तथा पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। वहीं शीतलपुर गांव निवासी राजू ने बताया कि उन्होंने अपने पात्र गृहस्थी राशन कार्ड में परिवार के एक सदस्य का नाम बढ़वाने के लिए आवेदन किया था। संबंधित प्रक्रिया पूरी होने के बाद रिसीविंग जमा करने आए हैंए लेकिन यहां ताला लटक रहा है। आपूर्ति निरीक्षक प्रभास त्रिपाठी ने बताया कि वह दो दिन के अवकाश पर हैं। उनके अनुसार कार्यालय के बाबू को किसी आपात स्थिति में बाहर जाना पड़ा हैए जिसके चलते कार्यालय में ताला लगा हुआ है। इस सम्बंध में एसडीएम ने बताया कि उन्हें कार्यालय बंद होने की सूचना मिली है। मामले की जांच करा कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रोटरी क्लब गंगाघाट को मंडल अवार्ड सेरेमनी में किया गया सम्मानित

स्वतंत्र भारत व्यूरो
शुक्लागंज ;उन्नाव रोटरी क्लब गंगाघाट को वर्ष 2025-26 में जनहित एवं समाजसेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए रोटरी मंडल 3110 की मंडल अवार्ड सेरेमनीए बरेली में विशेष रूप से सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया । विगत वर्ष क्लब के अध्यक्ष रोण् अवनीश शुक्ला एवं सचिव रोण् आनन्द पाण्डेय के नेतृत्व में क्लब द्वारा वृक्षारोपण शिक्षा स्वास्थ्य नेत्र सेवा कंबल वितरण रक्तदान सहित अनेक जनकल्याणकारी एवं सेवा कार्य सफलतापूर्वक संचालित किए गए । इन्हीं उल्लेखनीय कार्यों के आधार पर क्लब को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया गया । अवार्ड समारोह में मंडलाध्यक्ष 2025-26 रोण् राजन विद्यार्थी एवं मंडलाध्यक्ष ;2026-27 रो. जसबीर सिंह भाटिया सहित अनेक पूर्व मंडलाध्यक्षों एवं रोटरी पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही । इस अवसर पर रोटरी क्लब गंगाघाट ने इस उपलब्धि का श्रेय पूर्व मंडलाध्यक्ष रो. दिनेश चन्द्र शुक्ला सहायक मंडलाध्यक्ष रोण् भक्तिसागर शुक्ला तथा क्लब के सभी सम्मानित सदस्यों को देते हुए उनके मार्गदर्शन सहयोग एवं निरंतर प्रोत्साहन के प्रति हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

पुलिस अधीक्षक ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हमीरपुर। आज पुलिस अधीक्षक, जनपद हमीरपुर द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त प्रार्थना पत्रों एवं शिकायतों का सूक्ष्मता से अवलोकन करते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक प्रकरण में प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता बनाए रखते हुए पीड़ित पक्ष को कार्यवाही से अवगत कराया जाए।

विश्व जनसंख्या दिवस अभियानके तहत परिवार नियोजन एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

11 से 28 जुलाई तक चलेगा विशेष अभियान, स्वस्थ परिवार एवं सुरक्षित मातृत्व पर रहेगा विशेष जोर

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हमीरपुर। विश्व जनसंख्या दिवस-2026 के अवसर पर जनपद में 11 जुलाई से 28 जुलाई, 2026 तक विशेष जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष अभियान की थीम ष्जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वास्थ्य और खुशहालष् निर्धारित की गई है। अभियान का उद्देश्य परिवार नियोजन के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा अनियोजित गर्भधारण की रोकथाम को बढ़ावा देना है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अलका शुक्ला के निर्देशन में जनपद के समस्त स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अभियान के दौरान चिकित्सकों, स्टाफ नर्स, सीएचओ, आशा एवं एएनएम के माध्यम से योग्य दंपत्तियों की परिवार नियोजन संबंधी काउंसलिंग की जाएगी तथा उन्हें उपलब्ध अस्थायी एवं स्थायी परिवार नियोजन सेवाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। अभियान के अंतर्गत दंपत्तियों को दो बच्चों के बीच कम से कम दो वर्ष का अंतर रखने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिन परिवारों का परिवार पूर्ण हो चुका है, उन्हें पुरुष एवं महिला नसबंदी जैसी स्थायी विधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं, अंतराल बनाए रखने हेतु अंतरा इंजेक्शन, आईयूसीडी, माला-एन एवं अन्य अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों की जानकारी एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं समृद्ध परिवार के निर्माण के लिए परिवार नियोजन अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पात्र दंपत्तियों से अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क परामर्श एवं परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया है। अभियान के माध्यम से जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ परिवार नियोजन सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं सुलभ बनाया जाएगा।

ग्रामीणों ने पानी की सप्लाई की व्यवस्था कराए जाने की मांग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) कुरारा,हमीरपुर। कुरारा विकास खंड क्षेत्र के डामर गांव में एक सप्ताह से नमामि गंगे योजना की सप्लाई का पानी गांव के ऊंचाई वाले लोगो को नहीं मिल पा रहा है। गर्मी के चलते ग्रामीण पेयजल के लिए परेशान हो रहे है। क्षेत्र के डामर गांव में नमामि गंगे परियोजना की टंकी व नलकूप स्थित है इससे गांव के लोगों को पानी की सप्लाई होती है। नलकूप से टंकी में पानी भरकर सप्लाई होने पर ऊंचाई वाले स्थानों पर भी पानी पहुंच जाता था लेकिन एक सप्ताह से पानी नहीं पहुंच पा रहा है। गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार, गणेश, सज्जन द्विवेदी, हरिशरण, प्रकाश चंद्र, पुत्तन यादव आदि ग्रामीणों ने बताया कि टंकी में पानी भरकर रोकने वाला वाल खराब हो जाने से टंकी में पानी नहीं रुक पा रहा है। जिससे नलकूप से ही सप्लाई होने से पानी का प्रेशर नहीं बन पा रहा है। जिससे गांव के ऊंचाई वाले स्थानों में पानी की सप्लाई बाधित चल रही है।गर्मी में पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। बीच गांव से यह लोग पानी के लिए दूर तक जाते है। इस के चलते पानी का संकट गहराता जा रहा है। लोग पानी के लिए परेशान है। ख्7ध13, 18रू45, ईंपीमाााीउतरू किसानों के दो नलकूपों से केबिल चोरी भरुआ सुमेरपुर। बीती रात क्षेत्र के ग्राम बिरखेरा से दो नलकूपों से अज्ञात चोर केबिल चोरी करके फरार हो गए। किसानों ने पुलिस को तहरीर सौंपी है। बिरखेरा निवासी किसान अभिषेक सिंह भदौरिया, अभिषेक तिवारी ने पुलिस को तहरीर देकर अवगत कराया है कि बीती रात अज्ञात चोर नलकूप में लगी केबिल काटकर ले गए हैं। किसानों ने कुछ दिनो पूर्व नलकूप में चोरी करते हुए पकड़े गए चोरों पर चोरी करने की आशंका जाहिर करके जांच की मांग की है। थानाध्यक्ष पवन पटेल ने बताया कि जांच की जा रही है।

डी फार्मा का पेपर देने गया छात्र हुआ लापता

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) भरुआ सुमेरपुर। कस्बे से डी फार्मा का पेपर देने मैनपुरी गया एक छात्र 12 जून से लापता है। परिजनों ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है। कस्बे के वार्ड संख्या 15 के निवासी शुभम वर्मा ने बताया कि उसका भाई अभय उर्फ अभिषेक वर्मा गत 12 जून को मैनपुरी डीफार्मा का पेपर देने की बात कहकर निकला था। तब से उसका कुछ पता नहीं चल रहा है। थक हारकर भाई ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, फतेहपुर

पत्रांक–2209(1)/1506(1)/निर्माण/न०पा०प०फ० (2026–27)दि. 10.07.2026

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद, फतेहपुर द्वारा सूचित किया जाता है, कि राज्य वित्त/बोर्ड फण्ड से प्राप्त धनराशि के अन्तर्गत नाला सफाई कार्यों की ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदाएं दिनांक 13.07.2026 से दिनांक 18.07.2026 को अपरान्ह 04.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय कर डाले जायेंगे। तकनीकी निविदाएं दिनांक–18.07.2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा अपरान्ह 04.30 बजे खोली जायेगी, तत्पश्चात् तकनीकी निविदा से सफल निविदादाताओं की वित्तीय निविदाएं खोली जायेगी। कार्यों का विवरण नगर पालिका परिषद की वेबसाइट www.nppfatehpur.com तथा http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। निविदा एवं वांछित अभिलेख स्कैन कर निविदा के साथ http://etender.up.nic.in पर अपलोड किये जाने होंगे।

(रविन्द्र कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद फतेहपुर।

(राजकुमार मौर्य एडवोकेट)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, फतेहपुर।

देश के पहले बैरियरलेस लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण, 40 मिनट में पूरा होगा सफर

उन्नाव से मुख्यमंत्री योगी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया शुभारंभ, 4,850 करोड़ की परियोजना से औद्योगिक विकास और कनेक्टिविटी को मिलेगी नई रफ्तार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। उत्तर प्रदेश के सड़क अवसंरचना विकास में सोमवार को एक नया अध्याय जुड़ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी तथा उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उन्नाव के पड़री खुर्द स्थित झाऊखेड़ा रेस्ट एरिया से देश के पहले बैरियरलेस लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। लगभग 4,850 करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस अत्याधुनिक एक्सप्रेसवे के शुरू होने से लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा का समय ढाई-तीन घंटे से घटकर महज 40 मिनट रह जाएगा। मंगलवार सुबह आठ बजे से इसे आम वाहनों के लिए खोल दिया जाएगा।

लोकार्पण समारोह से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी हेलीकॉप्टर से झाऊखेड़ा स्थित हेलीपैड पहुंचे। यहां सांसद डॉ. साक्षी महाराज, कानपुर सांसद रमेश अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, पुरवा विधायक अनिल सिंह, भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला, बांगरमऊ विधायक श्रीकांत कटियार, मोहान विधायक बृजेश रावत, सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर, एमएलसी अरुण पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह तथा भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी सहित जनप्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

इसके बाद तीनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण, आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की सड़क परियोजनाओं की जानकारी प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और इससे क्षेत्र को होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रदर्शनी के बाद मुख्यमंत्री, रक्षा मंत्री और केंद्रीय मंत्री सड़क मार्ग से एक्सप्रेसवे के मुख्य उद्घाटन स्थल पहुंचे, जहां फीता काटकर परियोजना का लोकार्पण किया गया। इस दौरान एडीजी लखनऊ जोन प्रवीण कुमार, जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, मुख्य विकास अधिकारी कृतिराज, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह, एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

गडकरी बोले- भारत के हाईवे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ होंगे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि केंद्र सरकार देश में विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क विकसित करने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण के लिए धन की कोई कमी नहीं है और आने वाले वर्षों में भारत के हाईवे अमेरिका सहित दुनिया के विकसित देशों के हाईवे से भी बेहतर होंगे। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें केवल यात्रा को आसान नहीं बनातीं, बल्कि उद्योग, व्यापार, रोजगार और निवेश को भी नई गति देती हैं।

योगी बोले- उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे प्रदेश बन चुका है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व सड़क विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश आज एक्सप्रेसवे नेटवर्क के मामले में देश में अग्रणी बन चुका है। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे दोनों प्रमुख शहरों के बीच आवागमन को आसान बनाने के साथ-साथ उन्नाव सहित पूरे मध्य उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक प्रमुख शहर को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने का अभियान लगातार जारी है।

मंगलवार सुबह आठ बजे से आम वाहनों के लिए होगा शुरू

करीब 63 किलोमीटर लंबा यह देश का पहला बैरियरलेस एक्सप्रेसवे मंगलवार सुबह आठ बजे से आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस मार्ग पर केवल कार, बस, ट्रक और अन्य चार पहिया वाहन चल सकेंगे, जबकि दोपहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित की गई है।

बिना रुके कटेगा टोल, हर गतिविधि पर रहेगी नजर

एक्सप्रेसवे पर अत्याधुनिक ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन तकनीक और फास्टैग आधारित टोल प्रणाली लागू की गई है। टोल प्लाजा से लगभग 500 मीटर पहले लगे कैमरे वाहन की नंबर प्लेट पढ़कर बिना वाहन रोके स्वतः टोल काट देंगे। पूरे एक्सप्रेसवे पर 63 हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जो 24 घंटे निगरानी करेंगे। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों का ऑनलाइन चालान भी किया जा सकेगा।

दो कंट्रोल रूम से होगी 24 घंटे निगरानी

एक्सप्रेसवे पर 27वें और 35वें किलोमीटर पर दो अत्याधुनिक कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं। यहीं से पूरे मार्ग की निगरानी, ट्रैफिक प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन किया जाएगा। किसी भी दुर्घटना या आपात स्थिति में कैमरे तुरंत कंट्रोल रूम को अलर्ट भेजेंगे, जिससे राहत एवं बचाव कार्य तेजी से शुरू किया जा सके।

विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होगा एक्सप्रेसवे

यात्रियों की सुविधा के लिए एक्सप्रेसवे पर छह इंटरचेंज, 38 अंडरपास, छह फ्लाईओवर, तीन बड़े पुल और 28 छोटे पुल बनाए गए हैं। इसके अलावा चरणबद्ध तरीके से फ्यूल स्टेशन, रेस्टोरेंट, पार्किंग, ट्रॉमा सेंटर और आधुनिक रेस्ट एरिया विकसित किए जाएंगे, जिससे लंबी दूरी की यात्रा अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होगी।

42 गांवों से होकर गुजरता है एक्सप्रेसवे

पांच जनवरी 2022 को इस परियोजना का शिलान्यास किया गया था। लगभग साढ़े चार वर्षों में इसका निर्माण पूरा हुआ। करीब 4,700 से 4,850 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एक्सप्रेसवे लखनऊ के 11 और उन्नाव के 31 गांवों सहित कुल 42 गांवों से होकर गुजरता है। अधिकारियों का मानना है कि यह परियोजना उन्नाव, लखनऊ और कानपुर के बीच औद्योगिक निवेश, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगी तथा प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई गति देगी।

आगरा की घटना के विरोध में रेल कर्मचारियों ने बांधी काली पट्टी

स्टेशन पर जताया विरोध, स्टेशन मास्टर से मारपीट मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव।आगरा में स्टेशन मास्टर के साथ कथित मारपीट की घटना के विरोध में सोमवार को गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर रेल कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। स्टेशन मास्टर, पॉइंट्समैन सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने ड्यूटी के दौरान हाथों पर काली पट्टी बांधकर घटना के प्रति अपना रोष व्यक्त किया और रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि ड्यूटी के दौरान स्टेशन मास्टर के साथ हुई मारपीट की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार की अभद्रता या हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। कर्मचारियों ने आगरा प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषी आरपीएफ कर्मियों के खिलाफ कड़ी विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि रेलवे प्रशासन की जिम्मेदारी है कि कर्मचारियों को सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए। यदि ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो कर्मचारियों का मनोबल प्रभावित होगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान गंगाघाट रेलवे स्टेशन पर रेल संचालन पूरी तरह सामान्य रहा। सभी कर्मचारी अपनी ड्यूटी निभाते रहे, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी सामान्य रही। रेल कर्मचारियों ने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि कर्मचारियों की सुरक्षा और सम्मान की रक्षा के लिए है। उन्होंने रेलवे प्रशासन से दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई कर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की।

होमगार्ड भर्ती में डीवी-पीएसटी प्रक्रिया का एएसपी ने किया निरीक्षण, पारदर्शिता के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित होमगार्ड भर्ती-2025 के तहत अभिलेखों की संवीक्षा (डीवी) एवं शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) सोमवार को कड़ी निगरानी के बीच शुरू हुआ। भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अखिलेश सिंह ने भर्ती केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने दस्तावेजों की जांच और शारीरिक मानक परीक्षण की पूरी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भर्ती की प्रगति की जानकारी ली और निर्देश दिए कि भर्ती बोर्ड के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करते हुए सभी चरण समयबद्ध एवं निष्पक्ष ढंग से पूरे किए जाएं। अपर पुलिस अधीक्षक ने भर्ती केंद्र पर मौजूद अभ्यर्थियों से भी संवाद किया। उन्होंने दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक परीक्षण और अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी लेते हुए भरोसा दिलाया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है तथा सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की कतार, पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के निर्धारित मानकों के अनुरूप जनपद में डीवी और पीएसटी की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है। भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सफल अभ्यर्थियों का चयन बोर्ड के निर्धारित नियमों के अनुसार किया जाएगा।

लाइसेंस निलंबित होने के बाद भी बन रहा था सॉस, फैक्ट्री संचालक पर मुकदमा

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। मगरवारा स्थित जय फूड प्रोडक्ट्स के संचालक के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि लाइसेंस निलंबित होने के बावजूद फैक्ट्री में अवैध रूप से सॉस, सिरका समेत अन्य खाद्य पदार्थों का निर्माण और बिक्री की जा रही थी। निरीक्षण में फैक्ट्री के भीतर गंदगी, संदिग्ध रसायन और खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की पुष्टि होने पर विभाग ने कार्रवाई की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरन सिंह की तहरीर के अनुसार, 7 जुलाई को मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शैलेन्द्र दीक्षित के नेतृत्व में विभागीय टीम ने मगरवारा स्थित जय फूड प्रोडक्ट्स पर छापा मारा। विभाग को सूचना मिली थी कि वर्ष 2023 में लाइसेंस निलंबित किए जाने के बावजूद फैक्ट्री में उत्पादन लगातार जारी है। निरीक्षण के दौरान फैक्ट्री में सॉस, सिरका और अन्य खाद्य उत्पादों का निर्माण होता मिला। टीम को देखकर कुछ कर्मचारी परिसर से निकलने लगे। इसके बाद फैक्ट्री संचालक गिरीश चंद्र जैन को मौके पर बुलाया गया। जांच में फैक्ट्री के भीतर अत्यधिक गंदगी और अस्वच्छ वातावरण मिला। अधिकारियों को औद्योगिक उपयोग का हरा रंग, सिंथेटिक मिश्रण तथा अन्य संदिग्ध सामग्री बरामद हुई। परिसर में टमाटर पल्प, चिली पल्प और अन्य कच्चा माल भी रखा मिला। पूछताछ में संचालक ने बताया कि चिली सॉस और टमाटर सॉस तैयार करने में रंग और स्टार्च का उपयोग किया जाता है। अधिकारियों ने इसे प्रथम दृष्टया मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना।

टीम ने विभिन्न ब्रांडों के सॉस, सिरका और अन्य खाद्य उत्पादों के नमूने जांच के लिए संग्रहित किए। साथ ही मौके पर मौजूद खाद्य सामग्री को नियमानुसार सुरक्षित कराया गया।

खाटू श्याम के जयघोष से गूंजा बांगरमऊ, स्थापना दिवस पर निकली भव्य निशान यात्रा

श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर किया स्वागत, मंदिर में विशेष पूजा, भजन संध्या और भंडारे का हुआ आयोजन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव। नगर के नौनिहालगंज स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के स्थापना दिवस पर सोमवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हाथों में खाटू श्याम के पावन निशान लेकर भजन-कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। पूरे मार्ग में ष्हारे के सहारे, खाटू श्याम हमारेष् के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

निशान यात्रा का शुभारंभ मोहल्ला चैघड़ा स्थित पंडित सुमित कुमार द्विवेदी के आवास पर वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालु निशान लेकर फूलमती माता मंदिर, संकटा देवी मंदिर, मां भुवनेश्वरी मंदिर और हनुमान मंदिर होते हुए श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंचे।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। जगह-जगह शीतल जल एवं प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई। महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने भी पूरे उत्साह के साथ यात्रा में भाग लिया और भजन-कीर्तन में शामिल होकर बाबा श्याम की भक्ति में सराबोर रहे।

मंदिर परिसर पहुंचने पर बाबा खाटू श्याम का विशेष श्रृंगार, पूजा-अर्चना और महाआरती संपन्न हुई। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में भजन गायकों ने बाबा श्याम के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। निशान यात्रा में नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी, शशिकांत पांडेय, राहुल पांडेय, आशीष मिश्रा, राज द्विवेदी, दीपु पांडेय, सभासद आशीष कुमार, संतोषी माता मंदिर के पुजारी सक्षम शुक्ला, बाला राव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन भंडारे के साथ हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

नगर पालिका के स्टोर का ताला तोड़ने का आरोप, कर्मचारियों पर चोरी की आशंका

दिनदहाड़े स्टोर रूम में घुसकर कार के पुर्जे निकालने का आरोप, वीडियो बना, ईओ ने दिए जांच के आदेश

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव।नगर पालिका परिषद की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। हरदोई मार्ग स्थित पुरानी पानी टंकी परिसर में बने नगर पालिका के स्टोर रूम का दिनदहाड़े ताला तोड़े जाने और वहां रखे सामान से छेड़छाड़ किए जाने का आरोप नगर पालिका के ही कर्मचारियों पर लगा है। घटना के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले की शिकायत मिलने पर अधिशासी अधिकारी ने जांच के आदेश दिए हैं।

जलकल विभाग के पंप अटेंडेंट चंद्र प्रकाश ने अवर अभियंता जलकल को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि 12 जुलाई की शाम करीब छह बजे नगर पालिका कर्मचारी रामजी और बालमुकुंद ने पहले पानी का टैंकर और ट्रैक्टर स्टोर रूम के सामने खड़ा कराया, ताकि अंदर की गतिविधियां बाहर से दिखाई न दें। इसके बाद दोनों ने स्टोर रूम का ताला तोड़ दिया।

आरोप है कि ताला तोड़ने के बाद दोनों वहां खड़ी एक ऑल्टो कार के कीमती पुर्जे निकालने लगे। उस समय कार में राकेश गुप्ता भी मौजूद थे। इसी बीच स्टोर रूम से आवाज सुनकर पंप अटेंडेंट चंद्र प्रकाश मौके पर पहुंच गया। उसे देखते ही आरोपितों ने कथित रूप से धक्का दिया और वहां से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि घटना के दौरान मौजूद कुछ कर्मचारियों ने पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया, जिसे जांच में अहम साक्ष्य माना जा रहा है। घटना के बाद नगर पालिका परिसर में कर्मचारियों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सरकारी स्टोर की सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय निगरानी पर भी सवाल उठ रहे हैं। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता ने बताया कि अवर अभियंता को स्टॉक रजिस्टर के आधार पर स्टोर में रखे सामान का मिलान करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि जांच में सामान की चोरी या कमी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराकर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

घर के बाहर खेल रही मासूम से छेड़छाड़, पॉक्सो व एससी-एसटी एक्ट में केसय आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हसनगंज उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र मोहान नगर पंचायत के मोहल्ले में शनिवार शाम छः बजे घर के बाहर खेल रही आठ वर्षीय बच्ची के साथ छेड़छाड़ ,पास्को एससी एसटी एक्ट की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मोहान नगर पंचायत के एक मोहल्ले में इरशाद के घर में किराए पर रहने वाले लखीमपुर खीरी जिले के शारदा नगर थाना क्षेत्र बाबू पुरवा गांव निवासी आरिफ इब्राहिम 48 वर्ष शनिवार देर शाम छः बजे आठ वर्षीय बच्ची को अपने घर के अंदर खींचकर ले जाने लगा। बच्ची किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर घर पहुंची और परिजनों को पूरी घटना बताई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन, मोहान नगर पंचायत के चेयरमैन समरजीत यादव और मोहल्ले के लोग मोहान पुलिस चैकी पहुंचे। पिता का आरोप है कि वहां एक घंटे तक कोई पुलिसकर्मी नहीं मिला, जिससे लोगों में नाराजगी फैल गई। उधर मामले की जानकारी नर सेवा नारायण सेवा के संस्थापक विमल द्विवेदी को मिलते ही सीओ सहित कोतवाल से घटना की जानकारी लेकर आरोपी पर कार्रवाई की मांग की, पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर पास्को एससी एसटी एक्ट,छेड़छाड़ सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

मोबाइल पर बात कर घर से निकला युवक, सुबह आम के बाग में फंदे से लटका मिला शव

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) हसनगंज उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के चक्कुसेहरी गांव में सोमवार सुबह एक युवक का शव आम के बाग में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। गांव निवासी 22 वर्षीय मनोज पुत्र का रविवार रात करीब आठ बजे भोजन करने के बाद किसी से मोबाइल फोन पर बात हुई थी। इसके बाद वह घर से निकल गया, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश की, मगर कोई सुराग नहीं मिला। सोमवार सुबह घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित एक आम के बाग में ग्रामीणों ने उसका शव रस्सी के सहारे पेड़ से लटका देखा। सूचना मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के बड़े भाई नंदलाल ने बताया कि मनोज तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। रविवार रात मोबाइल पर बात करने के बाद वह घर से निकला था और फिर वापस नहीं लौटा। सोमवार सुबह उसका शव मिलने की सूचना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मां विमला और छोटे भाई सरोज का रो-रोकर बुरा हाल है। कोतवाली प्रभारी शरद कुमार ने बताया कि युवक का शव फंदे से लटका मिला है। परिजनों की ओर से फिलहाल किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। मामले की जांच की जा रही है।

सफाई व्यवस्था को लेकर सभासद और इंचार्ज में तकरार, अभद्रता का आरोप

वार्ड सभासद ने ईओ से की शिकायत, आर्यन ग्रुप के इंचार्ज को हटाने की मांग, जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) बांगरमऊ उन्नाव।नगर पालिका परिषद के वार्ड सिद्धार्थनगर के सभासद कृष्णा वाजपेई ने सफाई व्यवस्था को लेकर आर्यन ग्रुप के इंचार्ज कुलदीप दीक्षित पर अभद्र व्यवहार और गाली-गलौज का आरोप लगाया है। सभासद ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) को शिकायती पत्र देकर मामले की जांच कर संबंधित इंचार्ज को हटाने की मांग की है।

सभासद कृष्णा वाजपेई का आरोप है कि उन्होंने वार्ड में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए आर्यन ग्रुप के इंचार्ज कुलदीप दीक्षित से संपर्क किया था। इस दौरान इंचार्ज ने सफाई व्यवस्था कराने के बजाय टालमटोल की। विरोध जताने पर उन्होंने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की, जिससे जनप्रतिनिधि के सम्मान को ठेस पहुंची।

खबर एक नज़र

गंगा का जलस्तर फिर बढ़ा, तटीय इलाकों में बढ़ी सतर्कता

पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश और कानपुर बैराज से पानी छोड़े जाने का असर, प्रशासन ने सक्रिय कीं बाढ़ चैकियां

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। जनपद में गंगा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश और कानपुर बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण नदी का जलस्तर लगातार ऊपर जा रहा है। हालांकि, जलस्तर अभी चेतावनी बिंदु से नीचे है, लेकिन तेजी से हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ चैकियों को सक्रिय कर निगरानी बढ़ा दी है। केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के अनुसार गुरुवार से गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। शुक्रवार जलस्तर 108.600 मीटर था, शनिवार को मामूली गिरावट के बाद रविवार को जलस्तर में फिर तेजी आई। रविवार जलस्तर बढ़कर 108.83 मीटर हो गया। सोमवार दोपहर 2 बजे 109.94 मीटर रिकॉर्ड किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण आने वाले दिनों में गंगा का जलस्तर और बढ़ सकता है। कानपुर बैराज पर बढ़ते दबाव के चलते पानी छोड़े जाने का सीधा असर उन्नाव में दिखाई दे रहा है। हालांकि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन गंगा किनारे बसे गांवों में संभावित बाढ़ को लेकर लोगों की चिंता बढ़ गई है। जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी बाढ़ चैकियों को अलर्ट कर दिया है। सिंचाई विभाग और राजस्व विभाग की टीमें लगातार जलस्तर की निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों को तटवर्ती क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने गंगा किनारे रहने वाले लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल प्रशासन की ओर से जारी सूचनाओं का पालन करने की अपील की है। साथ ही जलस्तर में अचानक वृद्धि या किसी भी आपात स्थिति की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों को देने को कहा गया है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल घबराने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन पूरी सतर्कता बरती जा रही है।

खेत के कुएं में मिला युवक का शव, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) पुरवा उन्नाव। नगर के मोहल्ला पीरजादी गढ़ी निवासी एक युवक का शव सोमवार सुबह उसके ही खेत में बने कुएं से मिलने पर सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। मोहल्ला पीरजादी गढ़ी निवासी अरुण कुमार उर्फ टिल्लू (28) पुत्र कृष्ण मुरारी कुशवाहा सोमवार सुबह खेत में सब्जी तोड़ने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान खेत में बने कुएं के बाहर उसकी चप्पलें पड़ी मिलीं। आशंका होने पर परिजनों ने कुएं में झांककर देखा तो अरुण का शव पानी में उतराता मिला। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। दरोगा रमेश सिंह सेंगर ने ग्रामीणों की सहायता से शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों का कहना है कि अरुण पिछले कुछ समय से पति-पत्नी के बीच चल रहे विवाद के कारण मानसिक तनाव में था। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। कोतवाली प्रभारी भवन सिंह मौर्य ने बताया कि परिजनों ने इत्तेफाकिया मौत की सूचना दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

कोचिंग से लौट रही बीए छात्रा को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत से परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र भारत (ब्यूरो) उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब छात्रा उन्नाव से कोचिंग कर घर लौट रही थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। माखी थाना क्षेत्र के जंगल जहानाबाद गांव निवासी संध्या (20) पुत्री ओमप्रकाश स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। वह प्रतिदिन उन्नाव आकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग करती थी। सोमवार सुबह कोचिंग के बाद स्कूटी से घर लौटते समय माखी के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्रा को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतका के मामा वीरेंद्र कुमार ने बताया कि संध्या पढ़ाई में बेहद होनहार थी और उच्च शिक्षा प्राप्त कर परिवार का सहारा बनना चाहती थी। वह पांच बहनों में दूसरे नंबर पर थी। उसकी असमय मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने सरकार से आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

युद्ध का जारी रहना

पश्चिम एशिया में शांति आते-आते एक बार फिर दूर चली गई है। तनाव फिर कायम हो गया है। अमेरिका और ईरान के बीच बमों, मिसाइलों और ड्रोन के वार-पलटवार होने के साथ शब्दों के बाण भी जोरदार ढंग से चल रहे हैं। अमेरिका जहां ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर एक साथ सैकड़ों हमले कर चुका है तो ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर जबर्दस्त चोट पहुंचाई। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के शीर्ष नेतृत्व को 'बीमार' की संज्ञा देकर उनके साथ किसी भी ढंग की शांति वार्ता को 'वक्त की बर्बादी' और उसे 'एक हजार मिसाइलों से सबक' सिखाने की बात कह चुके हैं तो ईरानी नेतृत्व अमेरिका पर 'भरोसे लायक देश नहीं' होने का तंज कस रहा है। यह भी सही है कि युद्ध को लेकर ट्रंप दुविधा में हैं। इसी चक्कर में एक तरफ तो वह इसे भड़काते हैं तो दूसरी तरफ खुद को एक कुशल कूटनीतिज्ञ साबित करने के लिए वह युद्ध खत्म करने के दावे भी करते रहते हैं। लेकिन चूंकि युद्ध अमेरिका ने ही शुरू किया तो उसे न जीत पाने की हालत में एक 'अक्षम' राष्ट्रपति कहलाने की बदनामी का डर भी उन्हें सता रहा है। उधर मिसाइल और ड्रोन का अभी भी अच्छा-खासा जखीरा रखने के बावजूद ईरान भी युद्ध को बहुत धारदार बनाना नहीं चाहता। इसीलिए वह अमेरिकी ठिकानों तहस-नहस करने तक ही अपनी कार्रवाइयों को सीमित रख रहा है। लेकिन दोनों देशों के बीच होमुर्ज जलमार्ग जिस तरह नाक का सवाल बनता जा रहा है, उसे देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि कितने समय तक वे अपने ऊपर नियंत्रण रख पाने में सफल होंगे। ईरान अच्छी तरह जानता है कि विश्व व्यापार, खासकर वैश्विक तेल और ऊर्जा की निर्बाध सप्लाई के लिए होर्मुज कितना अहम है। साथ ही अमेरिकी हमले के मुआवजे के रूप में वह होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों से शुल्क वसूलना चाहता है। जबकि ट्रंप हर हाल में वहां से जहाजों बेरोकटोक आवाजाही चाहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ये भी महसूस करते हैं कि उनकी 'विजेता' की छवि नहीं बन पा रही है। ईरान हर बार जिस तरह पलट कर जवाब दे रहा है, उससे अमेरिका की वैश्विक छवि भी प्रभावित हो रही है। इससे यह भी साबित हो रहा है कि कितना भी नुकसान क्यों न हो जाए पर ईरान जरा भी झुकने के लिए तैयार नहीं है। ईरान की आंतरिक राजनीति में कट्टरपंथियों की बढ़त इस रुख को और ताकत दे रही है। सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की हत्या को यह गुट बदले की चिंगारी के रूप में सुलगाए रहना चाहता है। ऐसे में दोनों देशों के बीच का युद्ध अब भीषण भले न हो, इसका खात्मा तो फिलहाल नहीं होना है। देखने की बात यह होगी कि इसमें क्या-क्या मोड़ आते हैं।

महिलाओं के लिए

प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए की जा रही कोशिशों के काफी सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं लेकिन अभी इस दिशा में काफी कुछ किया जाना है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन क्षेत्रों में विकास अभी भी मानकों के अनुरूप नहीं है। इसके लिए क्षेत्र की महिलाओं की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है क्योंकि इस काम में उनकी गतिविधियां काफी सहायक हो सकती हैं। इसी उद्देश्य से महिलाओं के स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) का गठन किया गया जो काफी अच्छा काम कर रहे हैं और इनकी सहायता से महिलाओं के स्वावलंबन के अवसर विभिन्न दिशाओं में खुलते जा रहे हैं। प्रदेश सरकार इसमें एक और नया आयाम जोड़ने जा रही है जिसका उद्देश्य एसएचजी से जुड़ी महिलाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार और उद्यमिता के नए अवसर विकसित करना है। इसके लिए समूहों की महिलाओं को बाकायदा प्रशिक्षित किया जाएगा। इसलिए राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और एक ट्रस्ट के बीच अनुबंध हुआ है जिसके अंतर्गत महिला नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को बढ़ावा देने के साथ-साथ समूहों और क्लस्टर स्तरीय संघों की संस्थागत क्षमता को मजबूत किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश में मिलेट कैफे, एग्रो प्रोसेसिंग आधारित इकाइयों और अन्य महिला नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों की स्थापना की जाएगी। प्रदेश सरकार की ये पहल निश्चित रूप से बेहद उपयोगी है क्योंकि यह महिलाओं की आय में वृद्धि कर उन्हें लखपति महिला उद्यमी बनाने के अभियान को और गति प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं इस पहल से आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनेंगी ही, प्रगति एवं विकास में शहरी क्षेत्रों की महिलाओं की तरह ही सक्रिय सहभागिता कर सकेंगी। यह स्थिति अगली पीढ़ी की बालिकाओं के लिए आदर्श बनेगी जब वे अपने पैरों पर खड़ी होकर अपने व्यक्तित्व को बहुआयामी निखार देंगी तथा घर परिवार एवं समाज को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देने की प्रेरणा प्राप्त करेंगी।

मजबूत बनी हुई है भारतीय अर्थव्यवस्था

पश्चिम एशिया संकट ने वैश्विक व्यापार, समुद्री परिवहन और कीमतों के संतुलन को प्रभावित किया है. फिर भी भारत दुनिया की सबसे मजबूत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है. आंकड़े बताते हैं कि इस झटके का असर धीरे-धीरे कम हो रहा

- अभिजीत मुखोपाध्याय

है, बाहरी परिस्थितियां पहले की तुलना में कम प्रतिकूल हो रही हैं और भारत की आर्थिक वृद्धि को आगे बढ़ाने वाले आधार मजबूत बने हुए हैं. हालांकि जुलाई में आइएमएफ के नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक ने 2026 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 6.4 फीसदी कर दिया है.

पश्चिम एशिया संघर्ष का तात्कालिक और सीधा असर ऊर्जा, समुद्री माल ढुलाई, बीमा और आपूर्ति की समय-सीमा पर भी पड़ा, पर युद्धविराम से समुद्री परिवहन और ऊर्जा क्षेत्र पर पड़ा दबाव कम होने लगा है. विश्लेषकों के मुताबिक, यदि पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात नहीं बनते, तो भारतीय कंपनियों के मुनाफे पर पड़ने वाला प्रभाव शुरुआती आशंकाओं की तुलना में आधा रह सकता है. यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत कच्चे तेल का बड़ा आयातक है तथा तेल की कीमतों में थोड़ी भी वृद्धि महंगाई, चालू खाते के संतुलन और उद्योगों की लागत पर व्यापक असर डाल सकती है. अच्छी बात यह है कि पश्चिम एशिया का झटका फिलहाल नियंत्रित किया जा सकने वाला लग रहा है.

जनवरी के अंत तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार करीब 723.8 अरब डॉलर था. भारतीय रिजर्व बैंक के मुताबिक, यह भंडार एक वर्ष से अधिक अवधि का आयात पूरा करने के लिए पर्याप्त है. मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार नीति-निर्माताओं को यह क्षमता देता है कि वे अस्थिरता का सामना करते हुए भी आर्थिक विकास की गति बनाये रख सकें. विश्व बैंक ने कहा है कि ऊर्जा की ऊंची कीमत और आपूर्ति शृंखला में व्यवधान के बावजूद भारत 2026-27 में 6.6 फीसदी की अनुमानित वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में बना रहेगा।

घरेलू आर्थिक गतिविधियां अब भी विकास का मुख्य आधार बनी हुई हैं. वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी 7.7 प्रतिशत बढ़ी, जबकि चौथी तिमाही की वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही. जून में भारत का संयुक्त पीएमआइ 57.4 पर रहा, जो 50 से काफी ऊपर है यानी निजी क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की पर्याप्त संभावना अब भी मौजूद है. इससे सेवा और विनिर्माण क्षेत्र की लगातार मजबूत गतिविधियां बाहरी झटकों के असर को कम कर सकती हैं. चूंकि महंगाई आर्थिक चक्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू बन गयी है, ऐसे में नीति-निर्माताओं को कीमतों में संभावित उतार-चढ़ाव पर विशेष ध्यान देना होगा. खुदरा महंगाई अप्रैल के 3.48 फीसदी से बढ़कर मई में 3.93 फीसदी हो गयी, जबकि थोक महंगाई 9.68 फीसदी तक पहुंच गयी।

यह ऊर्जा संकट और उत्पादन लागत बढ़ने का परिणाम है. बेशक ये आंकड़े अत्यधिक चिंताजनक नहीं हैं, पर बताते हैं कि वैश्विक आपूर्ति संबंधी झटके घरेलू कीमतों को तेजी से प्रभावित कर सकते हैं. अच्छी बात यह है कि पिछले संकटों की तुलना में फिलहाल महंगाई काफी नियंत्रित है. इससे रिजर्व बैंक और सरकार को जल्दबाजी में कठोर कदम उठाने की जरूरत नहीं होगी. यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति बहाल होती है, तो समुद्री परिवहन संबंधी अनिश्चितता कम होगी, बीमा प्रीमियम घटेंगे, माल ढुलाई की लागत कम होगी और ऊर्जा, रसायन, उर्वरक तथा अन्य औद्योगिक कच्चे माल का आयात करने वाली कंपनियों के लिए आपूर्ति की योजना बनाना अधिक आसान हो जायेगा। आंकड़े ये भी दर्शाते हैं कि जनवरी से मार्च की तिमाही में भारत का चालू खाता अप्रत्याशित रूप से अधिशेष में पहुंच गया. इसका मुख्य कारण सेवा क्षेत्र से हुई मजबूत आय और विदेशों से आने वाला धन (रेमिटेंस) था. यह भारत की बाहरी आर्थिक मजबूती को दर्शाता है. हालांकि यह स्थिति आने वाली तिमाहियों में बनी रहेगी, इसकी संभावना कम है. ऐसे में, पहले से तैयार रहना होगा. यह विशेष रूप से इसलिए उपयोगी है, क्योंकि औद्योगिक उत्पादन अब भी मजबूत बना हुआ है. अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन 4.9 फीसदी बढ़ा, जबकि इससे पहले ऊर्जा लागत और आपूर्ति संबंधी समस्याएं बढ़ चुकी थीं।

निर्यातकों और विनिर्माण कंपनियों के लिए पश्चिम एशिया में सामान्य स्थिति लौटने से माल प्रबंधन बेहतर होगा, आपूर्ति में लगने वाला समय कम होगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उनकी स्थिति मजबूत होगी. मौजूदा आर्थिक तस्वीर का सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू रोजगार है. जून के पीएमआइ सर्वेक्षण के अनुसार, निजी क्षेत्र में रोजगार वृद्धि बहुत सीमित रही. पिछले छह महीनों के विस्तार काल में नयी नियुक्तियों की गति सबसे

कम रही, जबकि कंपनियां अपना उत्पादन लगातार बढ़ाती रहीं. इससे स्पष्ट है कि आर्थिक वृद्धि वास्तविक है, पर उत्पादन बढ़ने का लाभ व्यापक स्तर पर रोजगार सृजन में अभी पूरी तरह परिवर्तित नहीं हो पा रहा है।यदि भारत को आने वाले वर्षों में लगातार उच्च विकास दर बनाये रखनी है, तो रोजगार सृजन में सुधार जरूरी होगा। फिर भी यह निराश होने का कारण नहीं है. भारत के आर्थिक अनुभव से यह बार-बार सिद्ध हुआ है कि जब महंगाई कम होती है, ऊर्जा लागत सामान्य होती है और निजी क्षेत्र का विश्वास बढ़ता है, तो कुछ समय बाद रोजगार भी तेजी से बढ़ने लगता है. इस समय सबसे महत्वपूर्ण कार्य है घरेलू मांग स्थिर बनाये रखना, लागत का दबाव कम करना और नीतिगत स्थिरता बनाये रखना, ताकि उद्योग बेहतर परिस्थितियों को अधिक निवेश और अधिक रोजगार में बदल सकें. पश्चिम एशिया में स्थिति सुधरती है, तो भारत को महंगाई और समुद्री परिवहन के साथ रुपये पर कम दबाव का लाभ मिलेगा। जब इसे भारत के मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, स्थिर घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र से होने वाली आय के साथ जोड़ा जाये, तो यह आर्थिक विकास के अगले चरण के लिए अनुकूल आधार तैयार करता है. संभावना यह है कि विकास दर में अचानक तेज उछाल नहीं आयेगा, बल्कि जैसे-जैसे बाहरी चुनौतियां कम होंगी, अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे गति पकड़ती जायेगी. भारत ने एक बड़े वैश्विक झटके का सफलतापूर्वक सामना किया है और उसके व्यापक आर्थिक आधार मजबूत बने हुए हैं. विकास दर पहले के अत्यधिक आशावादी अनुमानों से कुछ कम हो सकती है, पर अर्थव्यवस्था स्वस्थ गति से आगे बढ़ रही है. महंगाई नियंत्रण में है और भुगतान संतुलन मजबूत बना हुआ है. फिर भी होर्मुज और पूरे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति स्थापित होना भारत की आर्थिक स्थिरता और विकास के लिए अत्यंत जरूरी है।

।। यथार्थ गीता ।।

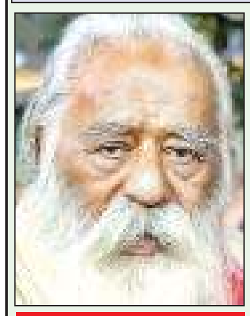

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ चतुर्दशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

'या निशा सर्वभूतानां तस्यां जागर्ति संयमी।' जगत् ही रात्रि है। तमोगुणी व्यक्ति इस जगरूपी निशा में रात-दिन व्यस्त रहता है, प्रकाश स्वरूप की ओर अचेत रहता है। यही तमोगुणी निद्रा है। जो इसमें फँसा है, सोता है। अब तीनों गुणों के बन्धन का सामूहिक स्वरूप बताते हैं-

सत्त्वं सुखे सञ्जयति रजः कर्मणि भारत। ज्ञानमावृत्य तु तमः प्रमादे सञ्जयत्युत ।।9।। अर्जुन! सत्त्वगुण सुख में लगाता है, शाश्वत परमसुख की धारा में लगाता है, रजोगुण कर्म में प्रवृत्त करता है और तमोगुण ज्ञान को आच्छादित करके प्रमाद में अर्थात् अन्तःकरण की व्यर्थ चेष्टाओं में लगाता है। जब गुण एक ही स्थान पर एक ही हृदय में हैं तो अलग-अलग कैसे विभक्त हो जाते हैं? इस पर योगेश्वर श्रीकृष्ण बताते हैं-

रजस्तमश्चाभिभूय सत्त्वं भवति भारत। जी रजः सत्त्वं तमश्चैव तमः सत्त्वं रजस्तथा ।।10।।

हे अर्जुन ! रजोगुण और तमोगुण को दबाकर सत्त्वगुण बढ़ता है, वैसे ही सत्त्वगुण और तमोगुण को दबाकर रजोगुण बढ़ता है तथा इसी प्रकार रजोगुण और सत्त्वगुण को दबाकर तमोगुण बढ़ता है। यह कैसे पहचाना जाय कि कब और कौन-सा गुण कार्य कर रहा है? सर्वद्वारेषु देहेऽस्मिन्प्रकाश उपजायते ।। ज्ञानं यदा तदा विद्याद्विवृद्धं सत्त्वमित्युत ।।11।।

जिस काल में इस शरीर तथा अन्तःकरण और सम्पूर्ण इन्द्रियों में ईश्वरीय प्रकाश और बोधशक्ति उत्पन्न होती है, उस समय ऐसा जानना चाहिये कि सत्त्वगुण विशेष वृद्धि को प्राप्त हुआ है। तथा- लोभः प्रवृत्तिरारम्भः कर्मणामशमः स्पृहा। रजस्येतानि जायन्ते विवृद्धे भरतर्षभ ।।12।।

हे अर्जुन ! रजोगुण की विशेष वृद्धि होने पर लोभ, कार्य में प्रवृत्त होने की चेष्टा, कर्मों का आरम्भ, अशान्ति अर्थात् मन की चंचलता, विषय-भोगों की लालसा - यह सब उत्पन्न होते हैं।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

गृहासक्तस्य नो विद्या नो दया मांसभोजिनः।
द्रव्यलुब्धस्य नो सत्यं स्त्रैणस्य न पवित्रता।।

घर के सुखों में मोह रखने वाला व्यक्ति विद्या-प्राप्ति नहीं कर सकता, मांस खाने वाले व्यक्ति के मन में दयाभाव उत्पन्न नहीं हो सकता, धन का लोभी व्यक्ति कभी सत्य-भाषण नहीं कर सकता और स्त्रियों से लगाव रखने वाला कामी व्यक्ति पवित्र एवं सदाचारी नहीं हो सकता।

♦♦♦

बच्चों को 'क्यों' पूछने के लिए प्रेरित करें

- प्रो. मधुलिका गुप्ता

हर युग को उन प्रश्नों के लिए याद किया जाता है, जिन्हें पूछने का साहस उस पीढ़ी ने किया. कभी मनुष्य ने सोचा था कि वह पक्षियों की तरह उड़ सकता है? एक समय यह भी प्रश्न था कि क्या घातक बीमारियों का इलाज संभव है? वैज्ञानिकों ने आकाश की ओर देखा और पूछा कि क्या मनुष्य चंद्रमा तक पहुंच सकता है? आज की युवा पीढ़ी के सामने इससे भी बड़े प्रश्न हैं. क्या भविष्य में मंगल या चंद्रमा पर स्थायी मानव बस्तियां बसेंगी? क्या वातावरण में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को उपयोगी ईंधन में बदला जा सकेगा? क्या बीमारियों का पता उनके लक्षण दिखाई देने से पहले लगाया जा सकेगा?

क्या स्वच्छ ऊर्जा हर व्यक्ति तक पहुंचेगी? क्या क्वांटम तकनीक कंप्यूटिंग की दुनिया को पूरी तरह बदल देगी? इन प्रश्नों के उत्तर केवल पुस्तकों में नहीं मिलेंगे. इनके उत्तर जिज्ञासा, कल्पनाशीलता, साहस, धैर्य और निरंतर प्रयास से मिलेंगे. आज की 30 वर्ष से कम आयु की पीढ़ी मानव इतिहास के सबसे रोमांचक दौर में जी रही है. पहले कभी किसी पीढ़ी के पास इतना विशाल वैज्ञानिक ज्ञान, इतनी शक्तिशाली कंप्यूटिंग क्षमता, आधुनिक प्रयोगशालाएं, एआइ के उपकरण और वैश्विक सहयोग का अवसर नहीं था। आज एक साधारण छात्र भी लैपटॉप और इंटरनेट की सहायता से वही वैज्ञानिक शोधपत्र पढ़ सकता है, जिन तक कभी केवल दुनिया की सबसे बड़ी प्रयोगशालाओं की पहुंच होती थी. यदि जिज्ञासा और सीखने की इच्छा हो, तो ज्ञान पूरी दुनिया के लिए खुला है. पर केवल तकनीक महान वैज्ञानिक नहीं बनाती. हर बड़ी खोज की शुरुआत जिज्ञासा से होती है. आने वाला समय उन्हीं लोगों का होगा जो दुनिया को ध्यान से देखेंगे, स्थापित धारणाओं पर सवाल उठायेंगे, नये विचारों को परखेंगे, असफलताओं से सीखेंगे और स्वयं को लगातार बेहतर बनाते रहेंगे. इक्कीसवीं सदी में सबसे बड़ी क्षमता होगी आलोचनात्मक सोच और रचनात्मक ढंग से समस्याओं का समाधान करने की योग्यता।

आज विज्ञान की दुनिया तेजी से बदल रही है. अब कोई भी खोज केवल एक विषय की सीमा में रहकर संभव नहीं है. भविष्य की दवाइयां केवल चिकित्सक नहीं बनायेंगे, बल्कि रसायनविद, जीवविज्ञानी, कंप्यूटर वैज्ञानिक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता विशेषज्ञ मिलकर विकसित करेंगे. पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन तैयार करने के लिए रसायन विज्ञान, रासायनिक इंजीनियरिंग, पर्यावरण विज्ञान और उद्योग जगत को साथ आना होगा. जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का समाधान पृथ्वी विज्ञान, डाटा विश्लेषण, अर्थशास्त्र, सार्वजनिक नीति और आधुनिक प्रौद्योगिकी के सामूहिक प्रयास से ही संभव है. आज नवाचार किसी एक विषय की उपलब्धि नहीं, बल्कि अनेक विषयों के साझा प्रयास का परिणाम है. इसी बदलती दुनिया को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में भी व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी इसी दिशा में बहु-विषयक शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार पर बल देती है. विश्वविद्यालयों को केवल पढ़ाई कराने वाले संस्थानों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें खोज, अनुसंधान और नवाचार का जीवंत केंद्र बनना होगा. कक्षाओं में रटने के बजाय प्रश्न पूछने, तर्क करने और प्रयोग करने की संस्कृति विकसित करनी होगी. आधुनिक कंप्यूटेशनल सुविधाएं विद्यार्थियों को अणुओं का मॉडल तैयार करने, नयी सामग्री विकसित करने, विशाल आंकड़ों का विश्लेषण करने तथा कृत्रिम

बुद्धिमत्ता आधारित एल्गोरिदम विकसित करने में सक्षम बनायेंगी। विकसित भारत-2047 का सपना तभी साकार होगा, जब विश्वविद्यालय ज्ञान के साथ नवाचार व उद्यमिता के भी केंद्र बनेंगे. इस दिशा में केवल विश्वविद्यालयों की ही नहीं, परिवार और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है. किसी भी बच्चे के पहले शिक्षक उसके माता-पिता होते हैं. यदि वे बच्चों को केवल उत्तर बताने के बजाय 'क्यों' पूछने के लिए प्रेरित करें, तो उनमें जीवनभर सीखने की जिज्ञासा बनी रहती है. सफलता का आकलन केवल परीक्षा के अंकों से नहीं, बल्कि जिज्ञासा, ईमानदारी, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और कठिन परिस्थितियों में डटे रहने की क्षमता से होना चाहिए. शिक्षकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। सबसे प्रभावशाली शिक्षक वे होते हैं, जो केवल पाठ नहीं पढ़ाते, बल्कि विद्यार्थियों की सोच बदल देते हैं. कक्षा में हुई एक प्रेरणादायी चर्चा, किसी संकोची विद्यार्थी का उत्साहवर्धन या अनुसंधान में भाग लेने का एक अवसर उसके पूरे जीवन की दिशा बदल सकता है. शिक्षा का उद्देश्य ऐसे स्वतंत्र विचारक तैयार करना होना चाहिए, जिनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ नैतिक जिम्मेदारी भी हो. वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी भी प्रयोगशाला की चारदीवारी तक सीमित नहीं है. विज्ञान तभी सार्थक है, जब वह नयी पीढ़ी को प्रेरित करे. मानवता के सामने चुनौतियां भी बड़ी हैं और अवसर भी. आने वाले सौ वर्षों की सबसे बड़ी खोजें अभी बाकी हैं. भविष्य की दुनिया को बदलने वाली तकनीकों का आविष्कार अभी होना है और उन्हें विकसित करने वाले वैज्ञानिक, इंजीनियर, शिक्षक, उद्यमी और नवोन्मेषक आज हमारे विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रयोगशालाओं और घरों में बैठे हैं. भविष्य हमारी प्रतीक्षा नहीं कर रहा, बल्कि हमारी खोज का इंतजार कर रहा है।

काँव-काँव

♦♦♦

अमेरिका का 140 ठिकानों पर हमला.. ईरान ने खाड़ी देशों पर बरसाई मिसाइलें
यानी युद्धविराम विश्राम अंतराल था!

प्रदेश में एक दिन में रोपे 35.27 करोड़ पौधे
पिछले वर्ष रोपे गए कितने पौधे बचे हैं?

अखिलेश ने पौधरोपण को बताया भ्रष्टारोपण
सपा सरकार चला चुके हैं, अनुभवी हैं आप!

कृष्ण मोहन ने चंपत राय से की बंद कमरे में चर्चा
चोरी-चोरी, चुपके-चुपके लिया गुरुमंत्र!

पुलिस पर जनता का विश्वास बढ़ाने पर मंथन
जनता-पुलिस विश्वास के बीच लाठी जो आ जाती है!

संघ ने दान राशि में अनियमितता पर जताया दुख
अपनों से बुरा कर्म हो जाए तो दुख होता है!

♦♦♦

प्रेरक प्रसंग

पिता की सीख

एक सेठ थे। उन्होंने अपने जीवन में खूब कमाई की। बाद में मोह-माया से उनका मन हट गया। वह ईश्वर की उपासना करने लगे। एक दिन एक आदमी उनके पास आया। बोलो, देखिये, मेरे पिता और आपके पिता बड़े मित्र थे। आपके पिता ने मेरे पिता की बड़ी मदद की उससे हमारा कारोबार जमा और हमें बहुत से धन की प्राप्ति हुई।

आज भी भगवान की कृपा और आपके आशीर्वाद से हमारा व्यापार बहुत अच्छी तरह से चल रहा है'।

सेठ का उस दिन मौन था। वह चुपचाप उनकी बात सुनते रहे।

अंत में वह भाई बोले, आपके पिता का ऋण तो क्या चुका सकते हैं! लेकिन लीजिये, ये कुछ मोहरे आपकी भेंट हैं।

इतना कहकर उन्होंने मोहरों की एक थौली निकाली और उनके सामने रखकर चले गये।

जब सेठ का मौन समाप्त हुआ तो उन्होंने अपने लड़के को बुलाया और कहा, जाओ, यह थैली उस आदमी को लौटा आओ।

पिता से उस आदमी ने जो कहा था, वह बेटे ने सुना था। वह बोला, आप यह थैली क्यों वापस करवाते हैं ? वह बिना मांगे दे गये हैं। ये मोहरें हमारे काम आ जायेंगी। आखिर हमारे भी तो बाल-बच्चे हैं।

पिता यह सुनकर गंभीर हो गये, उन्होंने कहा, जिस चीज से मैंने मुंह मोड़ लिया है, तुम चाहते हो कि मैं उसी चक्कर में पड़ूं और तुम लोगों को डालूं ? यह मुझसे नहीं होगा। मैं तो बस इतना चाहता हूं कि मेरे जीवन के बचे दिन भगवद्-भक्ति में बीतें और तुम लोग अपनी मेहनत की कमाई पर आगे बढ़ो।

इतना कहते-कहते पिता की आंखों से आंसू टपकने लगे। बेटे ने फिर कुछ नहीं कहा। वह दौड़ा हुआ गया और थैली लौटा आया।

आपका पत्र मिला

प्रशासनिक सतर्कता और जवाबदेही की जरूरत

स्वतंत्र भारत में प्रकाशित संपादकीय 'भरोसे का संकट' (13 जून) राम मंदिर चंदा हेराफेरी के संदर्भ में एक बढ़िया टिप्पणी है। अक्सर देखने में आता है कि समाज के संवेदनशील क्षेत्रों, विशेषकर धार्मिक स्थलों पर गड़बड़ियों के बाद ही प्रशासनिक कदम उठाए जाते हैं जो कि एक चिंताजनक प्रवृत्ति है। हाल ही में अयोध्या के श्री राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे तथा दान राशि में वित्तीय अनियमितताओं के मामले उजागर होने से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास को गहरा धक्का लगा है। इन मामलों की जांच के लिए एसआईटी और उच्च स्तरीय समितियों का गठन तो कर दिया गया है लेकिन मुख्य प्रश्न यह उठता है कि ऐसे घपलों को रोकने के लिए पहले से ही एक मजबूत और व्यापक निगरानी तंत्र क्यों नहीं विकसित किया गया? केवल कर्मचारियों की नियुक्ति कर देना और उन पर आंख मूंदकर भरोसा करना प्रशासनिक शिथिलता को दर्शाता है। राम मंदिर जैसी जगहों पर सीसीटीवी कैमरों का न होना या उनका गायब पाया जाना यह साबित करता है कि वहां पारदर्शिता का नितांत अभाव था। किसी भी प्रबंधन व्यवस्था को 'गड़बड़ी होने के बाद जागने' की मानसिकता से बाहर निकलना होगा क्योंकि तब तक बहुत बड़ा नुकसान हो चुका होता है। धार्मिक बोर्डों और ट्रस्टों को यह समझना होगा कि अंधविश्वास और सतर्कता के अभाव में संस्था की साख को ऐसा जोखिम पहुंचता है जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती।

अमृतलाल मारू 'रवि'
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

हिंदू धर्म में गंगा में ही क्यों किया जाता है अस्थि विसर्जन?

सनातन धर्म में किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद किए जाने वाले संस्कार केवल औपचारिकताएं नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही आध्यात्मिक परंपराएं हैं। इन्हीं में से एक है दाह संस्कार के बाद अस्थियों को पवित्र नदी, विशेषकर गंगा में विसर्जित करना। लेकिन आखिर गंगा में ही अस्थि विसर्जन क्यों सबसे श्रेष्ठ माना जाता है? इसका उत्तर पौराणिक ग्रंथों, विशेष रूप से गरुड़ पुराण में मिलता है।

शरीर पंचतत्वों से बना है—गरुड़ पुराण का सिद्धांत

गरुड़ पुराण के अनुसार मानव शरीर पांच तत्वों से निर्मित होता है। पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश।

दाह संस्कार के समय शरीर को अग्नि तत्व में विलीन कर दिया जाता है।

दाह संस्कार के बाद बची अस्थियां शरीर का अंतिम स्वरूप होती हैं, जिन्हें प्रकृति में विलीन करना आवश्यक माना जाता है। इसीलिए अस्थियां पवित्र नदी में प्रवाहित की जाती हैं ताकि वे जल तत्व में समाहित हों और शरीर पूरी तरह पंचतत्वों में लौट जाए।

गंगा में अस्थि विसर्जन का आध्यात्मिक महत्व

गंगा मोक्षदायिनी मानी जाती हैं÷ ग्रंथों में गंगा को ÷मोक्षदायिनी÷ कहा गया है। मान्यता है कि गंगा के जल में अस्थियां प्रवाहित करने से आत्मा को मोक्ष मिलता है और वह ऊपर के लोकों की ओर अग्रसर हो जाती है।

पापों से मुक्ति का मार्ग- गरुड़ पुराण में वर्णित है कि गंगा का स्पर्श आत्मा के संस्कारों को शुद्ध करता है और जीवनकाल के कर्मों से मुक्ति दिलाता है।

पुनर्जन्म का चक्र समाप्त होने की मान्यता- पुराण कथाओं के अनुसार गंगा में विसर्जन करने से आत्मा को ब्रह्मलोक की प्राप्ति होती है और उसका पुनर्जन्म का चक्र भी समाप्त हो सकता है।

राजा भगीरथ की कथा- गंगा क्यों हैं मोक्ष देने वाली नदी

पुराणों के अनुसार राजा भगीरथ ने अपने पूर्वजों को मोक्ष दिलाने के लिए वर्षों तक कठोर तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर गंगा स्वर्ग लोक से पृथ्वी पर अवतरित हुईं। गंगा के इस दिव्य अवतरण के बाद ही उन्हें मोक्ष देने वाली पवित्र नदी का स्थान मिला। माना जाता है कि उनके जल का स्पर्श आत्मा को मुक्त करता है और उसे उच्च लोकों की ओर ले जाता है।

इसी कारण– गंगा का जल अत्यंत पवित्र माना जाता है, आत्मा को सांसारिक बंधनों से मुक्त करने में सहायक समझा जाता है, और गंगा को स्वर्ग से उतरी दिव्य धारा का स्वरूप प्राप्त होता है। इन्हीं मान्यताओं के कारण अस्थि विसर्जन के लिए गंगा नदी को सबसे श्रेष्ठ और मोक्षदायिनी माना गया है।

गंगा जल का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व

गंगा जल में प्राकृतिक शुद्धिकारी गुण पाए जाते हैं, जो हजारों वर्षों से चर्चा में हैं। इसका विशिष्ट खनिज संयोजन जल को लंबे समय तक खराब नहीं होने देता। इसे आस्था के साथ जोड़कर दैवीय ऊर्जा का रूप भी माना गया है।

इस जल में विसर्जन आत्मा की ऊर्जा को हल्का करता है और उसे धरती के बंधनों से मुक्त करने में सहायक माना जाता है।

अस्थि विसर्जन का धार्मिक समय और विधि

दाह संस्कार के बाद 3 दिन से लेकर 10 दिनों के भीतर अस्थियां एकत्र की जाती हैं। फिर परिवार के सदस्य मंत्रों और विधि-विधान के साथ उन्हें पवित्र नदी में प्रवाहित करते हैं।

यह प्रक्रिया आत्मा के शांतिपूर्ण यात्रा का अंतिम चरण मानी जाती है

अस्थि विसर्जन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक तीनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्त्वपूर्ण परंपरा है। गंगा में अस्थियों का विसर्जन आत्मा को पापों से मुक्ति, शांति और मोक्ष प्रदान करने वाला पवित्र कर्म माना गया है। यही कारण है कि सदियों से लोग गंगा को जीवन और मृत्यु दोनों की यात्रा में सबसे पवित्र साथी मानते आए हैं।

दुर्भाग्य को निमंत्रण देती है झाड़ू से जुड़ी ये गलतियां

वास्तु शास्त्र के अनुसार झाड़ू घर की खास चीज है। इससे घर की साफ-सफाई की जाती है। झाड़ू को मां लक्ष्मी का दर्जा दिया गया है। घर में झाड़ू को अगर नियम अनुसार रखें तो कभी भी धन की कमी नहीं आती वहीं दूसरी ओर जिसके घर में झाड़ू का सम्मान नहीं होता वहां हमेशा धन का अभाव बना रहता है। अगर आपने भी घर में टूटी हुई झाड़ू रखी है तो उसे आज ही फेंक दें क्योंकि टूटी हुई, झाड़ू घर में रखने से दरिद्रता का वास होता है। तो आइए, आज आपको झाड़ू से जुड़े कुछ खास नियमों के बारे में बताते है, जिसे अपनाने से आपके घर में धन के भंडार सदैव भरे रहेंगे, मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी और घर में सुख-समृद्धि बढ़ेगी। झाड़ू को रखने की सही दिशा : गलती से भी झाड़ू को ईशान कोण (उत्तर-पूर्व)में न रखें क्योंकि इस दिशा में रखा झाड़ू घर में धन के आगमन को रोक देता है इसलिए, झाड़ू को हमेशा घर के दक्षिण या दक्षिण-पश्चिम दिशा में ही रखें। झाड़ू को रखें छिपाकर : झाड़ू को घर में किसी ऐसे स्थान पर छिपाकर रखना चाहिए ताकि आते-जाते लोगों की नजर न पड़े। झाड़ू को बेड रुम में या तिजोरी के आस-पास कभी नहीं रखना चाहिए। किचन में भी झाड़ू नहीं रखनी चाहिए इससे अन्न की कमी आती है। झाड़ू लगाने का सही समय : झाड़ू को हमेशा सुबह के समय ही लगाना चाहिए। इस बात का भी ध्यान रखें कि रिश्तेदार या घर के किसी सदस्य के बाहर जाने के तुरंत बाद भी झाड़ू न लगाए। शाम को झाड़ू लगाने से परहेज करना चाहिए क्योंकि शाम के समय में झाड़ू लगाने से देवी लक्ष्मी रूठ जाती है, पर अगर किसी कारण शाम को झाड़ू लगाना पड़ जाए तो कूड़े और निकाली गई मिट्टी को घर से बाहर न फैंके।

संध्या आरती को चारों दिशाओं में दिखाना क्यों होता है जरूरी

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ और आरती करने के लिए कई नियमों के बारे में बताया गया है। यदि इन नियमों का व्यक्ति सही तरीके से पालन करें, तो जातक के जीवन में सुख-समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है। आरती के बिना कोई भी पूजा अधूरी मानी जाती है। कुछ लोग आरती करने के बाद दीपक पौधे के पास रखते हैं, जोकि वास्तु के हिसाब से शुभ माना जाता है। इसके साथ ही मंदिर में संध्याकाल की आरती के बाद इसकी लौ को चारों दिशाओं में दिखाया जाता है। लेकिन क्या आप आरती के चारों दिशाओं में दिखाने का महत्व जानते हैं। अगर आपका जवाब न है, तो आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए इसके बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं।

आरती की लौ उत्तर दिशा में दिखाना ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में भगवान शिव और कुबेर देव का वास माना जाता है। धार्मिक शास्त्रों में कुबेर देव को धन-संपत्ति का देवता माना गया है। वहीं यह दिशा भोलेनाथ को भी अतिप्रिय है। शाम को इस दिशा में आरती की लौ दिखाने से व्यक्ति को शुभ परिणाम मिलते हैं और सुख-समृद्धि का आगमन होता है। आरती की लौ पश्चिम दिशा में दिखाना : वहीं शनिदेव की दिशा पश्चिम दिशा मानी जाती है। इस दिशा में संध्या के समय आरती दिखाने से जातक पर हमेशा शनिदेव की कृपा दृष्टि बनी रहती हैं। साथ ही व्यक्ति को शनिदोष से भी छुटकारा मिलता है। आरती की लौ पूर्व दिशा में दिखाना : पूर्व दिशा भगवान श्रीहरि विष्णु की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में संध्या को आरती की लौ दिखाना चाहिए। इससे व्यक्ति पर श्रीहरि की कृपा दृष्टि बनी रहती है और व्यक्ति के सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है। आरती की लौ दक्षिण दिशा में दिखाना : ज्योतिष में दक्षिण दिशा पितरों और यम देव की मानी जाती है। इस दिशा में आरती दिखाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और व्यक्ति को अकाल मृत्यु के भय से छुटकारा मिलता है। इसलिए दक्षिण दिशा में संध्या आरती दिखाएं।

आरती करने के नियम

आरती करने के दौरान व्यक्ति को एक स्थान पर खड़े होकर आरती करनी चाहिए। साथ ही आरती करते समय थोड़ा सा झुकना चाहिए। वहीं भगवान के चरणों की तरफ चार बार, नाभि की ओर दो बार, मुख की तरफ एक बार और शरीर के सभी अंगों की तरफ सात बार करना चाहिए।

शांति और सफलता के लिए रोज करें श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ

॥ दोहा ॥

बंशी शोभित कर मधुर , नील जलद तन श्याम।
अरुण अधर जनु बिम्बा फल, पिताम्बर शुभ साज।।
जय मनमोहन मदन छवि, कृष्णचन्द्र महाराज।
करहु कृपा हे रवि तनय, राखहु जन की लाज।।

श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करना बेहद शुभ और फलदायक माना जाता है। श्रीकष्ण चालीसा कुल 40 छंदों में रचित है, जिसमे भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, उनके गुणों और भक्तों पर कान्हा की कृपा का भावपूर्ण वर्णन मिलता है। कृष्ण जन्माष्टमी जैसे कई धार्मिक पर्वों पर लोग श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करते हैं, जिससे कि भगवान की भक्ति में लीन होकर श्रीकृष्ण की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त किया जा सके। माना जाता है कि नियमित रूप से श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करने से जातक को जीवन में यश, सुख-समृद्धि, शांति, धन और संपन्नता की प्राप्ति होती है। श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करने से सफलता, संतान सुख, पराक्रम, नौकरी और प्रेम जैसे जीवन के अहम क्षेत्रों में भी सकारात्मक परिणाम मिलता है। इसलिए रोजाना श्रीकृष्ण चालीसा का पाठ करके आप भी उनकी विशेष कृपा के पात्र बन सकते हैं।

घर में वास्तु दोष होने पर मिलते हैं कई संकेत

माना जाता है कि घर और कार्यक्षेत्र में वास्तु नियमों का ध्यान रखने से व्यक्ति की कई तरह की समस्याएं भी हल हो जाती हैं। लेकिन अगर घर में वास्तु दोष लग जाए तो ऐसी स्थिति में जीवन की मुश्किलें बढ़ने लगती हैं। तो चलिए जानते हैं कि वास्तु दोष लगते पर क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार छुटकारा पाया जा सकता है।

ये हो सकते हैं कारण : यदि घर या कार्यक्षेत्र के निर्माण के दौरान, वास्तु नियमों का ध्यान न रखा जाए, तो ऐसे में वास्तु दोष लगने की संभावना बढ़ जाती है। वहीं घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा और टॉयलेट पूर्व दिशा में होने पर वास्तु दोष लग सकता है।

इसके साथ ही मिलने लगते हैं ये संकेत : जब घर में वास्तु दोष लगता है तो गृह क्लेश की स्थिति बनी रहती है। इसके साथ ही व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। वास्तु दोष होने पर घर का कोई न कोई सदस्य लगातार बीमार बना रहता है। वहीं, व्यक्ति को धन संबंधित समस्याएं भी बनी रहती है और फिजूलखर्ची बढ़ जाती है।

करें ये उपाय : घर में वास्तु दोष लगने पर वास्तु शांति का पाठ करवाना चाहिए। साथ ही चांदी की वास्तु बनाकर घर के ईशान कोण में रख दें। वहीं अगर, घर का मुख्य द्वार दक्षिण दिशा में है, तो उसे बंद कर देना चाहिए। इसके साथ ही सुबह-शाम पूजा के दौरान कपूर का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए। कपूर का दीपक जलाकर इसे घर के कोने-कोने में दिखाएं। इससे वास्तु दोष दूर होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास बना रहता है।

क्यों नहीं लेना चाहिए किनारे वाला घर

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि किसी मकान को खरीदते समय या बनाते समय वास्तु नियमों का ध्यान रखा जाए, तो ऐसे में व्यक्ति कई तरह की समस्याओं से बचा रहता है। ऐसे में कार्नर यानी तीन ओर से खुला हुआ मकान लेना वास्तु की दृष्टि से ठीक नहीं माना जाता है। चलिए जानते हैं **ऐसा क्यों? सही नहीं होते ये मकान :** वास्तु शास्त्र में माना गया है कि कार्नर वाला घर खरीदने से व्यक्ति की जीवन की समस्याएं बढ़ने लगती हैं, क्योंकि ऐसे घर को केतु का घर माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र में केतु ग्रह को एक क्रूर ग्रह माना गया है। वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक अगर दो सड़के वी शेप में मकान की तरफ आ रही हो, तो यह भी शुभ नहीं माना जाता। इसके साथ ही सड़क के दाई ओर मौजूद एल (रु) शेप वाला मकान भी शुभ परिणाम नहीं देता। **मिलते हैं ये परिणाम :** कार्नर वाले घर में रहने से व्यक्ति के जीवन की समस्याएं बढ़ जाती हैं। इससे व्यक्ति को वास्तु दोष का सामना करना पड़ता है। साथ ही इस मकान में रहने वाले सदस्यों को धनहानि, परिवार में लड़ाई-झगड़े आदि होने लगते हैं। साथ ही वास्तु शास्त्र में माना गया है कि ऐसे घर में नकारात्मकता का प्रवेश जल्दी होता है। **कर सकते हैं ये उपाय :** यदि आप भी कॉर्नर वाले घर में रह रहे हैं, तो इससे बुरे परिणामों से बचने के लिए आप कुछ उपाय कर सकते हैं। अगर आप एल (रु) शेप के मकान में रहते हैं, तो इसके लिए मुख्य द्वार को घर के मध्य में न बनाकर एक कोने में बनाना चाहिए।

ईश्वर के प्रति समर्पण निष्काम बना देता है

भगवान ही सब लोकों के एकमात्र ईश्वर हैं और वे भगवान जीवमात्र के परम सुहृदय होने के कारण मेरे भी परम सुहृदय हैं। यह जानते ही उसे शांति मिल जाती है। उसे निश्चय हो जाता है कि अब मैं सब प्रकार से सुरक्षित और पूर्ण काम हो गया। जब सर्वशक्तिमान भगवान मेरे परम सुहृदय हैं, तब मुझे किसका डर।

मनुष्य के मन में नाना प्रकार के मनोरथ हैं। संसार में वह सदा ही अपने को किसी-न-किसी अभाव से ग्रस्त पाता है। किसी भी अवस्था में वह यह अनुभव नहीं करता कि मुझको सब कुछ मिल गया, अब और कुछ भी नहीं चाहिए। बड़ी-से-बड़ी दुर्लभ वस्तु के पाने पर भी वह उसमें किसी कमी का अनुभव करता है और यह सोचता है कि जब मेरी यह कमी पूरी होगी, तब मुझे शांति मिलेगी। यह अभाव का अनुभव कभी मनुष्य के चित्त को शांत नहीं होने देता। शांति की दो ही स्थितियां हैं। एक तो वह, जिसमें पहुंचने पर वह स्वयं शांतिस्वरूप हो जाता है । फिर उसे किसी वस्तु की कमी का कभी बोध होता ही नहीं। वह सभी में सर्वत्र, सर्वथा और सर्वदा एकमात्र परमात्मा को देखता है और अपने को उनसे अभिन्न पाता है। उसकी यह पूर्णता उसकी स्वरूपभूता होती है, इसी का नाम मुक्ति है। दूसरी वह स्थिति है, जिसमें वह अपने को सदा-सर्वदा भगवान के संरक्षण में पाता है, जहां भगवान अनंत हाथों और अनंत शक्तियों से उसकी कमी को पूरा करने के लिए सदा प्रस्तुत रहते हैं, परंतु उसे भगवान को पाकर किसी कमी का अनुभव होता ही नहीं, वह कृतार्थ हो जाता है। यहां तक कि मुक्ति की ओर भी उसकी दृष्टि भूलकर भी कभी नहीं जाती। वह इस बात को पहले ही जान चुका होता है कि जगत में जितने भी यज्ञ-तप किए जाते हैं, विभिन्न देवताओं के रूप में एकमात्र भगवान ही उन सबके भोक्ता हैं; अतएव देवोपासनारूप कर्म से जिनको जो कुछ भी फल मिलता है, सब भगवान के अपरिमित भंडार से ही आता है। भगवान ही सब लोकों के एकमात्र ईश्वर हैं और वे भगवान जीवमात्र के परम सुहृदय होने के कारण मेरे भी परम सुहृदय हैं। यह जानते ही उसे शांति मिल जाती है। उसे निश्चय हो जाता है कि अब मैं सब प्रकार से सुरक्षित और पूर्ण काम हो गया। जब सर्वशक्तिमान भगवान मेरे परम सुहृदय हैं, तब मुझे किसका डर और किस बात का अभाव। ऐसी अवस्था में वह सब प्रकार से भगवान पर निर्भर करके निश्चिंत और शांतचित्त हो जाता है। इसी प्रकार सकाम भक्तों में तीन तरह के भक्त माने गये हैं– अर्थार्थी, आर्त और जिज्ञासु ('आर्त्तो जिज्ञासुरर्थार्थी')। इनमें एक तो वह है, जो किसी भी अर्थ की सिद्धि के लिए– धन, जन, मान, यश, भोग, स्वर्ग आदि की प्राप्ति के लिए भगवान को भजता है। दूसरा वह है, जो प्रारब्धवश किसी संकट में पड़कर उससे त्राण पाने के लिए भगवान की भक्ति करता है और तीसरा वह है, जो भगवान की प्राप्ति का सरल और सहज पथ जानने के लिए भगवान को याद करता है। इन तीनों सकाम भक्तों की सकाम भक्ति को भी तभी पूर्ण समझना चाहिए, जब कि वे भगवान को ही एकमात्र आश्रय मानकर उन्हीं पर निर्भर रहें। तभी उन्हें अनायास फल भी मिलता है। ध्रुव अर्थार्थी भक्त थे; वे ज्यों ही भगवान पर निर्भर हुए, त्यों ही उन्हें उनका इच्छित फल मिल गया। द्रौपदी और गजराज आर्त भक्त थे और जब तक वे दूसरों से त्राण की जरा भी आशा करते रहे, तब तक उनके संकट दूर नहीं हुए; जब एकमात्र भगवान पर निर्भर करके उनको पुकारा, तब उसी क्षण भगवान ने स्वयं प्रकट होकर उनके दुख दूर कर दिए। जिज्ञासु भक्त तो ऐसे बहुत हुए हैं, जो भगवान पर निर्भर करके भगवत प्रेरणा से भगवान के पथ पर सहज ही आरूढ़ हो गए हैं। सकाम भाव की इस निर्भरता के लिए बंदर के बच्चे से तुलना कर संत लोग बिल्ली के बच्चे का दृष्टांत दिया करते हैं। बंदर का बच्चा भूखा होने पर स्वयं कूदकर मां को पकड़ लेता है। परंतु भूखा बिल्ली का बच्चा मां की प्रतीक्षा करता हुआ अपने स्थान पर बैठा रहता है; स्वयं मां उसकी चिंता करती है और उसके पास आकर जहां ले जाना होता है, अपने मुंह से उठाकर उसे वहां ले जाती है।

अपनी कमाई का इतना हिस्सा करें दान

सनातन धर्म में पूजा-पाठ, दान-पुण्य को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसा कहा जाता है कि अगर आप किसी की मदद करते हैं, तो इससे आपके जीवन के सारे पापों का नाश हो जाता है। ऋग्वेद के अनुसार, दान करना किसी यज्ञ से कम नहीं होता है। हालांकि कई लोग आर्थिक तंगी या किसी वजह से ऐसा करने में असमर्थ होते हैं, जबकि कहा जाता है कि दान हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार करना चाहिए। ये जरूरी नहीं कि दान बहुमूल्य वस्तुओं का ही किया जाए।

बता दें, दान करने से कभी न समाप्त होने वाले फल की प्राप्ति होती है। तो आइए दान के नियमों के बारे में जानते हैं-

दसवां अंश करें दान : धार्मिक मान्यताओं के अनुसार व्यक्ति को अपनी कमाई का दसवां अंश दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अपनी कमाई का दसवां हिस्सा किसी की भी मदद में या दान-पुण्य में लगाना चाहिए, जो किसी के काम आ सके, लेकिन दान करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें कि घर में सभी को मंजूरी हो, क्योंकि बिना क्लेश का दान ही शुभ माना जाता है।

दान का सही नियम : दान करते समय मन साफ होना चाहिए।

दान अपनी इच्छा से ही होना चाहिए।

यदि गाय, ब्राह्मण या फिर किसी ऐसे व्यक्ति जिसे आपकी सहायता की जरूरत है, तो उसमें रोक-टोक किए जाने पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता कुश, जल और चावल का दान बेहद लाभकारी माना गया है।

दान करते समय हमेशा अपना चेहरा पूर्व दिशा की ओर रखें। गाय, सोना, चांदी, तिल, कन्या, हाथी, घोड़ा, वस्त्र, भूमि, विद्या, अन्न, दूध, छाता आदि का दान महादान माना जाता है।

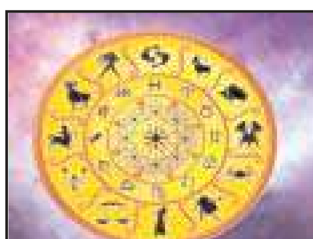

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

मंगलवार, 14 जुलाई 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ आषाढ़ मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, अमावस्या तिथौ मंगल वासरे 15/14/ पुनर्वसु नक्षत्रे 24/10/ व्याघात योग 11/57/ नाग करणे 15/14/ कर्क राशिगत चन्द्रमा 18घं. 49मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार- स्नान दान श्रद्धादि की अमावस्या।

मेष : उत्तरदायित्व कुछ खर्चीले साबित होंगे। विशेष प्रयत्नों से ही लाभ होगा। संतान के कारण परिवार में अशांति रहेगी और किसी से शत्रुता हो सकती है।

तुला : विशेष प्रकार के समाचार मिलेंगे आरै मित्रों का सहयोग भी मिलेगा। भाग्य तथा देवी आस्थाओं को श्रेय देंगे। कोष में कमी होगा।

वृष : भाग्य को नई दिशा मिलेगी। आर्थिक कष्ट की पूर्ति के लिए लॉटरी जैसे प्रयास उपयोगी हैं। अचानक लाभ संभव है।

वृश्चिक : परिवार जनों का सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहित निर्णय में टाल मटोल ठीक नहीं है। नए परिचयों के प्रति आकांक्षा रहेगी।

मिथुन : बुद्धि चतुर से उत्तम धन लाभ होगा। संयम एवं धैर्य से कार्य के होने की संभावना है। यात्रा का योग है।

धनु : गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कर्क : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद एवं लाभकारी रहेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रगति के योग बनेंगे।

मकर : जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा। धन सम्मान में वृद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन आवश्यक है ।

सिंह : पारिवारिक जीवन सुख में होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा सुख मय होगी।

कुंभ : व्यर्थ की उलझने रहेगी। यात्रा की स्थिति सुखद एवं लाभकारी होगी। व्यस्तता अधिक होगी।

कन्या : खेद और ग्लानि का वातावरण समाप्त होगा और अपनी स्थिति के अनुसार मान-सम्मान का ख्याल रखे। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा।

मीन : ज्ञान विज्ञान की वृद्धि होगी तथा कुछ बौद्धिक चिंतन पैदा होंगे। परिश्रम से ही महान कार्य सिद्ध होंगे।

ग्रहों की शांति और कष्टों से मुक्ति के लिए उत्तम साधना है व्रत

अच्छे जीवन यापन के लिए अच्छा आचरण बनाए रखना आवश्यक है तथा अच्छे आचरण को जागृत करने में नियमित एवं निरंतर व्रत एक उत्तम साधना है। व्रत-उपवास, बुरे विचार, विचलित मन, क्रोध एवं असहनशीलता को दूर करने में सहायक होते हैं, साथ ही इन्हीं व्रत-उपवास के माध्यम से मन को शांत, चित्त को निर्मल एवं एकाग्रता में वृद्धि लाई जा सकती है।

व्रत क्यों रखा जाता है?

व्रत मनोकामनापूर्ति, अपने आराध्य देव की प्रसन्नता, पर्व के अनुसार अथवा किसी विशेष दिवस अथवा तिथि पर रखा जाता है। अनिष्ट ग्रहों की पीड़ा से मुक्ति के लिए व्रत-उपवास रखने का विधान है। अपने आराध्य देवों की उपासना, उन्हें प्रसन्न करने तथा हृदय में उनकी छवि को अधिक से अधिक जागृत एवं आत्मसात करने हेतु व्रत रखा जाता है। शिवरात्रि, रामनवमी, कृष्ण जन्माष्टमी, हनुमान जयंती आदि आराध्य देव के विशेष दिन अथवा उनकी जयंती पर व्रत रखने की परम्परा अनादिकाल से चली आ रही है। सप्ताह में सात दिन होते हैं जिनके अनुसार भी व्रत रखा जाता है। करवाचौथ, दीपावली, रक्षाबन्धन, भैयादूज आदि मुख्य पर्वों एवं त्योहारों पर व्रत रखना सौभाग्य का सूचक है।

ग्रहों की शांति के लिए व्रत

कभी-कभी ग्रह-नक्षत्रों के कारण व्यक्ति के कार्यों में बाधा उत्पन्न होने लगती है, इसके लिए सबसे पहले जन्मपत्री दिखाकर यह पता लगाया जाता है कि कौन-सा ग्रह व्यक्ति के कार्य में बाधा उत्पन्न कर रहा है। बाधा उत्पन्न करने वाले ग्रह का पता चल जाने पर उस ग्रह के निमित्त उस ग्रह के वार के दिन व्रत-उपवास रखकर ग्रह की पीड़ा को सरलतापूर्वक कम किया जा सकता है।

व्रत के लाभ

व्रत रखने के एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हैं। व्रत रखने से स्वास्थ्य लाभ होता है, प्रतिदिन अन्न खाने की अपेक्षा जब सप्ताह में अथवा माह में एक दिन व्रत रखा जाता है तो उसके चलते पाचन तंत्र को आराम मिलता है, जिससे उदर, आतं एवं जिगर के विकारों से राहत मिलती है। रोग से ग्रस्त व्यक्ति यदि व्रत रख ले तो उसके शीघ्र स्वस्थ होने की संभावना बढ़ जाती है। स्वस्थ तन के साथ व्रत मन को भी सबल बनाता है, व्रत रखने से मन की अशांति, तनाव, हिंसक प्रवृत्ति एवं असहनशीलता से राहत मिलती है, व्रत व्यक्ति को विवेकशील एवं शांत चित्त बनाता है। चिकित्सकों के मतानुसार व्रत, उपवास रखने से अनेक शारीरिक और मानसिक बीमारियों में लाभ मिलता है।

व्रत का धार्मिक महत्व

व्रत, उपवास द्वारा आधिभौतिक, आध्यात्मिक एवं आधिदैविक त्रिविध कल्याण प्राप्त होता है। व्रत रखना उत्तम संस्कार का सूचक है तथा व्यक्ति में धार्मिक प्रवृत्तियों को जागृत करता है। व्रत रखने के कई दूरगामी प्रभाव व्यक्ति को निकट भविष्य में देखने को मिलते हैं। ज्यादातर स्त्रियां सोलह सोमवार, वैभव लक्ष्मी आदि व्रत मनोकामनापूर्ति के लिए रखती हैं। महाभारत केअनुशासन पर्व के अनुसार व्रत-उपवास से बढ़कर कोई तप नहीं है।

उरई सदर की एसडीएम ज्योति सिंह का तबादला

उरई (जालौन)। उरई सदर की उप जिलाधिकारी (एसडीएम) ज्योति सिंह का तबादला वाराणसी (बनारस) कर दिया गया है। शासन के आदेश के बाद उनका स्थानांतरण हुआ है। उरई से पूर्व वह कोंच तहसील में एसडीएम के पद पर तैनाती थी। ज्योति सिंह के कार्यकाल में राजस्व, कानून-व्यवस्था एवं जनसमस्याओं के निस्तारण से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए।

खबर एक नज़र

दिव्यांगजन पार्क का नपाध्यक्ष ने पार्षदों के साथ किया भव्य लोकार्पण

ललितपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा नगर के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण के संकल्प को निरंतर साकार किया जा रहा है, इसी क्रम में नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 में स्थित मां कर्माबाई पार्क में अवस्थापना निधि से 14 लाख 95 हजार रूपये की लागत से दिव्यांगजनों के लिए विशेष रूप से विकसित दिव्यांगजन पार्क का भव्य लोकार्पण नपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा एवं सम्मानित सभासदों द्वारा किया गया व नगर पालिका अध्यक्ष ने पार्क का निरीक्षण कर दिव्यांगजनों के लिए विकसित की गई सुविधाओं का अवलोकन किया एवं संबंधित अधिकारियों को पार्क की नियमित साफ-सफाई, हरियाली एवं रखरखाव के निर्देश दिए व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष श्रीमती सोनाली जैन अभिलाषा ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग है व उनके लिए सम्मानजनक एवं सुविधायुक्त सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है व कर्माबाई पार्क में विकसित दिव्यांगजन पार्क इसी सोच का परिणाम है व यह पार्क सामाजिक समरसता, समान अवसर व संवेदनशील प्रशासन का प्रतीक बनेगा व नगर पालिका परिषद विकास, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, पर्यावरण संरक्षण व जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है व नगर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, पार्कों का विकास व अन्य आधारभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जा रहा है व आने वाले समय में भी जनहित से जुड़े विकास कार्य पूरी गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ निरंतर जारी रहेंगे व नगर का विकास ही हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि मुन्नालाल जैन, अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार विश्वकर्मा, पार्षद अलोक जैन मयूर, पार्षद मुस्तफा खान, पार्षद कुंदन पाल, पार्षद प्रतिनिधि अमरदीप रजक, अवर अभियंता निधि पाण्डेय, सफाई निरीक्षक महेन्द्र सिंह यादव, निर्माण लिपिक दीपेंद्र कुमार, कर लिपिक चंद्रविनोद मिश्रा, नजूल लिपिक सुधीर रावत, लिपिक अमित पाराशर, हितेंद्र रैकवार, गैरिज प्रभारी अमित कुमार रिंकू, पार्षद जानकी प्रसाद, पार्षद रमेश श्रीवास्तव गांधी आदि मौजूद रहे।

जिला कार्यकारिणी समिति की समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

ललितपुर। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला कौशल समिति व जिला कार्यकारिणी समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन कलैक्ट्रेट सभागार में किया गया, जिसके अन्तर्गत वर्ष 2026-27 हेतु डी.एस.डी.पी. जिला कौशल विकास योजना के निर्माण हेतु सुझाव एवं जनपद में मांग के अनुरूप सेक्टरों का चयन किया गया व वर्ष 2026-27 एवं 2025-26 में राजकीय व निजी प्रशिक्षण प्रदाताओं को आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति की समीक्षा की गयी व दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत आवंटित लक्ष्यों की प्रगति एवं सेवायोजन पर चर्चा की गयी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मांग के अनुरूप सेक्टरों को प्राथमिकता पर सम्मिलित करें व समस्त प्रशिक्षण प्रदाता आवंटित लक्ष्य के सापेक्ष त्वरित कार्यवाही करते हुए लक्ष्य की पूर्ति अविलम्ब पूर्ण करें व संचालित प्रशिक्षण केन्द्रों पर संचालित पाठ्यक्रमों का नियमित निरीक्षण व अनुश्रवण किया जाना भी सुनिश्चित किया जाये। बैठक में जिला कौशल समिति, जिला कार्यकारिणी समिति के सदस्यगण, राजपाल सिंह, प्रधानाचार्य, जिला समन्वयक, कौशल विकास मिशन, आरिफ खांन, जिला कौशल प्रबन्धक, कौशल विकास मिशन, श्री शिवराम सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, रोहित यादव, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, नितीश कुमार दुबे, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर, प्रेमचन्द्र प्रजापति, कार्यालय सहायक व राजपाल सिंह प्रधानाचार्य, जिला समन्वयक द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों का बैठक में उपस्थित होने हेतु आभार व्यक्त किया गया।

रोजगार मेला का आयोजन आज

ललितपुर। मिशन निदेशक कौशल विकास मिशन लखनऊ के निर्देशों के क्रम में 15 जुलाई को आयोजित विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर 14 जुलाई को प्रातः 10 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर सिद्दन रोड में रोजगार मेला का आयोजन किया जा रहा है, अतः आज प्रातः 10 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर सिद्दन रोड में आयोजित होने वाले रोजगार मेला में देश व प्रदेश की प्रतिष्ठित लगभग 7 से 10 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है, जिनमें टेक्निकल व नॉन-टेक्निकल लगभग 500 रिक्तियां है व साक्षात्कार हेतु समस्त अभ्यार्थी कौशल विकास मिशन, डी.डी.यू.जी.के.वाई. के प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थी व सेवायोजन कार्यालय में पंजीकृत युवा, आई.टी.आई. उत्तीर्ण, दिव्यांगजन, जीरो पावर्टी के अभ्यर्थी, अन्य उपरोक्त तिथि व स्थान पर समय प्रातः 10 बजे से अधिक से अधिक संख्या में अपने समस्त अंकपत्र व प्रमाणपत्रो बायोडाटा, आधार कार्ड, मूल प्रमाण पत्र व फोटोकॉपी एक सैट, 2 फोटो सहित प्रतिभाग कर अपना सुनहरा भविष्य सुनिश्चित कर सकते है।

पूर्व राज्यसभा सांसद से अधिवक्ता रविकांत गौतम ने चैम्बर निर्माण के लिए लगाई आर्थिक सहायता की गुहार

उरई (जालौन)। जनपद न्यायालय उरई में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता रविकांत गौतम चमारी ने पूर्व राज्यसभा सांसद गंगाचरण राजपूत को प्रार्थना पत्र देकर न्यायालय परिसर में चैम्बर निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता रविकांत गौतम चमारी ने बताया कि वह जनपद न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में कार्य कर अपना जीवन यापन करते हैं। उनके पास न्यायालय परिसर में स्वयं का कोई चैम्बर नहीं है। इस कारण उन्हें रोजाना वरिष्ठ अधिवक्ताओं के चैम्बर अथवा अन्य स्थानों पर बैठकर वकालत करनी पड़ती है, जिससे कार्य करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अपना चैम्बर न होने से मुवक्किलों से मिलने, आवश्यक अभिलेख सुरक्षित रखने तथा न्यायिक कार्यों के संचालन में भी दिक्कतें आती हैं। ऐसे में यदि उन्हें चैम्बर निर्माण के लिए आर्थिक सहायता मिल जाती है तो उनके लिए वकालत करना काफी सुगम हो जाएगा। अधिवक्ता रविकांत गौतम चमारी ने पूर्व राज्यसभा सांसद गंगाचरण राजपूत से अनुरोध किया है कि जनहित एवं अधिवक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें चैम्बर निर्माण हेतु यथासंभव आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनकी मांग पर सहानुभूति पूर्वक विचार किया जाएगा।

झांसी में मुंशी से लूटे 24.90 लाख वारदात में जालौन के पुलिस कर्मी शामिल

-पुलिस लाइन उरई में पदस्थ 3 सिपाही झांसी पुलिस की हिरासत में
-झांसी एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने किया खुलासा दो सिपाहियों सहित छह को भेजा जेल
-आरोपियों के पास से 24.50 लाख रुपए एक क्रेटा कार हुए बरामद

उरई : मुंशी लूटकांड का खुलासा करती पुलिस पीछे खड़े पकड़े गये लुटेरे। ।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, उरई (जालौन)। अगर रक्षक ही लुटेरे बन जाए तो फिर कहा से होगी सुरक्षा वर्दी पहनने वाले ही लुटेरे बन जाए तो फिर आम पब्लिक कैसे करेगी अपने आपको सुरक्षित महसूस खाकी आखिर फिर हुई दागदार ऐसा ही एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है जहां वर्दीधारी ने ही एक युवक के साथ लूट कर ली पैसों की चाहत आखिर क्या कुछ नहीं करा सकती इसका जीता जागता उदाहरण आज देखने को मिल गया।

आइये पूरा मामला जानते है क्या था और कहा का था झांसी कोतवाली थाना क्षेत्र के मिनर्वा चैराहा के समीप होटल के सामने कार सवार वर्दीधारी तीन लोगों ने सूरत से आये ड्राईफ्रूट कारोबारी के मुंशी और उसके साथी को गुरुवार को जबरन अगवा कर लिया और कार में दोनों को अलग-अलग स्थानों पर घुमाते रहे। इसके उपरान्त लाखों की नगदी लूटकर उन्हें कई किलोमीटर दूर कानपुर बाईपास पर कार से उतारकर भाग गये। घटना उपरान्त मुंशी ने अपने मालिक को फोन पर जानकारी दी। मालिक के कहने पर मुंशी ने शुक्रवार को कोतवाली थाना पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने घटना की जांच की और देर रात झांसी पुलिस ने इस मामले में जालौन पुलिस लाइन में तैनात तीन सिपाहियों को हिरासत में अपने साथ झांसी ले गई और पूरे प्रकरण की गहन जांच शुरू कर दी है। गुजरात के सूरत निवासी जितेन्द्र पटेल का ड्राईफ्रूट का कारोबार है। उनका कारोबार अन्य प्रदेशों के अलावा उत्तर प्रदेश के झांसी में भी फैला है तथा वह झांसी के दुकानदारों को ड्राईफ्रूट बेचते हैं। झांसी में दुकानदारों से माल का रुपया लेने के लिए उनका मुंशी किशन पांचाल आता है। गुरूवार की शाम मुंशी किशन पांचाल अपने साथी किशन कुमार के साथ दुकानदारों से माल का रुपया 24 लाख 90 हजार लेने के बाद स्कूटी से आ रहा था सारा रुपया बैग में रखा था। जब दोनों लोग स्कूटी पर सवार होकर मिनर्वा चैराहा से होते ही सुरेश होटल के सामने पहुंचे तभी काले रंग की कार में सवार होकर आये तीन वर्दीधारियों ने उन्हें रोक लिया और दोनों को जबरन कार में बैठा लिया। इस दौरान एक वर्दीधारी उनकी स्कूटी लेकर चला गया। मुंशी किशन पांचाल ने बताया कि उक्त वर्दीधारी काफी समय उन्हें कार से अलग-अलग स्थानों पर घुमाते रहे। इसके उपरान्त रुपयों से भरा बैग छीन लिया और उन्हें कई किलोमीटर दूर कानपुर बाईपास पर छोड़कर भाग गये। इस घटना से मुंशी भयभीत हो गया। उसने सूरत फोन लगाकर अपने मालिक जितेन्द्र से बात की और घटना से अवगत कराया। मालिक के कहने पर मुंशी शुक्रवार को कोतवाली थाना पहुंचा और घटना की लिखित तहरीर दी मुंशी ने बताया कि एक वर्दीधारी की नेमप्लेट पर राजेन्द्र सिंह लिखा था। पुलिस ने घटना स्थल पहुंचकर जांच की और लोगों से जानकारी ली। जिस पर लोगों ने काली कार में तीन वर्दीधारी के आने व घटना की पुष्टि की। सूचना मिलते ही सीओ सिटी रामवीर सिंह और कोतवाली प्रभारी राजेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान संदिग्ध क्रेटा कार के फुटेज मिले जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी। जांच के दौरान जालौन पुलिस लाइन में तैनात सिपाही मनोज, राघवेंद्र और नीरज के नाम सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि तीनों सिपाही पूर्व में झांसी में तैनात रह चुके हैं और उन्हें कारोबारी के मुनीम की गतिविधियों और वसूली के संबंध में पहले से जानकारी थी। आरोप है कि तीनों बिना किसी को सूचना दिए झांसी पहुंचे और वारदात को अंजाम दिया। झांसी पुलिस ने तीनों संदिग्ध सिपाहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है जबकि मामले के अन्य पहलुओं और संभावित अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हुई है। एसपी जालौन विनय कुमार सिंह ने बताया कि झांसी में हुई घटना में तीनों सिपाहियों की संलिप्तता सामने आई है। उनके खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है तथा विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

बीडीओ की दबंगई ने डीएम के आदेश को किया बेअसरए

-आठ साल से महेवा में अडिग भगवती सोनी का रवैया भी चिंताजनक
-स्थानांतरण के 44 दिन बाद भी नहीं मिली कार्यमुक्तिए प्रशासनिक अराजकता का खुला उदाहरण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, उरई ;जालौन । जिला पंचायत राज अधिकारी ;डीपीआरओद्ध द्वारा जिलाधिकारी के अनुमोदन से ग्राम पंचायत अधिकारी ;वीपीओद्ध श्रीमती भगवती सोनी का महेवा से डकोर ब्लॉक स्थानांतरण किए जाने के 44 दिन बीत जाने के बाद भी उन्हें कार्यमुक्त न करना प्रशासनिक मनमानी की सीमा पार कर गया है। 30 मई 2026 को डीपीआरओ ने खंड विकास अधिकारी ;बीडीओद्ध महेवा को तत्काल प्रभाव से भगवती सोनी को रिलीव करने के सख्त निर्देश दिए थेए लेकिन बीडीओ अरुण कुमार सिंह ने जिलाधिकारी के आदेश की धज्जियां उड़ाते हुए कार्यमुक्ति देने से साफ इनकार कर दिया।

29 जून 2026 को डीपीआरओ ने पुनः जिलाधिकारी की मंजूरी से क्लस्टर आवंटन का आदेश जारी कर भगवती सोनी को डकोर ब्लॉक में क्लस्टर आवंटित कियाए परंतु बीडीओ की अक्खड़ता के आगे यह आदेश भी बेकार साबित हुआ। सूत्रों के अनुसारए डीएम स्तर पर भी बीडीओ को कड़ी हिदायत दी गईए फिर भी उन्होंने भगवती सोनी को रिलीव नहीं किया। यह सरकारी आदेशों की गरिमा का हनन और प्रशासनिक अनुशासन पर करारा तमाचा है।

बीडीओ की दबंगई का खुला प्रदर्शन दृ श्फील गुडश् करने का आरोप

बीडीओ अरुण कुमार सिंह पर क्षेत्र में श्फील गुडश् करने का आरोप लग रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीडीओ ने अधिकार का नशा करते हुए डीपीआरओ और डीएम के तत्काल रिलीव करने के निर्देशों को हवा में उड़ा दिया। जिलाधिकारी के आदेश को दरकिनार करना किसी भी सरकारी अधिकारी के लिए शर्मनाक हैए लेकिन बीडीओ ने इससे कोई पशोपेश नहीं दिखाई। यहां तक कि डकोर ब्लॉक में भगवती सोनी का क्लस्टर आवंटित होने के बावजूद उन्होंने न तो रिलीव किया और न ही नई तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने दिया।

भगवती सोनी का अड़ियल रवैया, 8 साल से महेवा का मोह नहीं छोड़ा

ग्राम पंचायत अधिकारी भगवती सोनी नियमानुसार अधिकतम 3 साल ;अधिकतम 5 सालद्ध ही एक ब्लॉक में सेवा दे सकती हैंए लेकिन वह महेवा ब्लॉक में 8 साल से पदस्थ हैं। इसके बावजूद उन्होंने डकोर ब्लॉक में कार्यभार ग्रहण करने से साफ इनकार कर दिया। न तो उन्होंने डकोर में योगदान आख्या दी और न ही रिलीव होने की कोशिश की। यह रवैया शासन.प्रशासन के निर्देशों को अंगूठा दिखाने के समान है। आम जनता और विभागीय कर्मचारियों में नाराजगी है कि 8 साल से एक ही ब्लॉक में रहकर उन्होंने कार्यशैली को अनुशासनहीनता का प्रतीक बना दिया है।

रिक्त क्लस्टर पर विजयरत्नम को तैनातीए फिर भी नहीं मानी बीडीओ की जिद

गौरतलब है कि भगवती सोनी के स्थानांतरण से महेवा ब्लॉक में रिक्त हुए क्लस्टर पर ग्राम पंचायत अधिकारी सुश्री विजयरत्नम को तैनात किया गया है। उन्हें देवकलीए मुस्तकिल सरसेला और कलेक्टर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके बावजूद भगवती सोनी को रिलीव न करना बीडीओ अरुण कुमार सिंह के हठधर्मी रवैये को साबित करता है। जब एक ओर रिक्त क्लस्टर पर नई तैनाती कर दी गईए तो फिर पूर्व कर्मचारी को ब्लॉक में बनाए रखने का क्या औचित्यघ् यह प्रशासनिक विसंगति और बीडीओ की दबंगई का जीता.जागता उदाहरण है।

क्या अनुशासनहीनता में कार्रवाई करेंगे जिले के अधिकारी

इस मामले में अब तक डीपीआरओ और डीएम दोनों स्पष्ट आदेश दे चुके हैंए लेकिन बीडीओ ने इसे ताक पर रखा हुआ है। विभागीय कर्मचारी और ग्रामीण इस घटनाक्रम को चिंता की वजह मान रहे हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या कोई अधिकारी जिलाधिकारी के आदेश को इतनी आसानी से नकार सकता हैघ् यदि शासन इस पर सख्त कार्रवाई नहीं करताए तो यह अन्य अधिकारियों के लिए भी गलत संदेश जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि जिला प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेते हुए बीडीओ अरुण कुमार सिंह और भगवती सोनी दोनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करेगाए अन्यथा प्रशासनिक मर्यादा का यह ह्रास गंभीर परिणामों को जन्म दे सकता

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, उरई (जालौन)। सोमवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में दूर-दराज से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने एक-एक प्रार्थना पत्र का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए।

जनसुनवाई में राजस्व, पुलिस, विद्युत, नगर निकाय, विकास, समाज कल्याण, पेयजल, सड़क, पेंशन तथा अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता आमजन को त्वरित न्याय एवं बेहतर प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसलिए अधिकारी प्रत्येक शिकायत को संवेदनशीलता के साथ लें।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मामलों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निस्तारित किया जाए तथा जिन प्रकरणों में स्थलीय जांच आवश्यक है, उनमें निर्धारित समय के भीतर जांच पूरी कर शिकायतकर्ता को नियमानुसार राहत उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही या अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

जिला पंचायत के प्रशासक पद का कार्यभार संभाला डॉ. घनश्याम अनुरागी ने

-छह माह के लिए मिली जिम्मेदारी, बोले विकास व सुशासन को रखूंगा प्राथमिकता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, उरई (जालौन)। जिला पंचायत अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शासन के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. घनश्याम अनुरागी को जिला पंचायत का प्रशासक नियुक्त किया है। डॉ. अनुरागी ने आज विधिवत रूप से प्रशासक का पदभार ग्रहण कर लिया।

अपर मुख्य अधिकारी धर्मजीत त्रिपाठी ने उन्हें कार्यभार सौंपा तथा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. अनुरागी ने कहा कि पिछले पाँच वर्षों में जनसहयोग एवं समस्त जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों के सहयोग से विकास, सुशासन, पारदर्शिता और लोकहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए गए। उन्होंने कहा आगामी छह माह में प्रशासक के रूप में पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ जनपद जालौन के सर्वांगीण विकास तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करूंगा। डॉ. अनुरागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भरोसे पर खरा उतरने का विश्वास दिलाते हुए कहा कि वह प्रशासकीय दायित्व का निर्वहन पूरी पारदर्शिता एवं जनहित की भावना से करेंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान ग्राम पंचायत टीहर में हुआ वृहद वृक्षारोपण

उरई : टीहर में वृक्षारोपण करते बीडीओ व ग्राम प्रशासक प्रदीप गौरव।

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, रामपुरा (जालौन)। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विकास खण्ड रामपुरा की ग्राम पंचायत टीहर में सोमवार को वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार ने की जबकि आयोजन का नेतृत्व ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार गौरव ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने पौधारोपण कर किया तथा उपस्थित लोगों से अपनी मां के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने और उसकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर खण्ड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उनका संरक्षण और नियमित देखभाल करना है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। ग्राम प्रधान, प्रशासक प्रदीप कुमार गौरव ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि मातृ सम्मान और प्रकृति संरक्षण का एक प्रेरणादायी संदेश है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि प्रत्येक परिवार कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी भी निभाए, जिससे ग्राम पंचायत टीहर को हराभरा और स्वच्छ बनाया जा सके। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं फलदार पौधे लगाए गए। इस दौरान खण्ड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार, ग्राम प्रधान प्रदीप कुमार गौरव, एपीओ लोकेंद्र सिंह, तकनीकी सहायता जलील बक्श सिद्दीकी, ग्राम विकास अधिकारी संजीव कुमार जोशी आदि सहित ग्रामीणों, पंचायत कर्मियों तथा अन्य उपस्थित लोगों ने भी उत्साह पूर्वक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान हरियाली बढ़ाने और पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संदेश दिया गया।

मरीजों को अनावश्यक रेफर करने का चलन पूरी तरह होगा बंद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, ललितपुर। मुख्यमंत्री की जनआरोग्य की भावना को जमीन पर उतारने व आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध जिला पुरूष व महिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया व चिकित्सकों को सेवाभाव के साथ मरीजों का उपचार करने व उन्हें बेहतर से बेहतर इलाज जिले स्तर पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिये व कहा कि जिले में मेडिकल कॉलेज बन जाने से निश्चित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है, परन्तु चिकित्सक यह सुनिश्चित करें कि मरीजों को अनावश्यक रेफर करने का चलन पूरी तरह से बंद हो और उन्हें हर सम्भव उपचार यहीं दिया जाए व निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी गर्भवती महिलाओं व नवजात शिशुओं के प्रति बेहद गंभीर दिखे व उन्होंने एस.एन.सी.यू. में भर्ती बच्चों के बारे में उपस्थित चिकित्सकों से जानकारी ली व एस.एन.सी.यू. में अग्नि निकास द्वार व अग्नि शमन यंत्र की एक्सपायरी चेक की व प्रसव कक्ष पहुंचकर भर्ती पंजिका को चेक किया, जिसमें मरीज का अंतिम परिणाम अंकित नही था, जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुये ऑन ड्यूटी स्टाफ व मुख्य चिकित्सक को निर्देश दिये कि पंजिका को पूर्ण कराते हुये लामा, रेफर, एब्सकॉर्न एवं डिस्चार्ज मरीज की जानकारी उपलब्ध करायें व जिलाधिकारी औषधि भण्डार कक्ष पहुंचे, जहां उन्होंने ऑन ड्यूटी फार्मासिस्ट से दवाईयों की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली एवं नियर एक्सपायरी पंजिका व नियर एक्सपायरी दवाईयों के बारे में जानकारी लेते हुये निर्देश दिये कि किसी भी दशा में मरीज को एक्सपायरी दवाएं न दी जाएं, अगर ऐसा हुआ तो सम्बंधित के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी व मरीजों को निःशुल्क दवाएं उपलब्ध करायी जायें व यदि बाहर की दवाएं लिखी जाती हैं तो सम्बंधित चिकित्सक की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाएगी व पी.एन.सी. वार्ड में निरीक्षण के दौरान जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र काउण्टर का निरीक्षण किया व वार्ड में भर्ती मरीजों से अस्पताल का फीडबैक लेते हुए जानकारी ली कि उनके उपचार, दवाईयों एवं चिकित्सक द्वारा समय पर देखा जा रहा है या नहीं व भोजन समय से मिल रहा है या नहीं, जिस पर समस्त मरीजों द्वारा बताया गया कि समस्त उपचार एवं चिकित्सक द्वारा समय से देखा जा रहा है व साथ ही भोजन भी समय से मिल रहा है। जिलाधिकारी ने पुरुष और महिला चिकित्सालय के सभी पंजिकाओं का अवलोकन किया, उन्होंने एफएमजी इन्टर्न, जूनियर व सीनियर चिकित्सक पंजिका, बोर्डिनियर रेजीडेंस, सीनियर रेजीडेंस, फैकल्टी अटेन्डेंट, सेनेटरी वर्कर, संविदा कर्मचारी, विलीव सोल्युसन सर्विस, पर्मानेंट स्टाफ, आउटसोर्स स्टाफ, नॉन बॉन्डेड जूनियर्स, आउटसोर्स नर्स, आउटसोर्स स्वीपर आदि पंजिकाओं का अवलोकन किया व ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित कर्मचारियों व चिकित्सकों का एक दिन का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण तलब किया व उन्होंने सी.एम.एस. व प्रिंसिपल को भी निर्देश दिये कि समय-समय पर पंजिकाओं व पत्रावलियों का परीक्षण करते रहें व उन्हें अद्यतन कराते रहें व 300 बेडेड चिकित्सालय के सामने पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया व निरीक्षण के दौरान नगर पालिका अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिये कि उक्त स्थान पर दो फेज में पार्किंग स्थल बना दें, ताकि चिकित्सालय में आने वाले मरीज व तीमारदारों को पार्किंग संबंधित असुबिधा न हो। निरीक्षण के दौरान प्रधानाचार्य डॉ. मयंक कुमार शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गजेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

ऑटो को साइड न देने को लेकर हुए विवाद में हुई मारपीट

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, जालौन (उरई)। पहाड़पुरा गांव में ऑटो को साइड न देने को लेकर हुए विवाद में मारपीट और जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम ऐदलपुर निवासी रोहित वर्मा ने पुलिस को बताया कि वह बीती नौ जुलाई की रात करीब दस बजे ऑटो से अपने गांव ऐदलपुर जा रहा था। उसके साथ आशीष गुर्जर और नरेश भी थे। जैसे ही ऑटो पहाड़पुरा गांव के पास पहुंचा। तो वहां ऑटो को साइड न देने को लेकर पहाड़पुरा निवासी सचित सक्सेना और उनके साथी सर्वेश, शिवम, विकास व अभिनव ने ऑटो को रुकवा लिया और शराब के लिए 500 रुपये मांगने लगे। मना करने पर जातिसूचक गालियां दीं और कहा कि 500 रुपये नहीं दिए तो उसे मारेंगे। इसके बाद सभी ने ऑटो से खींचकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। सचिन ने पास पड़े डंडे से रोहित के सीधे हाथ पर वार किया, जिससे गंभीर चोट आई। शोर सुनकर ऑटो में बैठे आशीष और नरेश बाहर आए तो सभी आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, जो उचित होगा कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी एनकाउंटर करने में लगी है भाजपा सरकार : राजेंद्र पाल

-कांग्रेस के प्रांतीय नेता ने साधा भाजपा सरकारों पर निशाना
-कांग्रेसियों ने प्रांतीय नेता का किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
बांदा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जातिध्जनजाति कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के प्रथम आगमन पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित के नेतृत्व में सैकड़ों वरिष्ठ कांग्रेसियों का दल बल के साथ उनकी अगवानी भूरागढ़ पहुंच कर की गई। सभी का परिचय प्राप्त कर कांग्रेसियों का काफिला रोडवेज चौराहा स्थित अम्बेडकर पार्क पहुंचा जहां पर भारत रत्न बाबा भीमराव अंबेडकर को नमन कर जिला कांग्रेस कार्यालय पहुंचाए जहां पर पहले से ही मौजूद काफी संख्या में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा गगन भेदी नारों के साथ उनका स्वागत किया गया व पीसीसी आदि शक्ति दीक्षित पूर्व प्रत्याशी विधान सभा तिंदवारी ध्अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बांदा द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

अपनी कार्यशैली के लिए चर्चित उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम पूर्व मंत्री द्वारा सर्वप्रथम अपने संबोधन में ज्ञात अज्ञात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि कांग्रेस ही वह पार्टी है जिसने आजादी के लिए संघर्ष किया हमे गर्व होना चाहिए कि हम ऐसी पार्टी के सिपाही हैंए वर्तमान में प्रदेश व देश में काबिज भाजपा सरकार दलितए ओ बी सी ए अल्पसंख्यक सहित अन्य जातियों का उत्पीड़न कर फर्जी एनकाउंटर करने में लगी है जिससे लोकतंत्र व संविधान खतरे में हैए हमे एक जुट होकर संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रत्येक दशा में अपने आप को तैयार रहना पड़ेगा साथ ही उन्होंने कहा करोड़ों हिंदुओं की आस्था का प्रतीक राम मंदिर अयोध्या में संघ व भाजपा के लोगों द्वारा करोड़ों रुपए दान चोरी का घृणित कार्य किया गयाए चुनाव आयोग की मिली भगत से वोट चोरी व बड़े पैमाने पर विधायक और सांसद की खरीद फरोख्त कर चोरी करने में लगी हैए आगे आने वाले समय में पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतर कर इस सरकार को उखाड़ फेंकने का कार्य करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने

अपने संबोधन में प्रभारी उत्तर प्रदेश को आश्वस्त किया कि जिले से लेकर बूथ तक हमारा एक एक कार्यकर्ता आप के नेतृत्व में संघर्ष के लिए तैयार है। मैं पूर्ण विश्वास दिलाता हूं कि 2027 में जनपद की चारों विधान सभा सीट व 2029 में लोकसभा सीट कांग्रेस की झोली में डालने का काम यहां के कांग्रेसी करेंगे। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य डॉ0 संजय द्विवेदी दनादन एवं मंडल अध्यक्ष सत्य प्रकाश द्विवेदी एड0 ने प्रभारी को मांग पत्र सौंपते हुए पुरजोर मांग की गई कि उत्तराखंडध्मध्य प्रदेश की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार का प्रकोष्ठ का गठन किया जाए। उन्होंने कहा कि इस विषय में मैं व्यक्तिगत रुचि लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व को बतलाने का कार्य करूंगा।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी की समीक्षा बैठक में पूर्व विधायक शिरोमणि भाईए पूर्व जिलाध्यक्ष साकेत बिहारी मिश्राए युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव आकाश दीक्षितए कार्यालय प्रभारी शिवबली सिंहए एआईसीसी सदस्य रमेश चन्द्र कोरीए प्रद्युम्न कुमार लालू दुबेए पीसीसी सदस्य आदिशक्ति दीक्षितए पवन देवी कोरीए भगवानदीन गर्गए गजेन्द्र सिंह पटेलए धर्मेश कुमार सिंहए आदित्य स्वरूप पांडेयए महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सीमा खान एडवोकेटए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदित्य कुमार सिंह एडवोकेटए पूर्व महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमन शुक्लाए जिला उपाध्यक्षध्संगठन प्रभारी संकटा प्रसाद त्रिपाठीए मोहम्मद इदरीश भाईए द्वारिकेश सिंह यादव मंडेला एडवोकेटए बल्देव वर्मा एडवोकेटए सूरज बाजपेईए शोएब रिजवीए जितेन्द्र गौरवए अमित तिवारीए कालीचरण निगमए बाबूराम निषादए जगदीश गुप्ता विक्कीए राजेन्द्र गर्ग राजा नातीए जिला सचिव बाबूराम यादवए हेमन्त कुमार वर्माए अम्बिका प्रसाद खेंगरए भइयालाल पटेलए कालीचरण साहूए सीमा बाबीए जिला कंट्रोल रूम प्रभारी बी लाल भाईए बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदीए ब्लॉक अध्यक्ष शिवाकांत मिश्राए शक्तिप्रताप सिंहए जयकरण सिंह राजपूतए भागवत प्रसाद द्विवेदीए अशोक कुमार सिंह चौहान एडवोकेटए उमाशंकर अग्रहरि राजन साहिलए रामनारायण प्रजापतिए अबू हुरैराए अजय शुक्लाए आशुतोष द्विवेदीए रमेश साहूए कैलाशनाथ बाजपेईए संजय गुप्ताए कल्लू जाटवए सुनील चौरसिया पिप्पीए श्रीप्रकाश शुक्लाए जिला प्रवक्ता राममिलन सिंह पटेल एडवोकेटए राजेश कुमार गुप्ताए व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रमेश चन्द्र गुप्ताए इरफान खान सभासदए आरिफ निजामीए ईशू फैज खानए कृपाशंकर सोनीए अंकित साहूए धीरेन्द्र पांडेय धीरूए धीरेन्द्र पटेलए के पी सेनए अशोक वर्धन कर्णए राजबहादुर गुप्ताए भागवत भाईए अशोक चौहानए शब्बीर सौदागरए रफत खान गोगाए मंडल अध्यक्ष रज्जाक भाईए गरिमा एडवोकेटए शोभा वती एडवोकेटए रामनरेश मिश्राए टिल्लू गुप्ताए राममनोहर वर्माए शिवबरन सहित सैकड़ों कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

पेयजल आपूर्ति एवं जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें : जिलाधिकारी

- जलभराव किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं
-नगर निकायों के विकास कार्यो की जिलाधिकारी ने की गहन समीक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, बांदा। जिलाधिकारी बांदा अमित आसेरी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नगर निकायों द्वारा संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं जनहितकारी कार्यो की व्यापक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि आमजन को मूलभूत नागरिक सुविधाएं समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

बैठक मेंयोजनाओं एवं कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिनमें वंदन योजनाए आकांक्षी नगर योजनाएमुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजनाए नगरीय झीलए तालाब एवं पोखर संरक्षण योजनाए सीवरेज एवं जल निकासी योजनाए पेयजल व्यवस्था योजनाए अमृत 2००ए पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजनाए पंडित दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर विकास योजनाए कान्हा गौशालाए स्वच्छ भारत मिशन ;शहरीद्धए स्वच्छ भारत मिशन 2००ए उपवन योजनाए अंत्येष्टि स्थल विकास योजनाए 15वां वित्त आयोग ;टाइड एवं अनटाइडद्धए गृहकर एवं जलकर वसूली की प्रगति योजना जिलाधिकारी ने समीक्षा करते हुए प्रमुख निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्रों में किसी भी स्थिति में जलभराव न होने पाए। जहां जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं हैए वहां तात्कालिक कार्ययोजना बनाकर समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए। यदि किसी क्षेत्र में जलभराव के कारण नागरिकों के घरों में पानी भरता है और उन्हें समस्या होती हैएतो संबंधित अधिशासी अधिकारियों के उत्तरदायित्व तय किया जाएगा।सभी अधिशासी अधिकारी अपने.अपने नगर निकायों का स्थलीय निरीक्षण कर जल निकासी व्यवस्था का सत्यापन करें।जिन वार्डो में पेयजल आपूर्ति बाधित अथवा अपर्याप्त हैए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराया जाए।नागरिकों को पेयजल एवं सफाई व्यवस्था से संबंधित किसी प्रकार की असुविधा न होए इसके लिए निरंतर मॉनिटरिंग एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। विकास के साथ साथ योजनाओं के कार्यों में गुणवत्ताए पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।कर एवं जलकर वसूली में प्रगति लाते हुए नगर निकायों की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी श्री अमित आसेरी ने कहा कि नगर निकायों का उद्देश्य केवल विकास कार्य कराना नहींए बल्कि नागरिकों को बेहतर शहरी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक योजना की नियमित समीक्षा करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप कार्यो को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए तथा जनसमस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। प्रभारी अधिकारी नगरी निकाय माया शंकर यादव अपर जिलाधिकारी न्यायिक उपस्थित रहे।

खबर एक नज़र

चार पहिया बाहन ने बाइक सवार लोगों को कुचला दो की मौत, एक गंभीर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो नरैनी बांदा। कामतानाथ दर्शन के लिए बाइक से जा रहे तीन लोगो को चार पहिया वाहन ने रौंदा।दो लोगों की मौके पर मौत हो गई।एक गंभीर घायल व्यक्ति को स्वास्थ केंद्र तत्काल मेडिकल कालेज इलाज के लिए भेजा गया। आप सभी को ज्ञात हो की

कोतवाली क्षेत्र स्थित पड़मई गांव के स्कॉर्पियों गाड़ी ने बाइक सवारों को पीछे से जोरदार टक्कर मारी इस दौरान मध्यप्रदेश के चदला थाना क्षेत्र के छठी बभौरी निवासी शत्रुघ्न गुप्ता 45 वर्ष पुत्र तुलाराम गुप्ताएहल्कू त्रिवेदी 62 वर्ष पुत्र नवल किशोर त्रिवेदीएऔर राम नारायण गुप्ता 60 वर्ष पुत्र सीताराम गुप्ता सभी तीनों प्लेटिना गाड़ी में सवार हो कामतानाथ परिक्रमा के लिए जा रहे थे।जोरदार टक्कर से घटना स्थल पर दो लोग जिसमें शत्रुघ्न गुप्ता और साथ में सवार हल्कू त्रिवेदी की मौके पर मौत हो गई इन्हीं के साथ बैठे रामनारायण बुरी तरह घायल हो गया।सूचना पाकर मौके पर पहुंचे क्राइम इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह ने घायल को तत्काल अपनी गाड़ी से स्वास्थ भेजा जहा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।वही दोनों मृतकों का पुलिस ने पंच नामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घटना के बारे में क्राइम इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह ने बताया कि स्कॉर्पियो गाड़ी को चालक सहित पकड़ लिया गया है।साथ ही घटना में मृत हुए लोगों के परिजनों को घटनाक्रम की सूचना दे दी गई है। पुलिस द्वारा आगे की कार्यवाही शुरू है।

पर्यटन विकास परियोजना पर सख्त डीएम, अक्टूबर तक पूरा करने के दिए आदेश

चित्रकूट । जिलाधिकारी ने सोमवार को कोठी तालाब पर पर्यटन विभाग द्वारा कराए जा रहे सौंदर्यीकरण एवं पर्यटन विकास परियोजना के निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। यूपी प्रोजेक्ट्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड इकाई-13 बांदा द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना की स्वीकृत लागत 226.73 लाख रुपये है, जिसमें अब तक करीब 72 लाख रुपये खर्च होकर 42 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है ।

परियोजना के तहत कैफेटेरिया ब्लॉक, बैटरी संचालित नौका, स्टोरेज ब्लॉक, फूड कोर्ट, तालाब में एरेटर की स्थापना, स्ट्रीट लाइट, साइनेज, विद्युतीकरण और लैंडस्केपिंग का काम चल रहा है। डीएम ने कार्यों की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए कार्यदायी संस्था को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी काम अक्टूबर 2026 तक हर हाल में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने रिटेनिंग वॉल का काम प्राथमिकता पर करने, पूर्व निर्मित सीढ़ियों की मरम्मत कर उन्हें मजबूत करने और बाउंड्री वॉल पर ऑयल पेंट से पेंटिंग कराने के निर्देश दिए, ताकि बरसात में गुणवत्ता बरकरार रहे। डीएम ने विशेष रूप से हिदायत दी कि कैफेटेरिया का निर्माण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ही किया जाए, ताकि स्थल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक गरिमा प्रभावित न हो। उन्होंने कैफेटेरिया को चारों ओर से खुला रखने और छत को मजबूत बनाने के भी आदेश दिए। साफ कहा कि गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता बर्दाश्त नहीं होगा। कार्य में तेजी लाने के लिए मजदूरों की संख्या और संसाधन बढ़ाने को कहा। चेतावनी दी कि 15 दिन बाद वे फिर से परियोजना का निरीक्षण करेंगे और तब तक कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दिखनी चाहिए।

नथिंग फोन 4बी की बिक्री शुरू

कानपुर। लंदन स्थित कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड नथिंग ने अपने नए बी सीरीज़ के पहले स्मार्टफोन फोन 4बी की बिक्री शुरू होने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि नथिंग इकोसिस्टम का अनुभव लेने का यह सबसे किफायती तरीका है। 8जीबी-128जीबी वेरिएंट की प्रभावी शुरुआती कीमत 29,9 रुपये और 8जीबी-256जीबी वेरिएंट की 33,699 रुपये रखी गई है। इन कीमतों में 7.5 प्रतिशत इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट और एक्सचेंज बोनस शामिल हैं। फोन 4बी की बिक्री 14 जुलाई से फ्लिपकार्ट और प्रमुख रिटेल पार्टनर्स जैसे क्रोमा, रिलायंस डिजिटल और विजय सेल्स के स्टोर्स पर शुरू होगी। फोन सीरीज़ की कामयाबी को आगे बढ़ाते हुए फोन 4बी में नथिंग का सिग्नेचर पारदर्शी डिज़ाइन और ग्लिफइंटरफेस दिया गया है। इसके साथ दमदार स्नैपड्रैगन परफॉर्मेंस, हर तरह की ज़रूरतों के लिए मुफीद कैमरा सिस्टम, शानदार एमोलेड डिस्प्ले और एसेंशियल एआई टूल्स के साथ पूरा नथिंग ओएस एक्सपीरियंस मिलता है।

'मिट्टी के मानुष' एडीजीपी राजाबाबू सिंह ने बुंदेलखंड में छेड़ी हरियाली की मुहिम

- बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री से की मुलाकात, पर्यावरण संरक्षण पर हुआ मंथन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, चित्रकूट। बांदा जिले के मूल निवासी और वर्तमान में मध्य प्रदेश पुलिस में रेलवे के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) राजाबाबू सिंह इन दिनों उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड इलाके में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष मुहिम चला रहे हैं। उनकी यह पहल पूरे बुंदेलखंड में हरियाली और पौधरोपण के प्रति नई ऊर्जा भर रही है। अपने प्रकृति प्रेम और सामाजिक कार्यों के चलते क्षेत्र में 'मिट्टी के मानुष' के नाम से प्रसिद्ध एडीजीपी राजाबाबू सिंह लंबे समय से जल-जंगल और जमीन के संरक्षण की दिशा में सक्रिय हैं। इसी क्रम में उन्होंने हाल ही में चित्रकूट जनपद के रसिन गांव के समाजसेवी संतोष सिंह के साथ बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से मुलाकात की। इस दौरान बुंदेलखंड में पौधरोपण अभियान को जन आंदोलन का रूप देने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि आम जनमानस, विशेषकर युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही धार्मिक और सामाजिक मंचों का उपयोग कर लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल के लिए प्रेरित किया जाएगा। एडीजीपी की यह पहल क्षेत्रीय युवाओं और सामाजिक संगठनों को साथ लेकर आगे बढ़ेगी। पर्यावरणविदों का मानना है कि बुंदेलखंड जैसे सूखे और तापमान से प्रभावित क्षेत्र में इस तरह की मुहिम जल संरक्षण, तापमान नियंत्रण और जैव विविधता के लिए मील का पत्थर साबित हो सकती है।

तालाब नहाने गई दो लड़किया पानी में डूबने से हुई मृत्यु

स्वतंत्र भारत ब्यूरो बिसंडा बांदा। आज दिन सोमवार को दोपहर में दो लड़कियां गांव में बने तालाब नहाने के लिए गई थी गहरे पानी में जाने के कारण दोनों लड़कियां पानी में डूब गई जिससे दोनों की मृत्यु हो गई। जब इस बारे में परिजनों को जानकारी हुई तो वह लोग किसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतर्रा लेकर के आए मगर उपस्थित डॉक्टर ने देखते ही मृत्यु घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार तहसील अतर्रा क्षेत्र के अंतर्गत एवं थाना बिसंडा के ग्राम सभा हस्तम निवासी राधिका पुत्री श्रवण वर्मा उम्र लगभग 7 वर्ष तथा अंशिका पुत्री शिव शंकर वर्मा निवासी ग्राम सभा दिवली थाना नरैनी उम्र लगभग नव वर्ष यह दोनों एक साथ गांव में बने तालाब में नहाने के लिए गई थी गहरे पानी में जाने के कारण दोनों की पानी में डूब कर मौत हो गई। परिजनों में शोक की लहर छा गई। थाना अध्यक्ष बिसंडा ने बताया कि दोनों का पंचनामा करवा कर पोस्टमार्टम के लिए बांदा मेडिकल भेजा जा रहा है।

डीएम ने किया अटल पार्क की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने सोमवार को अटल पार्क का औचक निरीक्षण किया। यहां डीएम ने सफाई व्यवस्था चरमराई मिलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने आउटसोर्सिंग के जरिए तैनात सफाई कर्मचारियों का 10 दिन का वेतन रोकने और स्थायी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए ।

जिलाधिकारी सबसे पहले नगर पालिका परिषद कर्वी के कोठी तालाब स्थित अटल पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और रखरखाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सफाई की स्थिति संतोषजनक न मिलने पर डीएम आग बबूला हो गए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी (ईओ) नगर पालिका को निर्देश दिए कि आउटसोर्सिंग कर्मियों का 10 दिन का वेतन तत्काल रोका जाए और

लापरवाह स्थायी कर्मचारी पर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम ने पार्क में क्षतिग्रस्त झूलों की तत्काल मरम्मत कराने, सुरक्षा को चाक-चैबंद करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाने और सैनिक कल्याण निगम के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों को सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात करने के निर्देश दिए। कहा कि अटल पार्क नगरवासियों और पर्यटकों के लिए महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल है। इसकी स्वच्छता, सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के मानक उच्च स्तर के होने चाहिए। डीएम ने ईओ को सभी कमियों का निराकरण पांच दिनों के भीतर पूरा कराने के आदेश दिए। इस मौके पर नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी लालजी यादव सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

बागै नदी का पुल जर्जर हालत में हुआ व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को दिया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, अतर्रा ;बांदा । भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बदौसा एवं अतर्रा नगर इकाई के पदाधिकारियों ने बदौसा के पास नेशनल हाईवे.35 पर बागेन नदी स्थित जर्जर पुल के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार अतर्रा को सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि बागेन नदी पर बना पुल अत्यंत जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है। बरसात के दौरान पुल के स्लैब से कंक्रीट झड़ रही है तथा रेलिंग भी कई बार क्षतिग्रस्त हो चुकी है। यह पुल नेशनल हाईवे.35 पर स्थित होने के कारण प्रतिदिन रात दिन हजारों राहगीरोंए स्कूली वाहनों एवं भारी वाहनों का आवागमन होता है। यदि समय रहते पुल का पुनर्निर्माण नहीं कराया गया तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जर्जर पुल का तकनीकी निरीक्षण कराकर तत्काल पुनर्निर्माण की स्वीकृति प्रदान की जाए तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएंए जिससे जन.धन की हानि से बचा जा सके। इस अवसर पर भारतीय उद्योग व्यापार मंडल अतर्रा के प्रदेश युवा महामंत्री राजेश गुप्ताए शिव प्रसाद उर्फ शिवा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बदौसा के नगर अध्यक्ष विजय यादवएवरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र खटीकए उपाध्यक्ष रामजस निषादए उपाध्यक्ष विनोद गांधीए उपाध्यक्ष रज्जू वर्मा एवं उपाध्यक्ष सत्यम तिवारी भी मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने तहसीलदार अतर्रा नरेंद्र कुमार यादव को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपकर पुल के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग की ।

मां के नाम लगाया पौधा, हरियाली और इंसानियत का दिया संदेश

. तहरीक.ए.इंसानियत ने कब्रिस्तान में लगाए छायादार व फलदार पौधे
. श्रमदान कर झाड़.झांखड़ हटाकर परिसर किया साफ
. परवान चढ़ रहा तहरीक का एक पेड़ मां के नाम अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,
बांदा। पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के उद्देश्य से तहरीक.ए.इंसानियत द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत रविवार को कच्चा तालाब स्थित कब्रिस्तान परिसर में पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया।
अभियान के दौरान सड़क के दोनों ओर स्थित कब्रिस्तान में आमए अमरूदए नीमए आंवलाए नींबू और गुड़हल सहित विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। साथ ही परिसर में उगी बबूलए कांटेदार झाड़ियां और अन्य अवांछित वनस्पतियों को हटाकर व्यापक साफ.सफाई कराई गई। अभियान में शामिल लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प भी लिया। तहरीक.ए.इंसानियत के संस्थापक एवं वरिष्ठ पत्रकार इमरान अली ने कहा कि श्एक पेड़ माँ के नामश् अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहींए बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान में प्रकृति से जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएँ और उसकी देखभाल कर उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखें। इस अवसर पर कब्रिस्तान कमेटी के उपाध्यक्ष वसीम अलीए समाजसेवी फिरोज खानए रेहान खानए समीर खानए फराज खानए अली खानए शफीक मंसूरी सहित अनेक लोगों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया।

वृक्षारोपण महायज्ञ के दौरान धार्मिक स्थल तथा खाली पड़ी भूमि में किया गया वृक्षारोपण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, महोबा । पृथ्वी को हरा भरा करने के लिए प्रदेश सरकार के अथक प्रयासों से वृक्षारोपण महायज्ञ.2026 के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम। का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश स्तर पर चलाये जा रहे 35०० करोड़ पौधरोपण के अन्तर्गत जनपद महोबा में जिला स्तरीय वृक्षारोपण के कार्यक्रम के अवसर पर गोरखगिरी पहाड़ी नागदेवता मन्दिर के पास किया गया। जनपद हेतु नामित दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री जीत सिंह खरवारए उपाध्यक्षए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोगए उ0प्र0ए लखनऊ द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। देबाषीश जेनाए प्रभागीय वनाधिकारीए द्वारा बताया गया कि जिले में वर्ष 2026.27 में कुल 7683800 पौधों के रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया हैए जिसमें 05 जूनए 2026 को वन विभाग द्वारा 161000 एवं अन्य विभाग द्वारा 541000 कुल 702000 पौधों का रोपण किया गया तथा वृक्षारोपण महायज्ञ के अवसर पर कुल 6981800 पौधों का रोपण किया जा रहा हैए जिसमें वन विभाग द्वारा 3931000 एवं अन्य विभागों द्वारा 3050800 पौधों का रोपण किया जा रहा है। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा 1622109 पौध रोपणए जिसके अन्तर्गत राजस्व विभाग का लक्ष्य 126000 एवं पंचायतीराज विभाग का लक्ष्य 154000 समाहित है। उक्त लक्ष्य 35 करोड़ पौधरोपण के कार्य पूर्ण किया जाना है। मुख्य विकास अधिकारीए द्वारा अवगत कराया गया कि जिलाधिकारीए के निर्देशानुसार जनपद की बड़ी ग्राम पंचायतों के कुल 10 वृक्षारोपण स्थलों एवं अन्य वृक्षारोपण कार्यदायी विभागों के 15 स्थलों पर वृहद वृक्षारोपण की पृथक से कार्य योजना तैयार कर ली गई है उस क्षेत्र की समुचित सुरक्षा व्यस्था करते हुये वृक्षारोपण कराया जा रहा है। वन विभाग द्वारा ऐसे क्षेत्रों का चयन किया गया हैए जिसमें घनवत्व 0५5 प्रतिषत से कम है या ऐसे क्षेत्र में जिनका हरियाली घनत्व 0५4 प्रतिषत हैए जिसमें वृक्षारोपण करके वनावरण बढ़ाया जाता है। अन्य विभागों द्वारा जनपद की 273 ग्राम पंचायतों एवं 05 नगर पालिकाध्नगर पंचायत के कुल 2101 छोटे बड़े स्थलोंध्पैचों का चयन किया गया है। कार्यक्रम के दौरान जीरो पावर्टीए मुख्यमंत्री आवास योजना.ग्रामीण तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को सहजन की पौध का वितरण किया गया। वृक्षारोपण महायज्ञ कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण के क्षेत्र में सराहनीय योगदान हेतु किसान भाईयोंए ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधानगणों को सम्मानित भी किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में संजय कुमार खत्रीए ;आई0ए0एस0द्धए सी0ई0ओ0ए बीडानोडल अधिकारी वृक्षारोपण महाअभियानए राकेश गोस्वामीए विधायक सदरए ए जितेन्द्र सिंह सेंगरए विधान परिषद सदस्य महोबा.हमीरपुरए जे0पी0 अनुरागीए जिला पंचायत अध्यक्षए मोहन लाल कुषवाहाए जिला अध्यक्षए भा0ज0पा0एए गजल भारद्वाजए जिलाधिकारीए षषांक सिंहए पुलिस अधीक्षकए देबाषीश जेनाए प्रभागीय वनाधिकारीए विमल सिंहए उप प्रभागीय वनाधिकारीए एवं वन क्षेत्र अधिकारी राजू श्रीवास विनोद कुमार श्री राम निरंजन जितेंद्र कुमार ए के अलावा वन विभाग कर्मचारी स्कूली छात्र छात्राओंए समाजसेवी प्रतिनिधि औरए आमजनमानस ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में भागीदारी निभाई

डीएम कॉलोनी में पांच दिनों से गंदे पानी की सप्लाई

संक्रमण का खतरा बढ़ाए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

बाँदा। शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित डीएम कॉलोनी ;जीआईसी हॉस्टल के पीछेद्ध में पिछले पाँच दिनों से नलों में गंदा एवं मटमैला पानी आने से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। दूषित पानी की आपूर्ति के कारण क्षेत्रवासियों को पीने के पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा हैए वहीं बच्चोंए बुजुर्गों और अन्य लोगों में जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है।
स्थानीय निवासियों का कहना है कि कई दिनों से नलों से बदबूदार और गंदा पानी आ रहा हैए जो पीने तो दूरए घरेलू उपयोग के लिए भी उपयुक्त नहीं है। इसके बावजूद अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों को मजबूरी में बोतलबंद पानी खरीदना पड़ रहा है या अन्य स्थानों से स्वच्छ पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। क्षेत्रवासियों का मानना है कि पेयजल पाइपलाइन में रिसाव अथवा सीवर लाइन का पानी मिलने से यह समस्या उत्पन्न हुई है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो क्षेत्र में डायरियाए टाइफाइड और अन्य जलजनित बीमारियाँ फैलने का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारीए जल संस्थान एवं नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराकर पाइपलाइन की मरम्मत कराई जाएए पानी की गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा शीघ्र स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि स्वच्छ पेयजल प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार है। प्रशासन को जनहित को प्राथमिकता देते हुए इस गंभीर समस्या का तत्काल समाधान करना चाहिएए ताकि लोगों को राहत मिल सके और किसी भी संभावित स्वास्थ्य संकट से बचा जा सके।

फतेहपुर समाचार

पेड़ से गिरकर युवक की मौत

फ़तेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सहनीपुर में सोमवार की सुबह एक दुखद हादसा हुआ, जहां 42 वर्षीय अरुण कुमार पुत्र स्वर्गीय रामदेव पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहे थे। इसी बीच पेड़ पर मौजूद बंदरों के झुंड ने उन पर झपट्टा मार दिया, जिससे डरकर वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें तत्काल जिला चिकित्सालय ले गए, जहां आपातकालीन वार्ड में तैनात चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उन्हें मृत घोषित कर दिया।

– मोबाइल कोर्ट में दिव्यांगजनों की समस्याओं की हुई त्वरित सुनवाई

मौके पर ही जारी किए गए प्रमाण पत्र और वितरित की गईं ट्राईसाइकिलें

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। दिव्यांगजनों को शासकीय कल्याणकारी योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने और उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को विकास भवन सभागार में राज्य आयुक्त दिव्यांगजन हिमांशू झा की अध्यक्षता में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। इस शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे दिव्यांगजनों ने अपनी समस्याओं को पटल पर रखा, जिन पर राज्य आयुक्त ने तत्काल सुनवाई करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। मोबाइल कोर्ट के दौरान दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, राशन कार्ड, आवास, आयुष्मान कार्ड और कृत्रिम अंग-सहायक उपकरणों से जुड़े कुल 70 मामलों की गहनता से सुनवाई की गई।

राज्य आयुक्त ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल किया जाए और सप्ताह में दो दिन यूडीआईडी प्रमाण पत्र जारी करने की मुकम्मल व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही, पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्र बनाने और मेडिकल बोर्ड में तीन वर्ष से अधिक समय से जमे चिकित्सकों को हटाने के निर्देश दिए गए। शिविर में मौके पर ही कई दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र जारी किए गए और विकास खंड स्तर पर लंबित आवास आवेदनों के त्वरित सत्यापन के निर्देश परियोजना निदेशक को दिए गए। कार्यक्रम में 15 दिव्यांग बच्चों को एमआर किट तथा 20 लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल वितरित की गईं, जिससे उनके चेहरों पर खुशी लौट आई। मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना ने राज्य आयुक्त को आश्वस्त किया कि सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

बिजली समस्याओं का त्वरित समाधान करें अधिकारी- सांसद

जिला विद्युत समिति की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने उठाए जनसमस्याओं के मुद्दे

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला विद्युत समिति की बैठक सांसद नरेश चंद्र उत्तम पटेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित विद्युत परियोजनाओं और विकासात्मक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को आ रही बिजली आपूर्ति की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया, जिस पर सांसद ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को सभी शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

बैठक में सदर विधायक चंद्र प्रकाश लोधी, बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी तथा हुसैनगंज विधायक ऊषा मौर्य ने अपने-अपने क्षेत्रों में कम वोल्टेज, जर्जर तारों और अघोषित कटौती का मुद्दा उठाते हुए उनके शीघ्र स्थायी समाधान की मांग की। इसी क्रम में विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता ने किसानों और निजी नलकूप संचालकों को अपने ट्यूबवेल पर मोटर की क्षमता के अनुरूप कैपेसिटर बैंक लगाने की तकनीकी सलाह दी। उन्होंने बताया कि इससे लो-वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी, मोटरों के जलने तथा बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की आशंका कम होगी और सिंचाई व्यवस्था अधिक सुचारू व ऊर्जा-दक्ष बनेगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला प्रशासन की ओर से जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स सहित विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता, उपखंड अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में वर्ष 2023-24 से लेकर 2026-27 तक के बिजनेस प्लान, आरडीएसएस और यूएचएचयोजनाओं की अद्यतन प्रगति से सभी को अवगत कराया गया।

खबर एक नज़र

भाजपा मंडल देवमई की बैठक, एक पेड़ मां के नाम अभियान पर दिया जोर

चैडगरा (फतेहपुर)। भारतीय जनता पार्टी मंडल देवमई के अंतर्गत गंगचैली, रसूलपुर एवं शादीपुर शक्ति केंद्रों की बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से मौजूद मंडल प्रभारी बलराम सिंह चैहान ने आगामी संगठनात्मक कार्यों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और सभी कार्यकर्ताओं को पार्टी की आगामी गतिविधियों से अवगत कराया।
इस दौरान उन्होंने पार्टी द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान पर विशेष जोर देते हुए कहा कि वृक्ष धरा के आभूषण हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए इन्हें लगाना हम सबका परम दायित्व है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण शुक्ला, भारत सिंह चैहान, अरविंद पांडे, राजू सिंह, धर्मपाल सिंह और जगदीश पाल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गैंगस्टर वांछित आरोपी गाजीपुर-बिंदकी मार्ग से गिरफ्तार

फ़तेहपुर। बकेवर थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गैंगस्टर एक्ट में लंबे समय से वांछित चल रहे एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी बिंदकी के पर्यवेक्षण में उपनिरीक्षक मो. नौशाद, हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार सिंह, कांस्टेबल धर्मेंद्र व नरेंद्र सिंह की टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर आरोपी अंशू गुप्ता (पुत्र स्व. सत्यनारायण गुप्ता, निवासी औरंगाबाद, थाना जहानाबाद) को शकूराबाद तिराहे के पास से घेराबंदी कर दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और उसके विरुद्ध चोरी तथा आपराधिक धमकी सहित कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने विधिक औपचारिकताएं पूरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

नरैनी सहकारी समिति में खाद की किल्लत से किसान परेशान

फ़तेहपुर। खागा तहसील के अंतर्गत विजयीपुर ब्लॉक की नरैनी सहकारी समिति में इन दिनों खाद की भारी किल्लत के चलते क्षेत्रीय किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कृषि कार्य के इस अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर फसलों के लिए यूरिया और डीएपी खाद की सख्त जरूरत है, लेकिन समिति के बार-बार चक्कर काटने के बाद भी किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। सुबह से ही लंबी कतारों में खड़े होने के बाद खाद न मिलने से निराश होकर लौट रहे किसानों में विभाग के प्रति भारी आक्रोश है। किसानों ने कृषि कार्य प्रभावित होने की शिकायत खंड विकास अधिकारी से करते हुए नरैनी सोसाइटी में तत्काल पर्याप्त मात्रा में खाद की खेप उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि फसलों की बुआई और पैदावार पर कोई विपरीत असर न पड़े।

खागा में उत्कृष्ट विधि सेवा के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मानित

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। न्याय व्यवस्था को लगातार चार दशकों तक अपनी बहुमूल्य सेवाएं देने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं के सम्मान में सोमवार को खागा तहसील सभागार में बार एसोसिएशन द्वारा एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता और महासचिव मलखान यादव के कुशल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में 40 वर्षों से निरंतर विधि व्यवसाय में सक्रिय लगभग 50 वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अंगवस्त्र और पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी अभिनीत कुमार और विशिष्ट अतिथि तहसीलदार शैल कुमारी रहीं।
सम्मान समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश चंद्र त्रिपाठी के अभिनंदन से हुआ, जिसके बाद प्रताप सिंह, आनंद मोहन त्रिपाठी, एनुलहक, रामलखन बाजपेयी, पुष्प नारायण सिंह, केशव चंद्र मिश्रा, महेंद्र राज सिंह, अनिल कुमार सिंह और वीरेंद्र सिंह तोमर सहित आधा सैकड़ा वरिष्ठ विधिवेत्ताओं का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि एसडीएम अभिनीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं का लंबा अनुभव और कानूनी ज्ञान न्याय प्रणाली की सबसे बड़ी पूंजी है, जिससे युवा पीढ़ी को कार्यशैली, व्यावसायिक नैतिकता और न्याय के प्रति समर्पण की प्रेरणा लेनी चाहिए।

व्यापार मंडल ने क्षेत्रीय विकास और जनहित को लेकर सांसद को सौंपा मांग पत्र

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। खागा रेलवे स्टेशन पर प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की पुरानी मांग एक बार फिर तेज हो गई है। सोमवार को व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष शिवचंद्र शुक्ल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नवनिर्वाचित सांसद नरेश उत्तम पटेल से मुलाकात की और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का तर्क है कि यदि खागा जैसे महत्वपूर्ण स्टेशन पर प्रमुख ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित होता है, तो इससे न केवल स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को संबल मिलेगा, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।
प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए सांसद नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि हाल ही में प्रयागराज में आयोजित रेलवे की उच्च स्तरीय बैठक में उन्होंने खागा रेलवे स्टेशन पर कई नई ट्रेनों के ठहराव का आधिकारिक प्रस्ताव रखा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने रेल प्रशासन से खागा, फ़तेहपुर और बिंदकी स्टेशनों पर ट्रेनों के वर्तमान दो मिनट के स्टॉपेज को बढ़ाकर पांच मिनट करने की भी पुरजोर वकालत की है। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेंद्र सिंह पटेल, जितेंद्र सिंह यादव उर्फ सोनू, अनुपम शुक्ल, राजीव सिंह और साधु सिंह सहित व्यापार मंडल के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बीमारी से तंग आकर युवक ने खाया जहर, मौत

फ़तेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के ग्राम प्रेम नगर (मूल निवासी प्रयागदासपुर मजरे पैजापुर, थाना हथगाम) में बीमारी और अत्यधिक शराब पीने की लत से परेशान 45 वर्षीय उदयभान सिंह पुत्र कुंजल सिंह ने शराब में जहरीला पदार्थ मिलाकर पी लिया। हालत बिगड़ने पर जब परिजन उन्हें अस्पताल ले जा रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, जिसकी पुष्टि मृतक के बड़े भाई सूर्यभान ने की।

सर्पदंश से किशोरी की मौत

फ़तेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम बाका अकबराबादा में अरविंद कुशवाहा की 10 वर्षीय पुत्री कोमल रविवार की रात अपने माता-पिता के साथ फर्श पर सोई थी, तभी एक जहरीले सर्प ने उसकी गर्दन पर डस लिया। सुबह जब परिजनों की आंख खुली तो सांप को पास बैठा देख कोहराम मच गया। परिजन आनन-फानन में अचेत किशोरी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहर

फ़तेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम मीरामऊ में सोमवार की सुबह 28 वर्षीय आशा देवी पत्नी राजकुमार का अपने पति से किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। इससे क्षुब्ध होकर महिला ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने मुस्तैदी दिखाते हुए सरकारी एम्बुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है।

बंद घर का ताला तोड़कर नकदी समेत लाखों के जेवरात पार

चैडगरा (फतेहपुर)। कल्यानपुर थाने के जोगापुर गांव में रविवार की रात चोरों ने किसान श्रीकांत मिश्रा के सूने घर को निशाना बनाया। वारदात के समय किसान नलकूप पर गए थे, जबकि उनकी पत्नी और बहू छत पर सो रही थीं। चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़कर अलमारी के लॉकर से 45 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के कीमती जेवरात पार कर दिए। किसान जब घर लौटे तब उन्हें चोरी की जानकारी हुई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुट गई है।

शिक्षकों के अधिकारों के लिए बुलंद हुई आवाज, सांसद को सौंपा ज्ञापन

– एनसीटीई की न्यूनतम अर्हता को शिक्षा का अधिकार अधिनियम में शामिल करने की मांग

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। देश भर के लगभग 25 लाख शिक्षकों के हितों और उनके सुरक्षित भविष्य से जुड़े एक संवेदनशील मुद्दे को लेकर टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग के डाक बंगले में सांसद नरेश उत्तम पटेल से मुलाकात की। महासंघ ने सांसद के माध्यम से केंद्र सरकार को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा 23 अगस्त 2010 को निर्धारित की गई न्यूनतम शैक्षणिक अर्हता को शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 का अभिन्न हिस्सा बनाने की पुरजोर मांग की गई।

फेडरेशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह और महासचिव विजय कुमार त्रिपाठी की अगुवाई में सौंपे गए इस ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि इस विषय पर शीघ्र वैधानिक निर्णय न होने के कारण देश भर के लाखों शिक्षकों में असमंजस और असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है। यदि केंद्र सरकार इस विसंगति को दूर करते हुए इसे संसद से विधिवत पारित कराकर आरटीई अधिनियम में शामिल करती है, तो भविष्य में शिक्षक भर्ती, सेवा सुरक्षा और शैक्षणिक योग्यता से जुड़े विवादों का हमेशा के लिए अंत हो जाएगा।
संगठन के पदाधिकारियों ने सांसद से इस गंभीर विषय को आगामी संसद सत्र में उठाने और केंद्र सरकार से त्वरित विधायी प्रक्रिया शुरू कराने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षकों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। इस ज्ञापन की प्रतिलिपियां आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को भी प्रेषित की गई हैं।

शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती परीक्षा-2018 के पीड़ित अभ्यर्थियों ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा बीती 9 जुलाई को जारी किए गए आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने की मांग की। उन्होंने आयोग के निर्देशों के तहत पात्र अभ्यर्थियों को तत्काल नियुक्ति देने और इस प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई की मांग उठाई।
अभ्यर्थियों का नेतृत्व कर रहे घनश्याम गुप्ता ने बताया कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपने आदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान करने और पूर्व में 5 अगस्त 2022 को दिए गए आदेश पर भी प्रभावी अमल करने को कहा है, परंतु विभागीय शिथिलता के कारण अब तक आदेशों का अनुपालन नहीं हो सका है। अभ्यर्थियों ने चेतावनी दी कि यदि सामाजिक न्याय और संवैधानिक आरक्षण की रक्षा के लिए जारी इस आदेश का जल्द पालन नहीं हुआ, तो वे लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक आंदोलन के लिए विवश होंगे। इस मौके पर नीरज सिंह, आभा सिंह, रूबी देवी, प्रभाकर सिंह और हरिशंकर दयाल आदि अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

स्कूल चलो अभियान (फेज-2) के तहत निकाली गई न्याय पंचायतवार रैलियां

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। विकास खंड असोथर में खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन और अकादमिक रिसोर्स पर्सन के नेतृत्व में स्कूल चलो अभियान फेज-2 के अंतर्गत न्याय पंचायतवार भव्य रैलियों का आयोजन किया गया। कोडार न्याय पंचायत की रैली कंपोजिट विद्यालय कीर्तिखेड़ा से प्रारंभ होकर उच्च प्राथमिक विद्यालय दसौली में संपन्न हुई। इसी तरह, कोरां कनक न्याय पंचायत की रैली न्याय पंचायत प्रभारी विक्रम सिंह भदौरिया की देखरेख में उच्च प्राथमिक विद्यालय कोरां कनक से शुरू होकर पीएम श्री विद्यालय मैनही डेरा और कंपोजिट विद्यालय औनई होते हुए पीएम श्री विद्यालय ओती पहुंची।
इसके पश्चात मुत्तौर और दतौली न्याय पंचायत की संयुक्त रैली जोगी का डेरा से शुरू होकर कंपोजिट विद्यालय मवैया में संपन्न हुई। इस अवसर पर बच्चों के नामांकन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के साथ-साथ पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संदेश भी दिया गया। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा श्एक पेड़ मां के नामश् अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा के कुशल संचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में नोडल शिक्षक संकुल जितेंद्र सिंह, रामखेलावन, अनुज भदौरिया, दिनेश प्रजापति, रेनू भारती, रेखा पाल, धनंजय सिंह और आदित्य प्रताप सिंह आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

ताइक्कांडो खिलाड़ियों ने बेल्ट प्रमोशन परीक्षा में दिखाया उत्कृष्ट कौशल

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। ताइक्कांडो एसोसिएशन ऑफ फ़तेहपुर के तत्वावधान में श्बचपन प्ले स्कूलश् में आयोजित कलर बेल्ट प्रमोशन परीक्षा में चालीस खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी योग्यता साबित की और अगली बेल्ट प्राप्त की। खिलाड़ियों ने अपने तकनीकी कौशल, कड़े अनुशासन और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर उपस्थित प्रशिक्षकों को प्रभावित किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने सभी सफल खिलाड़ियों को प्रमोशन बेल्ट पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि ताइक्कांडो केवल आत्मरक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनने की एक महान कला है।
परीक्षा के उपरांत दिव्यांश, अथर्व, मयंक, अग्रिम, व्योम, संवि, अनुष्का, तेजस्वी, आरुषि, प्रखर, अष्वनी, स्वस्तिका, सात्विका और राघव को श्येलो बेल्टश् प्रदान की गई। ऋषिका, आयुषी, यशस्वी, अथर्व ठाकुर, सिद्धार्थ और अनन्या को श्ग्रीन बेल्टश् मिली, जबकि अंशिका, अद्विका, आयुष, वसुंधरा, मणिकर्णिका, अर्णव, प्रिया एवं आरव ने ग्रीन फर्स्ट बेल्ट हासिल की। इसके अलावा ईशान, श्रेयांश, ईशानी और आराध्या को श्ब्लू बेल्टश् तथा अंजलि मिश्रा को श्रेड फर्स्ट बेल्टश् से नवाजा गया। इस मौके पर स्कूल की प्रधानाचार्या करिश्मा सिंह सोलंकी, काउंसलर श्रेया गुप्ता, सचिव व प्रशिक्षक राजकुमार और उप सचिव भारत वर्मा आदि अभिभावक मौजूद रहे।

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु वितरित की गई होम्योपैथिक दवाएं

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, आरोग्य भारती, द होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया तथा डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों की रोकथाम और नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कंपोजिट विद्यालय भैरमपुर के 72 और कंपोजिट विद्यालय अस्ती के 108 बच्चों सहित कुल 180 छात्र-छात्राओं को बरसात के मौसम में फैलने वाले रोगों से बचाव के लिए रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली होम्योपैथिक औषधियां निःशुल्क वितरित की गईं। रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन व आरोग्य भारती के जिला सचिव डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बच्चों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराते हुए भोजन से पूर्व और शौच के पश्चात अनिवार्य रूप से साबुन से हाथ धोने की सलाह दी। उन्होंने तंबाकू, गुटखा और शराब जैसी नशीली वस्तुओं के सेवन से होने वाले कैंसर व लिवर सिरोसिस जैसे घातक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को जीवन भर नशे से दूर रहने और अपने परिवार को जागरूक करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्या रेखा शुक्ला, तरन्नुम अंसारी, सुरेश कुमार श्रीवास्तव और अभिनव श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

हिंदू महासभा ने देशहित और धर्महित के मुद्दों पर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। अखिल भारत हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने सोमवार को जनहित और धर्महित से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इसके पश्चात संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एक मांग पत्र प्रेषित कर विभिन्न प्रकरणों में त्वरित कार्रवाई की मांग उठाई।

महासभा के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज त्रिवेदी की अगुवाई में सौंपे गए ज्ञापन में बिहार के भोजपुर में हुई भरत भूषण तिवारी की निर्मम हत्या की सीबीआई जांच कराने तथा अयोध्या राम मंदिर के दानपात्रों से करोड़ों रुपये व सोने-चांदी की चोरी की घटना की उच्च स्तरीय एसआईटी जांच कराने की मांग की गई। इसके अलावा, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए वर्तमान ट्रस्ट को भंग कर देश के प्रतिष्ठित संतों, शंकराचार्यों और आम जनमानस को सम्मिलित करते हुए नवीन ट्रस्ट के गठन की मांग की गई। इस अवसर पर स्वामी राम आसरे आर्य, राम गोपाल शुक्ला, अनमोल शुक्ला, शशिकांत मिश्रा, गजेंद्र मौर्य, गौरीशंकर दुबे, विजयदत्त, करन सिंह पटेल, मधुर देवी, ओमलता, दीपक यादव और पूजा यादव आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

– कबीर एकता महासभा की प्रथम वर्षगांठ धूमधाम से संपन्न

समाज को एकजुट करने की पहल बनी चर्चा का विषय

फतेहपुर (स्वतंत्र भारत ब्यूरो)। कबीर एकता महासभा के स्थापना का एक वर्ष पूर्ण होने पर भव्य प्रथम वर्षगांठ समारोह का आयोजन किया गया। महासभा के संस्थापक एवं आयोजक सिद्धार्थ कोरी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों को एक मंच पर संगठित करना रहा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय युवा कोरी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष खेमचंद कोरी व पूर्व मंत्री इंद्रजीत कोरी शामिल हुए, जबकि सांसद नरेश उत्तम पटेल, सपा जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह यादव और डॉ. अमित पाल सहित हमीरपुर, कौशांबी, प्रयागराज, कानपुर व बांदा जैसे कई जनपदों से भारी संख्या में समाज के नागरिकों ने हिस्सा लिया।
कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि खेमचंद कोरी ने संगठन की मजबूती को समाज की प्रगति के लिए अनिवार्य बताते हुए आयोजक के प्रयासों की सराहना की। वहीं, अपने संबोधन में सिद्धार्थ कोरी ने संत कबीर साहब के विचारों, सामाजिक समरसता, शिक्षा और संगठन की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। संयोजक राजकुमार कोरी, सुरेंद्र प्रधान व चंद्रभान कोरी सहित पूरी टीम की देखरेख में आयोजित इस समारोह में समाज की एकता, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया गया। भारी जनसमर्थन के बीच अतिथियों के सम्मान और आभार ज्ञापन के साथ इस सफल आयोजन का समापन हुआ।

बिजली संकट पर दरी बिछाकर धरने पर बैठे, अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी

अपनी ही सरकार में बेबस भाजपा मंडलाध्यक्ष!

असोथर (फतेहपुर)। सरकार की ओर से गांव-गांव निर्बाध बिजली पहुंचाने के दावों के बीच फतेहपुर के असोथर से एक हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है। यहां बिजली संकट से परेशान होकर खुद सत्ताधारी दल भाजपा के मंडलाध्यक्ष राममहेश निषाद को दरी बिछाकर धरने पर बैठना पड़ा। भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र पर मोर्चा खोलते हुए उन्होंने बिजली विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान परिसर में जेई-एसडीओ मुर्दाबाद और बिजली विभाग मुर्दाबाद के नारे गूंज उठे। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब मंडलाध्यक्ष का भाजपा जिलाध्यक्ष को लिखा पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें उन्होंने अपने गृह क्षेत्र सरकंडी, मजरा लक्ष्मणपुर सहित करीब दस मजरों में पिछले दो महीनों से बिजली ठप होने और किसानों के समरसेबल बंद होने की बात कही थी।
धरने पर बैठे मंडलाध्यक्ष ने विभाग को आठ सूत्रीय मांगपत्र सौंपते हुए महीनों से बंद बिजली, खराब ट्रांसफार्मर, लटके हाई वोल्टेज तार और टूटे एलटी पोल को तुरंत ठीक करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जाएगा। दूसरी तरफ, मामले पर सफाई देते हुए एसडीओ सुदामा प्रसाद ने बताया कि एक परिवार द्वारा कुल्हाड़ी से बिजली लाइन काटे जाने के कारण यह समस्या आई है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की मदद से मौके पर कार्रवाई की जा रही है और सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। साथ ही अधिकारियों ने क्षेत्र की बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द बहाल कराने का दावा किया है।

बिना सर्वे लोड बढ़कर वसूली का विरोध विकास मंच के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। विकास मंच जिलाध्यक्ष की अगवाई में गए

अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर नारेबाजी अधिशासी अभियंता से मिलकर बिल सही कराए

सैकड़ो नागरिकों ने उपभोक्ताओं के बिना जांच किए लोड बढ़कर अनावश्यक वसूली का विरोध किया है और अधिशासी अभियंता से मिलकर नाराजगी जताई है
पूर्व घोषित कार्यक्रम अघोषित विद्युत कटौती एवं उपभोक्ताओं के घरों पर बिना जांच किए लोड बढ़कर उपभोक्ताओं से अनावश्यक वसूली विरोध में अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना प्रदर्शन एवं ज्ञापन देने के लिए बहुत बड़ी संख्या में लोगों के साथ में पहुंचकर विद्युत कार्यालय पर जबरदस्त नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया
अधीक्षण अभियंता को जानकारी होने के बाद भी अपने कार्यालय से गायब रहने पर फर्रुखाबाद विकास मंच जिला अध्यक्ष भईयन मिश्रा ने कहा कि अधिकारी इस सरकार में बेलगाम हो चुके हैं पूर्व में जानकारी होने के बाद भी जनता की समस्याओं को सुनने की बजाय वह मुंह छुपाए घूम रहे हैं यह बहुत गलत है इसको किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा लोगों में इस बात को लेकर बड़ा जबरदस्त गुस्सा था और उन्होंने अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर ज्ञापन चश्पा कर दिया और लोगों ने कहा कि जनता की समस्याओं को ना सुनने वाले अधिकारी कब तक गायब रहेंगे इसके बाद अधिशासी अभियंता फर्रुखाबाद को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन दिया गया और अधिशासी अभियंता से मौके पर मौजूद बहुत से उपभोक्ताओं के बिजली बिलों को बढ़ाकर आने पर सही कराया गया और अधिकारियों से कहा गया कि जब तक लोगों के घरों का सर्वे करके लोड अगर आवश्यक है तो बढ़ाया जाए कार्यालय में बैठकर उपभोक्ताओं की जेब पर डाका ना डाला जाए क्योंकि जिनका लोड कम है उसके बाद भी उपभोक्ताओं का 2 किलोवाट से लोड बढ़कर 3 किलोवाट 4 किलोवाट कर दिया गया है जो कि न्याय संगत नहीं है किसी भी उपभोक्ता को परेशान ना किया जाए और डोर टू डोर सर्वे के बाद ही किसी का लोड बढ़ाया जाए।
अधिशासी अभियंता शहर बृजभान सिंह ने बताया यह घोषित विद्युत कटौती जो की जा रही थी लाइनों को ट्रांसफर करने के लिए उसको बंद कर दिया जाएगा और लाइन शिफ्ट का काम अक्टूबर या नवंबर में कराया जाएगा गर्मी में उपभोक्ताओं को परेशान नहीं होने दिया जाएगा।
अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला महामंत्री अंगद पांडे उर्फ कोमल ने कहा की बिजली विभाग अपना रवैया सुधारे और बेवजह जनता को परेशान करना बंद करें जिनके घरों में बहुत ज्यादा लोड नहीं है उसके बाद भी अनाप.शनाप बिल भेज कर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है पहले दिन घरों में बिल 1000 से 2000 आते थे अब उनमें चार से 5000 का बिल आ रहा है जो की बहुत गलत है और यह बिजली विभाग के द्वारा लूट की नई व्यवस्था चालू की जा रही है इसको तत्काल बंद करना चाहिए किसी भी सूरत में जनता का उत्पीड़न नहीं होने दिया जाएगा। निषाद सभा के जिलाध्यक्ष अनिल कश्यप ने कहा कि गरीबों के साथ में विद्युत विभाग का रवैया ठीक नहीं रहता है अधिकारी सही से बात नहीं करते हैं अधिकारियों को अपना रवैया सुधारना होगा और जनता को परेशान करना बंद करना पड़ेगा। फर्रुखाबाद विकास मंच के जिला अध्यक्ष भईयन मिश्रा ने कहा कि जनता परेशान हो यह किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को सही करें और बिना किसी घर का सर्वे के लोड ना बढ़ाएं नहीं तो जबरदस्त आंदोलन किया जाएगा इस दौरान निशित दुबे उर्फ निशु राजा मिश्रा राजीव वर्मा पंकज राठौर राजीव पाल आलोक मिश्रा भूरे अभिषेक श्रीवास्तव विष्णु मिश्रा जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल आयुष सक्सेना एडवोकेट अमल परिहार एडवोकेट अनुज तिवारी एडवोकेट के के द्विवेदी उर्फ बंटू शनि बाथम सौरभ शुक्ला रजत वर्मा आकाश चतुर्वेदी शिवलू खान अनंत राम श्रीवास्तव कुलदीप दीक्षित अजयमिश्रा नीतीश पांडे राहुल दीक्षित गुड्डा एडवोकेट आशू मिश्रा नीरज यादव सचिन पांडे अशफाक खान आफताब खान शिव शंकर मिश्रा समीर खान रेहान खान ईशान कुमार अनीश खान मलखान सिंह राजपूतए रामबरन शाक्य गुड्डू राजपूत शाहिद समेत बड़ी संख्या में लोगो ने बिजली विभाग पर नाराजगी जताई है।

सौ शैया अस्पताल में आधुनिक उपकरणों का टोटा संसाधनों के अभाव से जूझ रहा नेत्र विभाग

स्वतंत्र भारत छिबरामऊ। दिलू नगला गांव स्थित सौ शैया अस्पताल का नेत्र रोग विभाग इन दिनों गंभीर प्रशासनिक उपेक्षा और बुनियादी चिकित्सा उपकरणों की

मोतियाबिंद के आधुनिक ऑपरेशन की मशीन न होने से भटक रहे ग्रामीण मरीजय डॉक्टर ने व्यक्तिगत स्तर पर जुटाए उपकरण, सीमित साधनों में रच रहे सफलता का इतिहास

कमी से जूझ रहा है। अस्पताल में योग्य एवं अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ की तैनाती होने के बावजूद बुनियादी ढाँचे और आधुनिक संसाधनों के अभाव में आँखों के मरीजों को सरकार द्वारा वादे के अनुसार सभी स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। स्थिति यह है कि कई महत्वपूर्ण जांचों और मोतियाबिंद के आधुनिक ऑपरेशनों के लिए मरीजों को विवश होकर अन्य निजी अस्पतालों या बड़े शहरों का रुख करना पड़ रहा हैए जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय ग्रामीण परिवारों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ रहा है।
रोज़ाना इस प्रमुख सरकारी अस्पताल में दूर.दराज के दर्जनों गांवों से सैकड़ों मरीज अपनी आंखों के इलाज की उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा दावा तो बड़ी स्वास्थ्य सुविधाओं का किया जाता हैए लेकिन धरातल पर नेत्र विभाग लंबे समय से जरूरी उपकरणों के लिए तरस रहा है।
अस्पताल के आधिकारिक सूत्रों के अनुसारए नेत्र विभाग में इस समय सबसे बड़ी समस्या श्फैकोइमल्सिफिकेशनश् मशीन की अनुपलब्धता है। ज्ञात हो कि इस आधुनिक तकनीक के जरिए बिना टांके और बिना चीरे के मोतियाबिंद का सुरक्षित और त्वरित ऑपरेशन किया जाता हैए जिससे मरीज को अगले ही दिन से साफ दिखने लगता है और रिकवरी बेहद तेज होती है। यह मशीन अस्पताल में उपलब्ध न होने के कारण मोतियाबिंद से पीड़ित बुजुर्ग मरीजों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
मशीन के अभाव में वर्तमान में आने वाले मरीजों का ऑपरेशन केवल पारंपरिक ;एसआईसीएसद्ध साधारण विधि से ही किया जा रहा है। जिन मरीजों को आधुनिक लेजर या टांका.रहित विधि से ही ऑपरेशन करवाना होता हैए उन्हें मजबूरी में निजी डॉक्टरों की महंगी फीस चुकानी पड़ रही है। बुजुर्ग मरीजों को बार.बार अस्पताल आने.जाने में शारीरिक असुविधा के साथ.साथ भारी अतिरिक्त आर्थिक खर्च का भी सामना करना पड़ रहा है।
डॉक्टर ने पेश की कर्तव्यनिष्ठा की अनूठी मिसाल
सरकारी तंत्र की इस घोर सुस्ती और अभाव के बीच राहत की एकमात्र किरण अस्पताल में तैनात नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉण् अविनाश गुप्ता बने हुए हैं। मरीजों की दैनिक असुविधा और लाचारी को देखते हुए उन्होंने हार मानने के बजाय एक अनूठी मिसाल पेश की है। डॉण् गुप्ता ने विभागीय लालफीताशाही का इंतजार किए बिनाए अपने व्यक्तिगत स्तर और निजी खर्च पर कुछ बेहद जरूरी बुनियादी चिकित्सा उपकरण जुटाए हैं।
इन्हीं व्यक्तिगत रूप से प्रबंधित संसाधनों की मदद से वे अस्पताल आने वाले मरीजों की आँखों की मुकम्मल जांच कर रहे हैं और उन्हें हर संभव सटीक उपचार प्रदान कर रहे हैंए जिससे क्षेत्रीय ग्रामीण जनता को बहुत बड़ी राहत मिल रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि डॉक्टर साहब यह कदम न उठातेए तो सामान्य ओपीडी सेवाएं भी ठप हो जातीं।
संसाधनों की भारी कमी के बावजूद डॉण् अविनाश गुप्ता की कार्यशैली और मरीजों के प्रति समर्पण ने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड कायम किया है। सरकारी तंत्र से पूरा सहयोग न मिलने के बाद भी उन्होंने पारंपरिक विधि का ही बेहतरीन उपयोग करते हुए राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 345 सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन किए हैं। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ उन्होंने पूरे जनपद ;जिलेद्ध में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैए जो उनकी बेजोड़ कार्यकुशलता और सेवा भावना का जीवंत प्रमाण है।
डॉण् सुनील कुमार सिंहए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक सीएमएस ने कहा शासन को पत्र भेजकर अस्पताल के लिए आवश्यक आधुनिक मशीनों और नेत्र परीक्षण से जुड़े संसाधनों की डिमांड भेजी जा चुकी है। हम लगातार इसके लिए फॉलो.अप कर रहे हैं। फिलहाल अस्पताल में उपलब्ध पारंपरिक विधि ;एसआईसीएसद्ध से मोतियाबिंद पीड़ितों के ऑपरेशन की सुविधा सुचारू रूप से दी जा रही है ताकि ग्रामीण मरीजों को बिना इलाज के वापस न लौटना पड़े।

धान के खेत में मिला किसान का शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के अलाहदादपुर गांव में रविवार रात एक किसान का शव धान के खेत में भरे पानी में पड़ा मिला। देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन तलाश करते हुए खेत पहुबात जहां किसान अचेत अवस्था में मिला। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत पर परिवार में कोहराम मच गया।कोतवाली क्षेत्र के अलाहदादपुरं गांव में रविवार शाम करीब सात बजे 40 वर्षीय शरद यादव अपने भाई रामकुमार के साथ खेत पर गए थे। कुछ देर बाद उन्होंने रामकुमार को घर भेज दियाए जबकि वह स्वयं खेत पर ही रुक गए। रात करीब 10 बजे तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों को चिंता हुई। इसके बाद परिवार के लोग उनकी तलाश में खेतों की ओर पहुंचे। खोजबीन के दौरान शरद धान के खेत में भरे पानी में अचेत अवस्था में पड़े मिले। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। पत्नी सीमा देवी बेटे विकास और विनय तथा बेटी नैना समेत अन्य परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि शरद तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके पिता नंदराम का निधन हो चुका है जो पुलिस विभाग में दरोगा थे। छोटा भाई रामकुमार भारतीय सेना में तैनात है जबकि सबसे छोटे भाई सुनील कानपुर के मूलगंज थाने में सिपाही के पद पर कार्यरत हैं।इधर अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

पुलिस के अचूक निशाने से गोकशी के आरोपी के पैर में लगी गोली

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। कायमगंज गौवध अधिनियम के मुकदमे में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। बरामदगी के दौरान पुलिस अभिरक्षा से भागे आरोपित ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायरिंग कर दी जिसमें एक सिपाही घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपित के बाएं पैर में गोली लगी। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार गौवध अधिनियम के मुकदमे में वांछित एवं 25 हजार रुपये का इनामी चंदा उर्फ चांद मियां निवासी मोहल्ला खटको अताईपुर को सोमवार को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस पूछताछ में उसने घटना में प्रयुक्त बांका और छुरी मीरपुर से कलाखेल जाने वाले खड़ंजा मार्ग के समीप जंगल म कर छिपाकर रखने की जानकारी दी।
इसके बाद पुलिस टीम आरोपी को बरामदगी के लिए मौके पर लेकर पहुंची। एएसपी ने बतायाए बरामदगी के दौरान आरोपी अभिरक्षा से छूटकर भाग निकला और झाड़ियों में छिपाकर रखा अवैध 315 बोर का तमंचा निकालकर पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया।
गोली लगने से सिपाही प्रवीण घायल हो गया। पुलिस ने आरोपित को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दीए लेकिन उसने फायर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की जिसमें आरोपित के बाएं पैर में गोली लग गई। घायल आरोपित को सीएचसी में भर्ती कराया गया जबकि घायल सिपाही को प्राथमिक उपचार के बाद लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया।
घटना की सूचना पर फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एक अवैध 315 बोर का तमंचाए एक जिंदा कारतूस दो खोखा कारतूसए एक बांका और एक छुरी बरामद की है।
प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ल ने बताया कि मुठभेड़ में सिपाही प्रवीण भी घायल हुआ है। अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार सिंह ने बताया कि अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। कुछ दिन पहले थाना क्षेत्र

बेटे ने पिता की ईंट और कुर्सी से मारकर की हत्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद के वार्ड लोहिया नगर में रविवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। आरोप है कि शराब के नशे में पुत्र ने अपने 68 वर्षीय पिता की कुर्सी और ईंट से हमला कर हत्या कर दी। घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।सूचना मिलने पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाए।लोहिया नगर निवासी रामदास ;68द्ध अपने दिव्यांग पुत्र ललित कुमार के साथ घर में अकेले सो रहे थे। इसी दौरान उनके पुत्र श्याम कुमार उर्फ रामू ने कथित रूप से पहले चारपाई पलट दीएफिर उन्हें उठाकर पटक दिया और कुर्सी व ईंट से हमला कर दिया जिससे उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई।घटना की सूचना पुत्रवधू ममता देवी पत्नी श्याम कुमार उर्फ रामू ने डायल.112 और कोतवाली पुलिस को दी।बताया गया कि दिव्यांग ललित कुमार बड़े पुत्र सुमित की पत्नी पिंकी की डिलीवरी के सिलसिले में फर्रुखाबाद गए हुए थे।इसी बीच आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।परिजनों के अनुसार आरोपी ने हाल ही में किस्तों पर बाइक खरीदी थी और उसके लिए बड़ी पुत्री काजल से जेवर गिरवी रखने को मांगे थे।मना कर दिया तथा ससुराल पक्ष को बुलाकर उनके साथ चली गई थी श्याम कुमार उर्फ रामू ने पत्नी ममता तथा बच्चों सपना दीपू और नीरज के साथ भी मारपीट की जिसके डर से बच्चे घर से बाहर निकल गए थे।सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कार्यवाहक क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार द्विवेदी अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार सिंह तथा फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची।

आगामी विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी आजाद समाज पार्टी

स्वतंत्र भारत छिबरामऊ संवाददाता। सिकंदरपुर के आंबेडकर नगर में रविवार को आजाद समाज पार्टी ;एएसपीद्ध के तत्वावधान में एक विशाल सत्ता परिवर्तन सभा एवं श्सदस्यता अभियानश् का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रभात गौतम ने कार्यकर्ताओं और जनता को संबोधित करते हुए बड़ा चुनावी ऐलान किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों में आजाद समाज पार्टी सभी सीटों पर पूरी दमदारीए एकजुटता और मुस्तैदी के साथ अपनी दावेदारी पेश करेगी।
इस दौरान पार्टी की नीतियों और सांसद चन्द्रशेखर आजाद के निरंतर जनहितैषी संघर्षों से प्रभावित होकर क्षेत्र के तीन दर्जन से अधिक प्रमुख समाजसेवियों एवं युवाओं ने पार्टी का दामन थाम लिया। जिलाध्यक्ष प्रभात गौतम ने सभी नए सदस्यों का माला पहनाकर दल में आत्मीय स्वागत किया और कहा कि युवाओं का यह जुड़ाव पार्टी को जमीनी स्तर पर अजेय बनाएगा।
बुनियादी मुद्दों पर सरकार पूरी तरह विफलरू एएसपी
सभा को आगे संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने प्रदेश की वर्तमान सरकार पर तीखे प्रहार किए। उन्होंने क्षेत्र में बदहाल कानून व्यवस्थाए आसमान छूती महंगाई और पेट्रोल.डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के साथ.साथ उनकी गुणवत्ता में आ रही गिरावट को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार आम जनता की बुनियादी समस्याओं को हल करने में पूरी तरह विफल साबित हुई है। संगठन को निचले स्तर पर धार देने के उद्देश्य से इस अवसर पर सर्वसम्मति से सेक्टर एवं बूथ स्तर के संगठन का भी गठन किया गया ताकि आने वाले चुनावों के लिए हर बूथ को मजबूत किया जा सके। इस ऐतिहासिक मौके पर जिला प्रभारी अनन्त शाक्यए युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नेम सिंहए संगठन मंत्री हरिपाल सहित भारी संख्या में स्थानीय पदाधिकारीए कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जमीन विवाद में चले लाठी.डंडे तीन घायल पांच आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो फर्रुखाबाद। शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुटेटी दक्षिण में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच रविवार को जमकर लाठी.डंडे चले। घटना में तीन लोग घायल हो गए। पीड़ित बदन सिंह ने थाना शमशाबाद में गांव के अरेंद्र सावेंद्र उपेंद्र जैसरन सुदामा पत्नी उपेंद्र तथा उर्मिला पत्नी हरिशरण के खिलाफ तहरीर देकर आरोप लगाया कि आरोपी उसकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे।

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

अदालती सूचना

सी.आर.– 733/K-CN

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

मैंने अपने पुत्र सलमान की हरकतों से तंगआकर संबंध विच्छेदकर चलअचल संपत्ति से बेदखलकर दिया है। अब उसके किसी कार्य से मेरा कोई सरोकार न होगा। सुलेमान पुत्र रहमत अली ग्राम सराय मजरा पतौली थाना फतेहपुर 84 तहसील सफीपुर जिला उन्नाव।(35)

सी.आर.– 733/K-35

सूचना

मैं सन्तोष देवी पत्नी जयपाल सिंह, निवासी– म.नं.–313, खम्पापुर, राधानगर, फतेहपुर सूचित करती हूं कि मेरा पुत्र दीपक सिंह व पुत्रवधू वन्दना मेरे कहने–सुनने से बाहर हैं। अतः मैं उन्हें अपनी चलअचल संपत्ति व पारिवारिक रिश्तों से बेदखल करती हूं। उनके किसी कृत्य या लेनदेन की जिम्मेदारी मेरी या परिवार की नहीं होगी।(40)

सी.आर.– 733/K-40

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: BNDA/AE/L-3/2026 दिनांक: 13.07.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाँदा-हिंगवाही सेक्शन में स्थित अंडर ब्रिज संख्या 1320/1 (रेलवे किमी. 1320/6-1320/8) केवल जल निकासी हेतु निर्मित है तथा वाहनों के आवागमन के लिए नहीं है। अतः जनहित एवं सुरक्षा की दृष्टि से इस अंडर ब्रिज को वाहनों के आवागमन हेतु स्थायी रूप से बंद किया जाता है। कृपया इस अंडर ब्रिज का उपयोग किसी भी प्रकार के वाहन के आवागमन हेतु न करें।

सहायक मण्डल अभियन्ता, बाँदा

1598/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

पत्र सं.: BNDA/AE/L-3/2026 दिनांक: 12.07.2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बहिलपुरवा घाई स्थित अंडर ब्रिज (रेलवे किमी. 1404/14-1404/15) केवल जल निकासी हेतु निर्मित है तथा वाहनों के आवागमन के लिए नहीं है। अतः जनहित एवं सुरक्षा की दृष्टि से इस अंडर ब्रिज को वाहनों के आवागमन हेतु स्थायी रूप से बंद किया जाता है। कृपया इस अंडर ब्रिज का उपयोग किसी भी प्रकार के वाहन के आवागमन हेतु न करें

सहायक मण्डल अभियन्ता, बाँदा

1590/26 (PH)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड उरई
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, (उ0प्र0)

-: अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या:-
02/ न0नि0ख0उ0 अधि0अभि0 निविदा /2026-27 ::-

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु सिंचाई विभाग, उत्तर प्रदेश में वांछित पंजीकृत श्रेणी के कार्यों में दक्ष एवं अनुभव रखने वाले पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा निविदा दिनांक 16.07.2026 से 30.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है। सीलबन्द निविदा दिनांक 30.07.2026 को अपराह्न 5:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड उरई के कार्यालय कक्ष में निविदा पेटी में डाली जायेगी। निविदा दिनांक 04.08.2026 को अपराह्न 2:00 बजे अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड उरई के कार्यालय कक्ष में उपस्थित फर्मों/ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा डालने के पूर्व निविदादाता शर्तों का भली भाँति अध्ययन कर ले।
कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी।
कार्य का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र० सं०	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित धनराशि (लाख रु० में)	धरोहर धनराशि (लाख रु० में 02 %)	कार्य की अवधि	टेण्डर प्रपत्र का मूल्य(जी०एस०टी० सहित) (रु० में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद हमीरपुर के अन्तर्गत नलकूप निर्माण खण्ड उरई के उपखण्डीय स्टोर परिसर में 52 मीटर नयी बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य एवं 143 मीटर बाउंड्रीवॉल की मरम्मत/जीर्णोद्धार एवं उच्चीकरण का कार्य कुल 195 मीटर की पुताई एवं रंगाई का कार्य इत्यादि। (As per Bill of Quantity and UPID Standard and Approved Drawing)	8.38	0.17	45 दिवस	266	सिविल श्रेणी में 'सी' अथवा उच्च श्रेणी

नोट:- GST applicable as per Rule

नोट:-
1. निविदा की शर्तें एवं टेण्डर डॉक्यूमेन्ट कार्यालय में दिनांक 16.07.2026 से 30.07.2026 को 5:00 बजे अपराह्न तक किसी भी कार्य दिवस में टेण्डर डॉक्यूमेन्ट का मूल्य जमा कर प्राप्त किया जा सकता है। उक्त निविदा सिंचाई विभाग की वेबसाइट www.upgov.nic.in पर उपलब्ध है।
2. निविदा से सम्बन्धित अन्य नियम शर्तें निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न हैं।
3. फर्म ठेकेदार को समान प्रकृति के कार्य का अनुभव होना आवश्यक है।

दूरभाष – 9454414310
Email add.- eetcdorai@gmail.com

उ0प्र0 253680 दिनांक- 13.07.2026
Website: www.upgov.nic.in

अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण खण्ड उरई

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं 78, कैनाल रोड, कैन्ट, कानपुर से प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

फोन : 0512-2332212
0512-2330533

E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर होगा।

समझौते पर कूटनीतिक प्रयास नाकाम : ट्रंप

राष्ट्रपति बोले- ईरान ने बैठक में भरी हामी, फिर एक घंटे बाद किया जहाज पर हमला

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि ईरान के साथ समझौते को लेकर चल रहे कूटनीतिक प्रयास नाकाम हो गए हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने कहा कि हालिया बैठक में ईरान ने पहले समझौते पर सहमति जताई, लेकिन बैठक से बाहर आने के एक घंटे के भीतर ही होर्मुज में जहाज पर ड्रोन हमला कर दिया।

पश्चिम एशिया में होर्मुज को लेकर एक बार फिर से संघर्ष छिड़ चुका है। होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका ने ईरान पर ताबड़तोड़ बमबारी की है। वहीं, ईरान ने भी पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों समेत कई जगहों पर हमले किए हैं। ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य वाणिज्यिक जहाजों के लिए खुला है। उन्होंने क्षेत्र पर नियंत्रण के ईरानी दावों को खारिज करते हुए कहा कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई के बाद भी इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर आवाजाही जारी है। एनबीसी के कार्यक्रम मीट द प्रेस में बातचीत के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के साथ हालिया कूटनीतिक प्रयास पूरी तरह विफल हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के साथ एक संभावित समझौता ईरान की ओर से एक वाणिज्यिक जहाज पर कथित सैन्य हमले के बाद टूट गया। ट्रंप ने कहा कि शनिवार को हुई बातचीत के दौरान ईरानी प्रतिनिधि कई अहम रियायतों पर सहमत हो गए थे। उनके अनुसार, इसमें परमाणु कार्यक्रम और सैन्य गतिविधियों को पूरी तरह छोड़ने जैसे मुद्दे भी शामिल थे। उन्होंने कहा, हमारी उनसे बैठक हुई थी। उन्होंने कल समझौते पर सहमति जताई थी। यह हमारे लिए पूरी तरह उपयुक्त समझौता था। न परमाणु कार्यक्रम, न यह, न वह, कुछ भी नहीं। उन्होंने सब कुछ छोड़ने पर सहमति दी, लेकिन बैठक से बाहर निकलने के एक घंटे के भीतर ही उन्होंने एक जहाज पर ड्रोन हमला कर दिया। ट्रंप ने ईरानी नेतृत्व पर तीखा हमला करते हुए कहा, वे बेहद बुरे और बीमार मानसिकता वाले लोग हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, यह खुला है। उन्होंने आगे कहा, हमने बीती रात उन पर जबरदस्त बमबारी की।

अमेरिका बोला होर्मुज खुला, ईरान बोला बंद

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान के नियंत्रण के दावे को खारिज किया है। सेंटकॉम ने कहा कि यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग खुला है, जबकि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इसके बंद होने का दावा किया था।

दावा-रूस का सबसे सीक्रेट प्लेन ईरान पहुंचा

तेहरान। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने अपना बेहद सुरक्षित टीयू-214पीयू एयरबोर्न कमांड विमान तेहरान भेजा है। दुनिया भर में उड़ रहे

- हवा में रहकर जंग कंट्रोल कर सकता है

विमानों की रियल-टाइम लोकेशन दिखाने वाली वेबसाइट फ्लाइटराडार24 ने यह दावा किया है। टीयू-214पीयू सामान्य वीआईपी प्लेन नहीं है। इसमें सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम और स्पेशल डेटा लिंक लगे हैं। इनकी मदद से संकट की स्थिति में भी रूस का टॉप लीडर उड़ान के दौरान सेना और सरकार का संचालन कर सकते हैं। इसी वजह से इसे रूस का डूम्सडे प्लेन यानी कि 'प्रलय के दिन इस्तेमाल होने वाला विमान' भी कहा जाता है। यह विमान रोसिया स्पेशल फ्लाइट स्क्वाड्रन संचालित करता है। यही स्क्वाड्रन रूस के राष्ट्रपति और देश के शीर्ष राजनीतिक व सैन्य नेतृत्व की उड़ानों का जिम्मा संभालता है। टीयू-214पीयू के मिशनों का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। हालांकि यूक्रेन जंग के दौरान यह विमान कई बार उड़ान भरता देखा गया। रूस के पास ऐसे कितने विमान हैं, इसकी भी जानकारी सार्वजनिक नहीं है। यह प्लेन ऐसे समय तेहरान पहुंचा है, जब अमेरिका ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है और ईरान जवाबी कार्रवाई कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विमान का तेहरान पहुंचना एक बड़ा रणनीतिक संकेत है। इससे यह संदेश जाता है कि रूस, ईरान के साथ उच्च स्तर पर संपर्क बनाए हुए है।

युद्धविराम टूटने से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी, क्या फिर बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम?

न्यूयॉर्क। अमेरिका और ईरान के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष की वजह से तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होने लगी है। दोनों देशों के बीच फिर से एक-दूसरे पर हमले के बाद तेल की कीमतों में 3 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। होर्मुज जलडमरूमध्य में फिर से रुकावट की आशंका बढ़ गई है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, शाम 6.03 बजे यूएस क्रूड फ्यूचर्स 3.4 प्रतिशत बढ़कर 73.87 डॉलर प्रति बैरल हो गए। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड में 3.5 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 78.67 डॉलर पर पहुंच गया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने ब्रेंट की कीमत थोड़ी ज्यादा, लगभग 79 डॉलर प्रति बैरल बताई। यह युद्ध से पहले की कीमत से लगभग 9 प्रतिशत ज्यादा थी। यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड की ओर से कहा गया कि यूएस सेंट्रल कमांड की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ और हमले शुरू किए गए। सेंट्रल कमांड की ओर से बताया गया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में हमला करने से ईरान की क्षमता को कम करना इसका उद्देश्य है। सेंट्रल कमांड की ओर से आगे कहा गया, कमांडर-इन-चीफ ने ईरानी सेनाओं को जवाबदेह ठहराने के लिए ये हमले करने का निर्देश दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर से कहा गया कि 24 घंटों में तीसरी बार अमेरिका की ओर से हमला किया गया। इससे पहले के हमलों में जलमार्ग के आसपास ईरानी मिसाइल और एयर-डिफेंस सिस्टम, छोटी नावें, रडार और हथियारों के स्टोरेज ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

आश्चर्यजनक : ऑस्ट्रेलिया में छाया सेलिब्रिटी सील

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तस्मानिया राज्य में इन दिनों किसी फिल्मी सितारे या क्रिकेट खिलाड़ी की नहीं, बल्कि एक विशाल समुद्री जीव की

- सड़कों पर बेखौफ घूमता है एक टन का शरारती मेहमान
- सोशल मीडिया पर लाखों फैंस

सबसे ज्यादा चर्चा है। करीब 2,200 पाउंड (लगभग 1,000 किलोग्राम) वजनी दक्षिणी एलिफेंट सील नील एक बार फिर समुद्र से लौटकर शहर पहुंचा और अपनी शरारतों से लोगों के साथ-साथ प्रशासन की भी परीक्षा ले गया। सड़क पर आराम से घूमना, पार्किंग में खड़ी कारों को धक्का देना, ट्रैफिक बैरियर और साइनबोर्ड से खेलना तथा लोगों के घरों तक पहुंच जाना उसकी पहचान बन चुका है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार नील ने अब तक किसी व्यक्ति पर हमला नहीं किया है, लेकिन उसका विशाल आकार और इंसानी बस्तियों में बेखौफ घूमने की आदत वन्यजीव अधिकारियों के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। हाल ही में उसके शहर पहुंचते ही हजारों लोग उसे देखने और उसके साथ तस्वीरें लेने पहुंच गए, जिसके बाद प्रशासन को विशेष निगरानी की व्यवस्था करनी पड़ी। नील का व्यवहार किसी शरारती बच्चे जैसा है। कभी वह पार्किंग में खड़ी वैन को अपने भारी शरीर से हिलाने लगता है, तो कभी ट्रैफिक कोन और लोहे के बैरियर को दबाकर चपटा कर देता है।

अभी तो और तीन गुना बड़ा होगा नील : वैज्ञानिकों के अनुसार नील अभी पूरी तरह वयस्क नहीं हुआ है। दक्षिणी एलिफेंट सील दुनिया की सबसे बड़ी सील प्रजाति है और वयस्क नर का वजन 8,000 पाउंड (करीब 3,600 किलोग्राम) तथा लंबाई 5 मीटर तक हो सकती है। यानी आने वाले वर्षों में नील अपने वर्तमान आकार से लगभग तीन गुना बड़ा हो सकता है। ऐसे में तस्मानिया के तटीय शहरों के सामने चुनौती होगी कि इस सेलिब्रिटी सील और इंसानों के बीच सुरक्षित सह-अस्तित्व कैसे सुनिश्चित किया जाए।

चिली में तेज रफ्तार कार ने ली छह की जान

सैन डियागो। चिली के तटीय शहर विना डेल मार में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। चिली नौसेना के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी द्वारा चलाई जा रही निजी कार अचानक एक खुले बाजार में जा घुसी। इस भीषण हादसे में कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अलग-अलग स्तर पर घायल हो गए। चिली नौसेना ने एक बयान जारी कर घटना की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और एक रिहायशी इलाके के सुरक्षा कैमरे की फुटेज में कथित तौर पर वह भयावह पल कैद है, जब तेज रफ्तार कार बाजार की दुकानों और ठेलों में जा घुसती है। अन्य वीडियो में देखा जा सकता है कि चालक को पुलिसकर्मी जल्दबाजी में एक पुलिस वाहन तक ले जा रहे हैं, जबकि गुस्साए लोग उसके पीछे दौड़ते हुए नारेबाजी कर रहे हैं। नौसेना ने अपने आधिकारिक बयान में मृतकों की सटीक संख्या नहीं बताई। हालांकि, स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हुई है। कर्नल जॉर्ज गाइता के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार सही दिशा में चल रही थी, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत तेज थी। अचानक वाहन फुटपाथ पर चढ़ गया और घूमते हुए आगे बढ़ा। कर्नल गाइता ने बताया कि सौभाग्य से बस स्टॉप से टकराने के बाद कार रुक गई। अगर वाहन आगे बढ़ता रहता, तो इससे कहीं ज्यादा जानमाल का नुकसान हो सकता था।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री का इस्तीफा

जेलेंस्की बोले नई जिम्मेदारी देंगे

कीव। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरिदेंको ने रविवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सरकार में बड़े बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि देश अपनी राजनीतिक रणनीति में बदलाव कर रहा है। स्विरिदेंको ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि आधुनिक यूक्रेन के सबसे कठिन दौर में सरकार का नेतृत्व करना उनके लिए सम्मान की बात रही। उन्होंने बताया कि इस्तीफे से पहले राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ आगे की जिम्मेदारियों पर चर्चा हुई है। हालांकि, उन्होंने नई भूमिका के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। 39 वर्षीय स्विरिदेंको जुलाई 2025 में यूक्रेन की प्रधानमंत्री बनी थीं। इससे पहले वह देश की अर्थव्यवस्था मंत्री थीं। अमेरिका और यूक्रेन के बीच महत्वपूर्ण खनिज समझौते को कराने में उनकी अहम भूमिका रही थी। इस समझौते को यूक्रेन की सुरक्षा और अमेरिका के सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण माना गया था।

'बातचीत की हर कोशिश चाहते थे राष्ट्रपति ट्रंप'

पीएम नेतन्याहू ने बताई ईरान पर अमेरिकी नीति क्या?

तेल अवीव। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ईरान के साथ बातचीत के जरिए परमाणु मुद्दे का समाधान निकालना चाहते थे। उनके मुताबिक, ट्रंप की कोशिश थी कि राजनयिक समझौते की सभी संभावनाएं पूरी तरह खत्म होने के बाद ही दूसरे विकल्पों पर विचार किया जाए। एनबीसी के मीट द प्रेस कार्यक्रम में एक साक्षात्कार के दौरान नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि अगर तेहरान अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो अमेरिकी नेता बल प्रयोग करने में संकोच नहीं करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप बातचीत के माध्यम से खास रूप से परमाणु मुद्दे पर समझौते तक पहुंचने की हर संभव कोशिश करना चाहते हैं। लेकिन जाहिर है, जब ईरान अपने हर वादे को तोड़ता है, तो वे बल प्रयोग करने से भी नहीं हिचकिचाते और आमतौर पर वादे करने के कुछ घंटों या कुछ मिनटों के भीतर ही वे ऐसा कर देते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि हमें राष्ट्रपति को अपना मौका देना चाहिए। इस्राइल के प्रधानमंत्री ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने में अमेरिका-इस्राइल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही कहा कि उनके संयुक्त प्रयासों ने तेहरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोक दिया है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं इस्राइल इस बात के लिए बेहद आभारी है कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोकने के लिए सेना में शामिल हुआ, न केवल हमारे खिलाफ बल्कि पूरे पश्चिम और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ।

लॉरेंस के प्रत्यर्पण की तैयारी में अमेरिका

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध नेटवर्क के खिलाफ अमेरिका ने बड़ी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अमेरिकी न्याय

- सात समंदर पार भी फैला बिश्नोई का साम्राज्य

विभाग अब भारत से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है। बिश्नोई पर कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की साजिश रचने और अमेरिका में कई अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े होने के आरोप हैं। यह जानकारी अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय (सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया) के जनसंपर्क अधिकारी सिएरान मैकएवॉय ने एजेंसी को दी।

गुरिंदरजीत सिंह नागरा के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू

अमेरिका ने पंजाब पुलिस के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) गुरिंदरजीत सिंह नागरा के प्रत्यर्पण की भी प्रक्रिया शुरू करने की पुष्टि की है। नागरा पर अमेरिका में चार लाख डॉलर की रंगदारी से जुड़े मामले में शामिल होने का आरोप है। जांच एजेंसियों का दावा है कि उसने लॉरेंस बिश्नोई और जग्गू भगवानपुरिया गैंग के साथ मिलकर अमेरिका में रहने वाले भारतीय मूल के संपन्न परिवारों को निशाना बनाया। एक सवाल के जवाब में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के अधिकारी सिएरान मैकएवॉय ने दोनों के प्रत्यर्पण को लेकर हां में जवाब दिया। हालांकि उन्होंने इससे आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इसी सप्ताह अमेरिका, कनाडा और यूरोप की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर तीन भारत-आधारित अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। ऑपरेशन हार्डबॉल नाम से चलाए गए इस अभियान में कुल 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 11 आरोपी कैलिफोर्निया से पकड़े गए।

दक्षिण चीन सागर को लेकर 14 देशों के बयान पर भड़का चीन

जापानी राजनयिक को तलब किया

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर पर 2016 के अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसले की 10वीं वर्षगांठ पर जापान समेत 14 देशों द्वारा चीन के समुद्री दावों को खारिज किए जाने के बाद बीजिंग ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। चीन ने रविवार को बीजिंग स्थित जापानी दूतावास के वरिष्ठ अधिकारी को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया और कहा कि दक्षिण चीन सागर पर उसकी संप्रभुता कभी नहीं बदली है। अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिलीपींस, कनाडा, जर्मनी, इटली, न्यूजीलैंड समेत कुल 14 देशों ने संयुक्त बयान जारी कर 12 जुलाई 2016 को द हेग स्थित स्थायी मध्यस्थता न्यायाधिकरण के फैसले को अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी बताया। बयान में कहा गया कि चीन के नाइन-डैश लाइन दावों का संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून के तहत कोई कानूनी आधार नहीं है।

दो ट्रकों के बीच पिसी पिकअप, 13 लोगों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर शादी से लौट रहे मेहमानों की पिकअप हाईवे पर दो ट्रकों के बीच फंस गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार यू टर्न लेते समय पीछे से ट्रक की टक्कर के बाद पिकअप दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां एक और ट्रक से भिड़ंत हो गई। स्थानीय यातायात पुलिस प्रमुख उंदांग स्यारिफ हिदायत ने बताया कि यह हादसा रविवार दोपहर इंद्रामायु रीजेंसी के कियाजारन कुलोन गांव के पास उत्तरी तटीय हाईवे पर हुआ। सभी लोग पड़ोसी परेआन गांव में शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, सभी लोग एक खुली पिकअप में सवार थे। हाईवे पर यू टर्न लेने के लिए चालक ने डिवाइडर के कट के पास वाहन की रफ्तार धीमी की और उसे रोक दिया। तभी पीछे से उसी दिशा में आ रहे एक विंग बॉक्स ट्रक ने पिकअप को जोरदार टक्कर मार दी। हिदायत ने बताया कि पहली टक्कर के बाद पिकअप सामने वाली लेन में जा पहुंची, जहां विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे ट्रक ने भी उसे टक्कर मार दी। जोरदार टक्कर के कारण पिकअप में सवार एक दर्जन से अधिक लोग उछलकर हाईवे पर जा गिरे। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हुए पांच लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें कुछ को मामूली जबकि कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

गाजा में इस्राइली हमला, पांच की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में रविवार को इस्राइली हमलों में कम से कम पांच फलस्तीनी मारे गए, जिनमें नौ साल की एक बच्ची भी शामिल है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, कई अन्य लोग घायल हुए हैं। गाजा शहर के सबरा इलाके में एक लोहार की दुकान पर ड्रोन हमला किया गया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। घायलों और मृतकों को शिफा अस्पताल ले जाया गया। इस्राइली सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसने आतंकी ढांचे को निशाना बनाया था, लेकिन इससे जुड़ी अधिक जानकारी नहीं दी। पहले हमले के बाद सेना ने आसपास के लोगों को इलाका खाली करने का आदेश दिया। करीब एक घंटे बाद उसी स्थान पर फिर से जोरदार हवाई हमला किया गया। इसी दिन मध्य गाजा के एक विस्थापन शिविर में इस्राइली गोलीबारी में नौ साल की ताला अबू मतर की मौत हो गई।

फरमान | मौलाना ने सेना पर लगाया संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने का आरोप

पाक में सियासी गर्मी : 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया

- फौज पर बरसे मौलाना फजलुर रहमान

पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। उन्होंने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया। पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससे यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।

फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं? बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है। उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है। यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, लोग कहते हैं कि हमारे युवा शहीद बन रहे हैं। आपके युवा इसी उद्देश्य से वर्दी पहनते हैं। उन्हें देश की सुरक्षा की रक्षा के लिए वेतन दिया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि तुम अपने खून का एहसान मुझ पर क्यों थोप रहे हो? तुम हमारी मेहनत और पसीने से कमाए गए करों से अपना वेतन ले रहे हो।

बाजार दर्पण

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने
गोमती नगर लखनऊ
मोबाइल: 9415016089